CCI NG 3.7 Product: NBTLucknowBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: NBTLFP User: cci Time: 12-29-2025 00:18 Color:

कानपुर (कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित) > सोमवार, 29 दिसंबर 2025 > पौष 7 शक संवत 1947 पौष शुक्ल नवमी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG पेज 14 > मूल्य सिर्फ ₹6.00 facebook.com/nbtlucknow twitter.com/nbtlucknow Vol.7 no 351

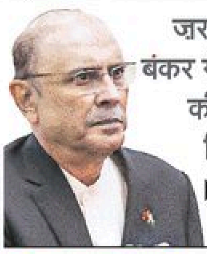

ज़रदारी को बंकर में छिपने की सलाह मिली थी ▸p14

NBT नवभारत टाइम्स

स्मृति ने खेली रेकॉर्ड पारी, भारत 30 रन से जीता ▸p13

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

खबरों के अंदर की बात

NBT Lens

देखें पेज 4

2026 नई उम्मीद

2026 में किन बदलावों से गुजरेगी दुनिया और भारत पर उनका क्या पड़ेगा असर? इकॉनमी, जल संकट, AI और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर 26 सवाल हमने पूछे 26 एक्सपर्ट्स से... अपने पिटारे में क्या खास लेकर आ रहा है यह बरस... देखें पेज 6-7

आज खास

बच्चों को चाहिए सोचने की आज़ादी

धीरे धरिया पार्व

देखें पेज 10 व 11

फटाफट खबरें

12वीं तक के स्कूल 1 जनवरी तक बंद

UP में 12वीं तक के स्कूल 1 जनवरी तक बंद रहेंगे। सीएम के निर्देश पर डीजी स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने यह आदेश जारी किया है। सीएम ने कंबल व अलाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्नाव रेप पीड़िता की तबीयत बिगड़ी

उन्नाव रेप केस में दोषी कुलदीप सेंगर की जमानत के विरोध में रविवार को दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन हुआ। इस दौरान तबीयत बिगड़ने पर रेप पीड़िता और उसकी मां को अस्पताल ले जाना पड़ा। जमानत के खिलाफ SC में सोमवार को सुनवाई होगी।

हवाला से आता था कफ सिरप का पेमेंट

कफ सिरप तस्करी में वाराणसी पुलिस ने पांच को पकड़ा है। इनमें दो लोगों की बोगस फर्मों के खातों में नकद जमा किए जाते थे। फिर यह रकम सरगना शुभम के खाते में ट्रांसफर की जाती थी। पूछताछ में पता चला कि बांग्लादेश से कफ सिरप का पेमेंट हवाला व गोल्ड के जरिए होता था। इसके तार गुजरात से भी जुड़े हैं। ▸▸पेज 12

पश्चिम बंगाल के CEO को Y+ सुरक्षा

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) मनोज अग्रवाल को CISF की Y+ श्रेणी सुरक्षा दी गई है। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की सुनवाई के दौरान संभावित खतरों पर यह इंतजाम किया गया है।

दिल्ली के प्रदूषण से परेशान, दिया इस्तीफा

दिल्ली में वायु प्रदूषण की वजह से एक फार्मा कंपनी के प्रेसिडेंट (फाइनेंस) राजकुमार बाफना ने इस्तीफा दे दिया। कंपनी ने 27 दिसंबर को स्टॉक एक्सचेंज को इस बारे में सूचना दी। कंपनी ने कहा कि स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए उन्हें पद पर बने रहने के लिए मनाना संभव नहीं है।

'नस्लीय टिप्पणी के विरोध पर हुई हत्या'

देहरादून में 9 दिसंबर को चाकू से हुए हमले में घायल त्रिपुरा निवासी MBA स्टूडेंट एंजेल चकमा (24) की मौत हो गई। पुलिस पांच आरोपितों को पकड़ चुकी है। एक फरार आरोपित पर ₹25 हजार का इनाम रखा है। एंजेल के पिता BSF में तैनात हैं। उन्होंने नस्लीय टिप्पणी के विरोध पर हत्या का आरोप लगाया है। ▸▸पेज 14

हैपी मॉर्निंग

टीचर: प्यार का दूसरा नाम क्या है?
मोनू: जी, समर्पण।
टीचर: फिर विवाह का दूसरा नाम क्या है?
मोनू: जी, आत्मसमर्पण।

महापुरुषों के नाम पर अराजकता फैला रहे कुछ लोग: योगी

कहा-कानून व्यवस्था प्रभावित करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'पुलिस मंथन-2025' के दूसरे दिन रविवार को अफसरों से कहा कि सोशल मीडिया पर कानून व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द प्रभावित करने वालों और साइबर अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से लागू की जाए। उन्होंने 'अंतरराष्ट्रीय अनुदानित धर्मांतरण रैकेट' की रोकथाम के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, वित्तीय ट्रेल, तकनीकी विश्लेषण एवं आधुनिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के भी निर्देश दिए।

सीएम ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग, दुष्प्रचार, डीपफेक, डार्क वेब, साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता जताते हुए पुलिस और इंटेलिजेंस तंत्र को अलर्ट रहने को कहा। सीएम ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व महापुरुषों के नाम का दुरुपयोग कर नए-नए संगठन बनाकर अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ऐसे संगठनों की पृष्ठभूमि की गहन जांचकर उनके नेटवर्क को ध्वस्त करे।

धर्मांतरण को गंभीर चुनौती बताते हुए सीएम ने कहा कि बलरामपुर जैसी घटनाएं संकेत हैं कि ऐसे प्रयास संगठित रूप से किए जा रहे हैं। उन्होंने आगरा के पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार द्वारा अवैध धर्मांतरण के अंतरराष्ट्रीय रैकेट के खुलासे का जिक्र करते हुए कहा कि सीधी की सतर्कता के चलते एक छोटी सी घटना से बड़े रैकेट का खुलासा हुआ। इसी तरह धार्मिक कन्वर्जन से जुड़ी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए। ▸▸पेज 2

पुलिस मंथन के दूसरे दिन रविवार को सीएम योगी ने अच्छा काम करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी बढ़ाएं: सीएम

सीएम ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से लगी सीमाओं से बढ़ रही आतंकवादी गतिविधियों के नए आयामों का गहन विश्लेषण करते हुए निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। उन्होंने नशीले पदार्थों की तस्करी एवं संगठित अपराध के खिलाफ और प्रभावी व निर्णायक कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि इसके लिए विभागीय समन्वय एवं सुरक्षा एजेंसियों के बीच रियल-टाइम सूचना साझा की जाए। गो-तस्करी के मामलों में केवल त्वरित गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे नेटवर्क की पहचान कर कठोरतम कार्रवाई की जाए।

लेखपाल भर्ती में SC और OBC के पद बढ़े

संशोधित विज्ञापन जारी, अनारक्षित पद घटे

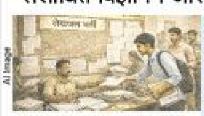

AI Image

7,994 पदों पर भर्ती के लिए UPSSSC ने नए सिरे से विज्ञापन निकाला

717 पद बढ़े OBC श्रेणी के, 1,441 के बजाय अब 2,158 पद

233 पद बढ़ाए गए SC श्रेणी में, 1,446 की जगह 1,679 पद हुए

960 पद घटे अनारक्षित श्रेणी के, 4,165 के बजाय 3,205 पदों पर होगी भर्ती

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : यूपी में लेखपाल भर्ती में आरक्षण पर उठे सवालों के बाद यूपी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) ने संशोधित विज्ञापन जारी किया है। नए विज्ञापन में अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और अनुसूचित जाति (SC) श्रेणी के पद बढ़ गए हैं, जबकि अनारक्षित श्रेणी के पदों की संख्या घट गई है। भर्ती के लिए आवेदन सोमवार से शुरू होंगे।

UPSSSC ने 16 दिसंबर को लेखपाल के 7,994 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसमें OBC के पदों की संख्या कम होने के आरोप लगे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए राजस्व परिषद को आरक्षण की विसंगति दूर कर संशोधित अधियाचन भेजने के निर्देश दिए थे। राजस्व परिषद ने शुक्रवार को UPSSSC को संशोधित अधियाचन भेजा। इसके बाद नया विज्ञापन जारी कर दिया गया है।

पनडुब्बी पर जाने वाली दूसरी प्रेजिडेंट बनीं मुर्मु

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नेवी के पनडुब्बी में सवार होकर समुद्री यात्रा की। वह पनडुब्बी पर यात्रा करने वाली दूसरी राष्ट्रपति बनीं। इससे पहले बतौर राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पनडुब्बी पर गए थे।

राष्ट्रपति रविवार को कर्नाटक के कारवार नेवल बेस गईं। उन्होंने नेवी की स्वदेशी कलवरी क्लास सबमरीन INS वाघशीर में सवार होकर यात्रा की। उनके साथ नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी भी थे।

कानपुर में ज़िंदा मरीज़ को बताया मुर्दा, तीन निलंबित

■ NBT रिपोर्ट, कानपुर: GSVM मेडिकल कॉलेज में जिंदा मरीज को कागजों पर मुर्दा बताकर पुलिस को सूचना भेज दी गई। कॉलेज के एलएलआर अस्पताल की इमरजेंसी में 27 दिसंबर को 60 साल के मरीज की मौत हुई, लेकिन पुलिस को दूसरे मरीज की मौत की जानकारी भेज दी गई। पुलिस पोस्टमॉर्टम के लिए शव लेने पहुंची तो मरीज जिंदा मिला। इस मामले में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आदेश पर आरोपित जूनियर डॉक्टर, स्टाफ नर्स और आया को निलंबित कर दिया गया है।

जूनियर डॉक्टर, स्टाफ नर्स, आया पर कार्रवाई

शादी के 22 दिन बाद एक फंदे से लटके मिले दंपती के शव

■ NBT न्यूज, सीतापुर: 22 दिन पहले प्रेम विवाह करने वाले खुशीराम (22) और मोहिनी (19) के शव रविवार सुबह अनिया कलां के महामाई मंदिर में लगे पेड़ से एक ही फंदे से लटकते मिले। उन्होंने यहीं शादी की थी। दोनों के पैर जमीन से छू रहे थे। खुशीराम और मोहिनी बसीपुरवा निवासी थे और रिश्ते में भाई-बहन लगते थे। शादी के बाद काफी मान-मनौव्वल पर घरवाले राजी हुए थे। सीओ नेहा त्रिपाठी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

रिश्ते में भाई-बहन थे, जमीन से छू रहे थे पैर

फैसला गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को किसी विवाह स्थल पर ले जाने पर प्रतिबंध

अकाल तख्त का आदेश- पार्क, होटल में आनंद कारज नहीं होगा

■ NBT रिपोर्ट, चंडीगढ़

अकाल तख्त साहिब पर रविवार को पांच सिंह साहिबानों की संयुक्त बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। 2025 की अंतिम बैठक में लिए गए ये फैसले सीधे सिख संगत से जुड़े हैं। अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने बताया कि आनंद कारज अब सिर्फ गुरुद्वारे में ही होगा। पार्क, होटल और अन्य खुले या व्यावसायिक जगहों पर आनंद कारज की पूरी तरह मनाही होगी। गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को किसी भी विवाह स्थल पर ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

पावन स्वरूपों से जुड़े मामलों में कोई भी राजनीतिक दल हस्तक्षेप नहीं करेगा। वर्तमान सरकार और सत्ताधारी राजनीतिक दल को चेतावनी दी गई कि यदि सिखों के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप बंद नहीं किया गया, तो पंथक परंपराओं के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि किसी भी फैसले के उल्लंघन की स्थिति में पावन स्वरूप देने वाले व्यक्ति, आनंद कारज कराने वाले रागी जत्थे और संबंधित स्थानों के मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

साल की अंतिम बैठक फैसले के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई।

सिख गुरुओं पर नहीं बनेंगी AI फिल्में

बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि धार्मिक विषयों पर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) विडियो और फिल्में नहीं बनाई जा सकतीं। इससे सिख मर्यादाओं और परंपराओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। SGPC की अनुमति के बिना सिख इतिहास से संबंधित कोई फिल्म नहीं बनाई जा सकती। इस फैसले की प्रतियां फिल्म निर्माताओं को भेजी जाएंगी।

विश्वनाथ अकादमीः सामूहिक उत्सव में बच्चों से लेकर बड़े तक झूमे

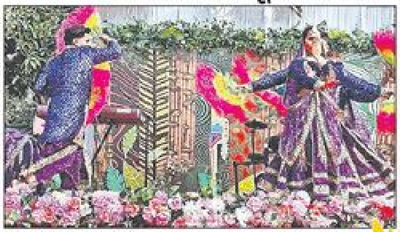

विश्वनाथ अकादमी में क्रिसमस की पूर्व संध्या कुछ खास थी। मौका था सामूहिक उत्सव का। 24 दिसंबर को प्रतिस्पर्धा, उत्साह, ऊर्जा और आनंद से भरपूर इस कलरफुल इवेंट ने पूरे स्कूल को उल्लास से भर दिया। इवेंट में बेबी शो सहित कई तरह के खेलों, शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों के स्टॉल लगाए गए, जिन पर भीड़ ने कम होने का नाम नहीं लिया। बच्चों के लिए विशेष रूप से लगाए गए फूड, खिलौने और उपहारों के स्टॉल भी खूब पसंद किए गए। छोटे बच्चों के लिए झूले लगाए गए, जबकि बड़े बच्चों और अभिभावकों ने भी मेले का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। ढोल की धुन पर बच्चों ने खूब धमाल मचाया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थापक माखनलाल तिवारी ने की, जबकि डायरेक्टर सिद्धार्थ तिवारी, प्रधानाचार्य डॉ. चारु खरे सहित सभी टीचर इवेंट में मौजूद रहे।

वीकली एक्टिविटी

अवध कॉलेजिएटः साहिबज़ादों की शहादत को किया नमन

अवध कॉलेजिएट स्कूल की सभी शाखाओं में सिख इतिहास के अमर शहीद चार साहिबजादों की शहादत को श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करते हुए विशेष कार्यक्रम हुए। इस दौरान विद्यार्थियों को बाबा अजीत सिंह जी, बाबा जुझार सिंह जी, बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के बलिदान, साहस और धर्मनिष्ठा से रू-ब-रू करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रार्थना सभा, भाषण, कविता पाठ, चित्रकला और पोस्टर प्रतियोगिताएं हुईं। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए साहिबजादों की बलिदान गाथा को भावपूर्ण रूप में प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रबंधक सर्वजीत सिंह, निदेशिका जतिंदर वालिया और संयुक्त निदेशिका डॉ. ब्रह्मजोत कौर ने साहिबजादों के बलिदान के बारे में बताया।

गुरु हैं हम

डॉ. उर्वशी साहनी, सीईओ, स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन

'विंटर वकेशंस का सदुपयोग क्रिएटिव लर्निंग में करें'

हम जब स्कूल में थे तो तीन हफ्तों की विंटर वकेशंस होती थीं। हम खूब धमाल करते थे। खेलना-कूदना, क्लब की क्रिसमस पार्टी अटेंड करना, कजिन के साथ नए नए खेल ईजाद करने समेत कई ऐक्टिविटी होती थीं। आज स्कूल बच्चों के इस समय को इस्तेमाल करने के लिए विंटर कैंप लगाते हैं, जिनमें खेल से लेकर कई तरह की फिजिकल ऐक्टिविटीज होती हैं। लेकिन, जो बच्चे इस तरह के कैंप का हिस्सा नहीं बनते वो इन छुट्टियों को सिर्फ घूमने, खाने, सोशल मीडिया या सोने में खराब न करें। कुछ नया सीखें, नई किताबें पढ़ें, अपने पैरंट्स और ग्रैंड पैरंट्स के साथ समय बिताएं, उनकी कहानियां सुनें, उनके साथ प्रॉडक्टिव ऐक्टिविटी करें। नए नाटक, नए खेल सीखें। सोशल मीडिया और टीवी स्क्रीन पर बहुत ज्यादा समय बिताने की जगह अपनी हॉबी पर काम करें। पैरंट्स को भी बच्चों के फोन इस्तेमाल पर कर्फ्यू लगाकर अपने साथ काम में लगाना चाहिए। यह बहुत अच्छा समय है, जब बच्चे कुछ नया सीख सकते हैं। वहीं, बोर्ड की तैयारी वाले बच्चे ग्रुप स्टडी करें। जो पढ़ा उसे आपस में शेयर करके तैयार करें। खेल-खेल में सीखने-सिखाने से ही हम बच्चों की क्रिएटिविटी बरकरार रख सकेंगे।

नाम में क्या रखा है?

राजेश अग्रवाल, MD, सेंट जोसेफ स्कूल (बजाज ग्रुप)

हम लोग मैम को 'धाकड़ गर्ल' कहते हैं

बचपन में पढ़ाई के दौरान टीचर्स के नाम रखना आम बात है। हमने भी पढ़ाई के दौरान कई टीचर्स के नाम रखे थे, लेकिन स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन के किसी मेंबर का नाम रखना नया है। हमारे स्कूल में एक मैम हैं एडमिनिस्ट्रेशन में- एकता शुक्ला मैम। बेहद बोल्ड और स्मार्ट, हम पूरा स्टाफ उन्हें धाकड़ गर्ल बुलाता है। वजह यह है कि कोई भी काम हो वह किसी में पीछे नहीं रहती हैं। खेल से जुड़ा काम हो, कहीं जाना हो, किसी शरारती बच्चे या किसी नाखुश अभिभावक को समझाना है, वह हमेशा सामने खड़ी रहती हैं। आलम यह है कि स्कूल की प्रबंध निदेशिका सीमा अग्रवाल भी उनके साथ स्कूटी पर बैठकर काम पर निकल जाती हैं, जबकि वह कभी स्कूटी पर नहीं बैठतीं। उनको मैम पर बहुत भरोसा है और उनकी बहुत तारीफ भी करती हैं। धाकड़ गर्ल हमारे स्कूल की शानदार टीचर हैं।

स्कूलों में क्रिएटिविटी का अभाव, एजुकेशन सिस्टम पर बड़ा सवाल

बच्चों को चाहिए सोचने की आज़ादी

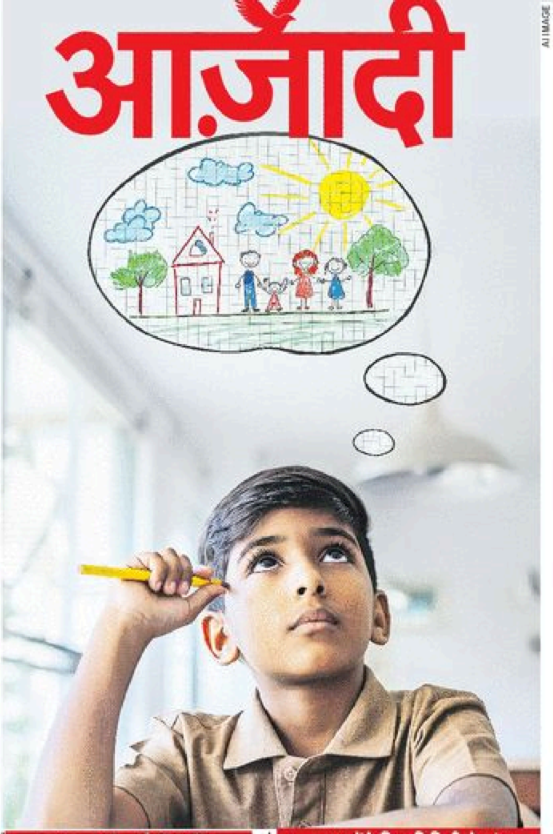

AI IMAGE

■ सैयद राना, लखनऊः मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने एक हालिया इंटरव्यू में बच्चों की क्रिएटिविटी और पढ़ाई के सिस्टम पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश के स्कूलों में एकरूपता इतनी ज्यादा है कि बच्चों की क्रिएटिविटी नहीं दिखती। मसलन, आर्ट के पीरियड में टीचर एक प्लेन शीट देकर बच्चों से सीनरी बनाने को कहे तो ज्यादातर बच्चे पहाड़, सूरज, चिड़ियां और पहाड़ों के बीच से निकलती नदी के साथ एक घर और पेड़ ही बनाते हैं। जावेद अख्तर की यह बात एजुकेशन सिस्टम पर बड़ा सवाल खड़े करती है। अहम सवाल कि क्या बच्चे सच में इतने सीमित हैं, या फिर उनकी कल्पना को सीमित कर दिया गया है? जो दिखता है उसे बयां करने का नाम कला है या उन्हें चंद लकीरों, कुछ आकारों और रंगों के जरिए कागज पर उतार देना कला है? शिक्षकों और अभिभावकों को समझाने की जरूरत है कि कला का अर्थ अपने नजरिए को पेश करना है, जिसके लिए कल्पनाशीलता की जरूरत है और कल्पनाशीलता बच्चों को एक्सपोजर देने से आती है। विशेषज्ञों, शिक्षकों और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इसका उत्तर बच्चों से अधिक हमारे स्कूल सिस्टम और सोच में छिपा है। बच्चों में यह कल्पनाशक्ति हमेशा से मौजूद है, जिसे एक संवेदनशील टीचर ही परवाज दे सकता है।

जो दिखता है, वही सबसे आसान

विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे बच्चे अपनी दुनिया को देखकर सीखते हैं। रोज उनके सामने आसमान, सूरज, पेड़, घर और सड़क होती है। रंगों को पहचानने और प्रयोग करने का सबसे आसान तरीका उन्हें यही लगता है। नीला रंग दिखते ही आसमान, हरा देखते ही पेड़ याद आ जाता है और यह जुड़ाव स्वाभाविक है। इसलिए रंगों के नाम पर सीनरी बनाना बच्चों की प्राकृतिक शुरुआत मानी जा सकती है, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब यही शुरुआत अंत बन जाती है। छोटे बच्चों की कल्पना अमूर्त नहीं होती। वे रंग को भावना, विचार या प्रतीक की तरह नहीं, बल्कि किसी ठोस वस्तु से जोड़कर समझते हैं। यही उनका शुरुआती व्याकरण है। अगर उन्हें यह न बताया जाए कि रंगों से भावनाएं, आकृतियां, पैटर्न और मन की बातें भी जाहिर की जा सकती हैं, तो उनकी रचनात्मक यात्रा आगे नहीं बढ़ पाती।

लाइन के अंदर रंग भरो से सीधा सोचने की शुरुआत

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट **डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव** का कहना है कि बच्चों की रचनात्मकता पर स्कूल और अभिभावकों का सीधा असर पड़ता है। स्कूलों में कला को आज भी गंभीर अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि एक पूरक विषय की तरह देखा जाता है। ड्रॉइंग पीरियड में अक्सर निर्देश मिलते हैं कि सुंदर सीनरी बनाओ, लाइन के अंदर रंग भरो, यही रंग सही है...। इन कमांड के साथ बच्चों के मन में यह बैठ जाता है कि कला का मतलब तय ढांचे में सुंदर दिखना है। धीरे-धीरे अलग सोचने या प्रयोग करने की गुंजाइश कम होती जाती है। जो बच्चा सूरज को नीला या पेड़ को लाल बना देता है, उसे सुधार दिया जाता है और यहीं से क्रिएटिविटी को सीमित करने की शुरुआत होती है। एक डर भी पनपता है कि कहीं गलती न हो जाए। बच्चे बड़ों की बताई बात को मानने लगते हैं, उन्हें लगने लगता है कि सूरज पीला ही होगा और घास हरी। स्वतंत्र चित्रण में बच्चे डरते हैं कि कहीं टीचर या बड़े टोक न दें, नंबर न काट लें। मूल्यांकन प्रणाली भी इसी डर को बढ़ाती है। तय पैटर्न से अलग काम करने वाले बच्चों को अक्सर कम अंक या नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है। नतीजा यह होता है कि बच्चे प्रयोग छोड़कर नकल को अपनाने लगते हैं।

हर बच्चा होता है क्रिएटिव

साइकोलॉजिस्ट **डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव** कहती हैं कि जब हर बच्चे से एक-सा सोचने, एक-सा लिखने और एक-सा बनाने की अपेक्षा की जाती है, तो रचनात्मकता दबने लगती है। स्कूलों में एक-जैसा सिलेबस, तय उत्तर और तय ड्रॉइंग बच्चों को सुरक्षित दायरे में बांध देती है। धीरे-धीरे वे सवाल पूछना और नया सोचना कम कर देते हैं। सोचने की जगह नकल करना आसान हो जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि हर बच्चा जन्म से क्रिएटिव होता है। वह खिलौनों से बात करता है, मन से कहानियां गढ़ता है, डॉक्टर-टीचर-सुपरहीरो बनता है और कबाड़ से नई चीजें रच देता है। उसकी रचनात्मकता ड्रॉइंग तक सीमित नहीं होती, बल्कि सोच, अभिनय और सवालों में दिखाई देती है। समस्या बच्चों में नहीं, बल्कि उस माहौल में है जो धीरे-धीरे उनकी कल्पना के पंख काट देता है।

उपाय भरेंगे क्रिएटिविटी के रंग

- बच्चों को बिना विषय दिए ड्रॉइंग करने का मौका दिया जाए। भावनाओं जैसे- खुशी, डर, गुस्सा पर चित्र बनवाए जाएं। संगीत बजाकर रंगों से खेलने दिया जाए।
- आर्ट में नंबर और तुलना की जगह बातचीत और सराहना हो। शिक्षकों को क्रिएटिव टीचिंग का प्रशिक्षण मिले, बच्चों को यह भरोसा दिया जाए कि कला में कोई सही या गलत नहीं होता।
- कला को अभिव्यक्ति का माध्यम समझें, तो बच्चे सीनरी से आगे बढ़कर भावनाओं, विचारों और कल्पना से नई दुनिया रच सकते हैं। रंग तब सिर्फ देखने की चीज नहीं रहेंगे, बल्कि महसूस करने की भाषा बन जाएंगे और यही सच्ची रचनात्मक शिक्षा का उद्देश्य है।

कुछ शिक्षकों ने किए प्रयोग

दिल्ली पब्लिक स्कूल, जानकीपुरम के आर्ट टीचर **शिवमंगल सोनकर** कहते हैं कि यह सच है कि बच्चों में आर्ट को लेकर एक नकल है। उदाहरण के तौर पर दसवीं के दो-तीन बच्चों ने ब्लैक पोर्टेट बनाने की शुरुआत की थी और उन्हें देखते हुए पूरा क्लास बनाने लगा। सीनरी की बात करें तो बच्चे एक जैसी पेंटिंग बनाते हैं। हालांकि, अब हालात बदल रहे हैं। आजकल बच्चे ज्यादातर एनिमी या मंडला आर्ट की तरफ रुख कर रहे हैं। सीनरी में भी सनराइज या सनसेट के चित्र बनाते हैं, लेकिन अलग तरीके से। फिर भी एक सेट पैटर्न तो है ही। ऐसे में मैंने अपने बच्चों के साथ कई प्रयोग किए हैं। जैसे- अब मैं बच्चों के सामने ऑब्जेक्ट रखता हूं, बच्चों को सेमी सर्किल में बैठाकर उनसे कहता हूं कि सामने के ऑब्जेक्ट को अपने नजरिए से पेश करें। या फिर बच्चों को मैदान में ले जाकर उनसे कहता हूं कि जो दिख रहा है, उसे बनाइए। ऐसे में बच्चे अपने एक्सप्रेशन को चित्र में उकेरते हैं और हमें एक चीज के कई पहलू दिखते हैं। बच्चे अपनी आर्ट के जरिए स्टोरी टेलिंग करने लगे हैं। इसके अलावा हम लोग आर्ट को महज पीरियड की तरह देखने की मान्यता को तोड़ रहे हैं। पैरंट्स से बात करते हैं कि आर्ट के लिए बहुत से करियर विकल्प हैं तो पैरंट्स भी अपना दायरा बढ़ा रहे हैं। छोटे बच्चों को भी शेप्स के जरिए क्रिएटिव बना रहे हैं। जैसे- गोल आकार में कौन सी सब्जी और कौन सा फल आता है, त्रिभुज के क्या ऑब्जेक्ट होते हैं? ऐसे में बच्चे सोचते हैं और उनकी कल्पनाशक्ति उड़ान भरती है। नए-नए आर्ट फॉर्म्स भी हम बच्चों को सिखा रहे हैं।

आर्ट को थीम की तरह पढ़ाया जा रहा

कुंस्कैप्सकोलन स्कूल की प्राइमरी टीचर **चांदनी मेहरोत्रा** का कहना है कि थीम बेस्ड पढ़ाई बेहतर विकल्प है। हम आर्ट में भी यही लागू करते हैं। आर्ट इंटरप्रेटेशन फॉर्म में सिखाते हैं। मसलन, बच्चा ईवीएस में भारत के त्योहार पढ़ेगा तो वह ड्रॉइंग में भी भारत के त्योहार बनाएगा। क्राफ्ट में भी उसी का काम होगा। आर्ट स्किल और ऐक्टिविटी बेस्ड है। मसलन-सीनरी या रंगोली पोर्टेबिल जैसे अलग-अलग शेप में बनाएंगे। छोटे से लेकर बड़े बच्चों में यही तरीका अप्लाई हो रहा है।

टीचर को एक्सपोजर देना होगा

कुंस्कैप्सकोलन स्कूल के सीनियर आर्ट टीचर **समिरन मजूमदार** बताते हैं कि स्कूल में बच्चों को हर कार्यक्रम में गत्ते के इस्तेमाल के लिए मोटिवेट किया जा रहा है। ये गत्ते रीयूजेबल हैं, यानी अभी तक हमने यही गत्ते 15-16 बार इस्तेमाल कर लिए हैं। अब बच्चों को 17वीं बार किस तरह इन गत्तों को इस्तेमाल करना है, वे इस बारे में सोचेंगे और अपने हिसाब से अगले इवेंट में इसका इस्तेमाल करेंगे। इससे उनको सोचने का समय मिलता है और वे अपनी क्रिएटिविटी का भरपूर इस्तेमाल करते हैं। हमने बच्चों को पत्तियों से रंग बनाकर टाई ऐंड डाई की कला सिखाई। समिरन कहते हैं कि अक्सर टीचर बच्चों को एक्सपोजर नहीं देते, क्योंकि इसके लिए टीचर को अपनी लिमिट को पुश करना होगा। बच्चों की स्किल, फ्रीडम और टीचर की प्लानिंग से ही बच्चों की क्रिएटिविटी को बचाया जा सकता है। बच्चा प से पतंग भले न कहे, लेकिन इतनी स्वीकार्यता अगर टीचर के अंदर हो कि बच्चा पतंग बनाकर अपनी भावना जाहिर करे, तो उसे पूरी तरह खारिज न किया जाए।

बच्चों को उनके हिसाब से दिखाने दें हुनर

वरिष्ठ बाल साहित्य लेखक **संजीव जायसवाल** के अनुसार जब तक बच्चों को किसी बंधन में बांधकर रचनात्मकता दिखाने को कहा जाएगा, तब तक उनकी कल्पनाशीलता सामने नहीं आएगी। तय विषय देने पर वे खुद को सीमित महसूस करते हैं। स्कूलों में ऐसी प्रतियोगिताएं होनी चाहिए, जहां बच्चों से केवल अपनी कल्पना के आधार पर कहानी लिखने को कहा जाए। एक बार ऐसी ही प्रतियोगिता में एक बच्ची ने परी को मददगार नहीं, बल्कि मदद मांगने वाला पात्र बनाकर मोबाइल की लत से जोड़ा और प्रभावी संदेश दिया। इसी तरह खेलों में भी नए प्रयोग बच्चों की कल्पनाशक्ति बढ़ा सकते हैं।

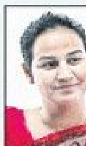

बच्चों के अंदर का डर निकालना है जरूरी

उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी की निदेशक **डॉ. श्रद्धा शुक्ला** का कहना है कि बच्चों की रचनात्मकता निखारने के लिए उनके मन का डर हटाना जरूरी है। जब हम पहले से कोई आकृति बनाकर दिखाते हैं और वैसा ही बनाने को कहते हैं, तो बच्चे गलत होने के डर से बंध जाते हैं। बच्चों को अपने नजरिये से दुनिया देखने और कैनवास पर उतारने की आजादी मिलनी चाहिए। वे प्रकृति को अपने आसपास सड़क, मैदान, बगीचे के रूप में देखें। कल्पनाशीलता स्वाभाविक है, बस उसे खुलकर व्यक्त करने का अवसर देना चाहिए।

बनिये FUN का हिस्सा

बच्चो! NBT का यह प्रयास आपको कैसा लगा, हमें इस बारे में जरूर बताएं। साथ ही आप भी इस पेज का हिस्सा बन सकते हैं। आपने किसी क्रिएटिव वर्क, सोशल ऐक्टिविटी, ग्रुप ऐक्टिविटी, स्कूल में हुई ऐक्टिविटी को तस्वीर के साथ हमारे साथ मेल, वॉट्सऐप या ई-मेल के जरिए नाम-पते के साथ शेयर करें। चुनिंदा प्रयासों को हम 'FUN फैक्ट्री' में प्रकाशित करेंगे। तो देर किस बात की तैयार हो जाइये अपनी खासियत बताने के लिए। ई-मेल के सब्जेक्ट में 'NBT FUN फैक्ट्री' जरूर लिखें।

nbtreader@timesofindia.com
8005000349
डाक : नवभारत टाइम्स, पद्मापुर टावर, 38/22, मीराबाई मार्ग, लखनऊ, 226001

भरिए क्रिएटिविटी के रंग

इस तस्वीर में रंग भरकर नाम, पता, मोबाइल नंबर और अपनी फोटो के साथ डाक, वॉट्सऐप या ई-मेल से शुक्रवार शाम तक भेजिए। चुनिंदा तस्वीरें हम प्रकाशित करेंगे।

पिछले अंक में हमने एक तस्वीर छापी थी, उसमें बच्चों से क्रिएटिविटी के रंग भरने को कहा था। हमें कई बच्चों ने रंग भरकर तस्वीरें भेजीं। उनमें से चुनिंदा हम प्रकाशित कर रहे हैं।

सात्विक शर्मा, कक्षा : 2, सीएमएस, इंदिरानगर

सान्वी सिंह, कक्षा : 3, आशुतोष नगर, कृष्णा नगर

मो. हम्माद, कक्षा : 1, सेंट फ्रांसिस कॉलेज

अग्रिमा सिंह, कक्षा : एलकेजी, माउंट कार्मेल कॉलेज, महानगर

इशानी, क्लास-5, जानकीपुरम

मान्या मिश्रा, कक्षा : एक, सूर्या एकेडमी, जानकीपुरम

FUNNNY सवाल

- पढ़ाई और मोबाइल में क्या फर्क है?
- सबसे मेहनती कौन होता है?
- अगर मच्छर इंसान होते तो क्या करते?
- सबसे सच्चा दोस्त कौन?
- अगर स्कूल में Wi-Fi फ्री हो जाए तो क्या होगा?
- नींद और अलार्म में दुश्मनी क्यों है?

हमें जवाब शुक्रवार तक भेजें। सही जवाब देने वाले चुनिंदा लोगों की फोटो हम प्रकाशित करेंगे। सही जवाब अगले अंक में देखें।

विजेता

सान्वी दीक्षित

CCI NG 3.7 Product: NBTLucknowBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: NBTLPG11 User: manoj.pandey Time: 12-28-2025 22:29 Color:

द्वंद्व एक ही व्यक्ति तक सीमित नहीं होता, परिवर्तन एक ही दिशा को व्याप्त नहीं करता। -मोहन राकेश

सौ साल पहले

जेपी शुक्ला

भुजइन अइया का वह चिढ़ाने का अंदाज़

AI Image

'भैया हमसे शादी कब करोगे? तुमने हमसे वादा किया था।' आज बहिरा अइया ने फिर मुझे चिढ़ाते हुए कहा। चिढ़ाने के बाद हंसने लगी। आस-पास के लोग भी उनकी बात सुनकर हंसने लगे। मैंने उसके प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया। उत्तर न देने में ही मेरी भलाई थी।

मुझको चिढ़ाने के लिए बहिरा ने अपना फार्मूला बनाया हुआ था। शायद कभी जब मैं दो-ढाई साल का था बहिरा ने मुझे खेलता देख पूछा था, भइया बड़े होकर मुझसे शादी करोगे? मैंने अपनी तोतली भाषा में क्या कहा, पता नहीं। परंतु बहिरा को मुझे चिढ़ाने का फार्मूला मिल गया। जब मैं 10-12 साल का हो गया, बहिरा प्रायः मुझे चिढ़ाती, हंसती, उसके बाद प्यार से हालचाल पूछती। तब मैं भी सामान्य रूप से उससे बातें करता।

बहिरा हमारे गांव की भुजइन (भड़भूजा स्त्री) थी। उसका असली नाम क्या था पता नहीं। सब लोग बहिरा कहते थे, कारण बहुत ऊंचा सुनती थी। उससे बात करने के लिए लगभग चिल्लाना पड़ता था।

बहिरा हमारे गांव के सबसे गरीब लोगों में थी। उसके पास खेती की जमीन का एक टुकड़ा भी नहीं था। संपत्ति के नाम पर एक कमरे का छोटा सा कच्चा मकान। बाहर एक छप्पर के नीचे मिट्टी की मटकियों को मिट्टी से ही जोड़कर बनाया गया भाड़, जिसमें वह गांव वालों का अनाज भूंजती थी। सामने ईंधन डालने की व्यवस्था और पीछे की तरफ धुआं निकलने का छेद। यही बहिरा का कारखाना था। इसी के सहारे उसका जीवन चलता था। पति की मृत्यु बहुत पहले हो चुकी थी। एक बेटा था जो उसके काम में सहायता करता था।

उस युग में भुने हुए अनाज को ही जलपान के लिए प्रयोग किया जाता था और घर में मेहमान आने पर उनके स्वागत के लिए भी। भुने अनाज में लाई का महत्व सबसे अधिक था क्योंकि अनाजों में चावल ही सबसे महंगा होता था।

वैसे घर में मौजूद सभी अनाज भूंजकर खाए जा सकते थे, चावल, जौ, चना, मटर, ज्वार, मक्का लगभग सभी कुछ। हां, कुछ अनाज सीधे गरम बालू में भूने जा सकते थे, जबकि कुछ को भूंजने के लिए विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता पड़ती थी। ज्वार, मक्का सीधे भूने जा सकते थे। चना, मटर को भूंजने के पहले पानी डालकर थोड़ा नम किया जाता था। जौ भूंजने की प्रक्रिया और जटिल थी। उसका छिलका अलग करने के लिए पहले उसको भिगोकर ओखली में कूटा जाता, फिर भूंजा जाता।

लाई, खील, चिउड़ा एक ही धान से बनते परंतु बनाने की प्रक्रिया अलग-अलग होती। बहिरा के भाड़ में सबकुछ भूंजने की व्यवस्था थी। उसका भाड़ दिन के तीसरे पहर जलता। कभी लोग स्वयं पता लगा लेते, कभी बहिरा घरों में जाकर बता जाती कि उसका भाड़ जलने वाला है। लोग अपने-अपने बर्तनों में भूंजा जाने वाला अनाज स्वयं लाते या भिजवा देते। बहिरा बारी-बारी सबका अनाज भूंजती।

भूंजने के पहले मात्रा के अनुसार हर किसी बर्तन से एक मुट्ठी, दो मुट्ठी, चार मुट्ठी अनाज निकाल कर अलग रख लेती। यही बहिरा की मजदूरी थी। इसी के सहारे उसका खर्च चलता था। कभी-कभी घर में कोई कामकाज होने पर अधिक मात्रा में भुंजाई होती, तब बहिरा को अलग से मजदूरी मिलती।

भुने अनाज के अतिरिक्त महीने दो महीने जलपान के लिए दूसरी वस्तुएं उपलब्ध रहतीं। जैसे हरी मटर, आलू, गन्ने का ताजा रस या मौसम में मक्के का भुट्टा, ककड़ी का फूट। कभी-कभी सांवा का चावल भी मिलता जो बिना पकाए दूध में मिलाकर खाया जा सकता था। तब रेफ्रिजरेटर जैसी कोई वस्तु नहीं थी, इसलिए मौसमी वस्तुएं अपने मौसम में ही मिलती थीं, थोड़े दिनों के लिए। यात्रा में जाते समय साथ ले जाने के लिए सत्तू ले जाना सामान्य बात थी। यह जौ और चने को एक साथ बहिरा के भाड़ में भूंजकर और फिर चक्की में पीस कर बनाया जाता था।

बहिरा के लिए सबसे बड़ी समस्या थी उसके भाड़ के लिए ईंधन का प्रबंध। इसके लिए उसे बाग में गिरने वाली पेड़ों की पत्तियों पर निर्भर रहना पड़ता था। पतझड़ का मौसम आने पर बहिरा अपना कूंचा (अरहर के पेड़ों का बना झाड़ू) लेकर बाग में पहुंच जाती। दिनभर पेड़ों की पत्तियां इकट्ठा करती, उसके बाद खुले आसमान के नीचे उसकी खरही (ढेरी) लगाती। यह क्रम कई सप्ताह चलता। गोल ऊंची खरही के ऊपर कंटीले पेड़ की कुछ डालें जो पत्तियों को आंधी में उड़ने से बचातीं।

गांव में सबको पता होता यह बहिरा की खरही है। उसके जीवन का सहारा। अगल-बगल दिनभर लोग आते जाते, लेकिन उसकी खरही से कोई छेड़छाड़ नहीं करता था। उसी खरही से सालभर बहिरा थोड़ी-थोड़ी पत्तियां अपने भाड़ के लिए ले जाती और अपना काम करती।

कितनी जीवट थी बहिरा अइया!

धीरे धरिबा पावं

विनोदजी का जाना, उस भाषा का भी जाना है जो शोर नहीं मचाती थी, आहिस्ते से पर दृढ़ता से अपना पक्ष रखती थी।

सुघोष मिश्र

मृत्यु कभी भी हो / परन्तु अन्तिम साँस लेने के लिए / मेरे पास हमेशा समय रहेगा / कि खिड़की के पास लगे पड़ोस के / चम्पा के फूलों की सुगन्ध को / अन्तिम साँस में समेट लूँ।

एक कवि जो अपने घर का पता 'सफेद चम्पा के फूल वाला घर' बताता था। उसी घर में खिली हुई चम्पा की एक कली उदास है क्योंकि अब उसे चीन्हती कवि-दृष्टि ओझल हो गई है। विनोदजी की तरह अब उसे कौन देख सकेगा? जायसी लिखते हैं, 'फूल मरै पै मरै न बासु।' सुकवि नहीं रहेंगे, लेकिन उनकी कविताएं पाठकों के हृदय में रहेंगी। उनकी सुगंध हमेशा मनुष्यता को महकाएगी।

गोरखनाथ एक सबदी में कहते हैं, 'हबकि न बोलिबा, ठबकि न चालिबा धीरे धरिबा पावं।' हालांकि गोरखनाथ का यह संदेश योगियों के लिए है, पर कवि भी तो शब्दयोगी होता है। विनोदजी की काव्यभाषा ऐसी ही है। अभिव्यक्ति में संयत, बुनावट में मौलिक और पाठकों के चित्त पर दबे पांव से उतरती हुई। कहीं कोई हड़बड़ाहट नहीं, जोर-जबरदस्ती नहीं, केवल सुदृढ़ और सहज काव्यात्मकता। उनके स्व के संवाद से उपजी हुई। नितान्त उनकी अपनी। उनके पास एक अनाविल रचनात्मक दृष्टि है। उनके काव्य में एक गहन स्थानीयता बोध है। परिवेशगत छवियों के चित्रण में उनकी पक्षधरता भी स्पष्ट दिखाई देती है। मुक्ति के लिए प्रयासरत मनुष्य के दुखों को वे पूरी मार्मिकता से अपनी कविता में दर्ज करते हैं। लिखते हैं, 'मैं चिल्लाता नहीं पर / बहुजन उपस्थिती से / कविता को माईक की तरह सामने खींचकर / कहता हूं।'

प्रकृति से गृहस्थी तक

विनोदजी अपनी भाषा में मितकथनों का सटीक प्रयोग करके कम शब्दों में बड़ी बातें कह देते हैं। उनका मौन सघन और बेधक है। उनके सरल-सादे वाक्य भी जटिल लग सकते हैं क्योंकि परिवेशगत जीवन जटिल और संवेदना बहुसंस्तरीय है। उनके जीवनद्रव्य में मनुष्य से लेकर प्रकृति तक सब घुला हुआ है। दरअसल, उनका मनुष्य प्रकृति से एकाकार है इसलिए उनका कवि नष्ट होते सबकुछ को बचाने की चिंता करता है- 'फिर कोई चिड़िया/ मेरी बाँहों की हरियाली में / घोंसले बनाए / अंडे दे।' कोई हताशा से बैठा मिलता है तो वह हाथ बढ़ा देता है, 'मेरा हाथ पकड़कर वह खड़ा हुआ/ मुझे वह नहीं जानता था / मैंने हाथ बढ़ाने को जानता था।' उनके स्व का विस्तार इतना है कि उनका कुछ भी निजी नहीं रह जाता, न ही कुछ उनसे इतर। आज जब परस्परता, प्रेम, विश्वास और उत्तरदायित्व के अभाव में परिवार व्यवस्था दरक रही है। ऐसे में विनोदजी की कविताएं गार्हस्थ्य आस्था को सबल करती हैं। उनकी एक कविता है– 'घर-बार छोड़कर संन्यास नहीं लूँगा / अपने संन्यास में / मैं और भी घरेलू रहूँगा / घर में घरेलू / और पड़ोस में भी। / एक अनजान बस्ती में / एक बच्चे ने मुझे देखकर बाबा कहा / वह अपनी माँ की गोद में था / उसकी माँ की आँखों में / खुशी की चमक थी / कि उसने मुझे बाबा कहा / एक नामालूम सगा।'

कल्पना पर भरोसा

'जाम हो तो आईना-खाना है दहर / मुँह नजर आता है दीवारों के बीच'- मीर कहते हैं कि यह पूरी दुनिया एक आईना घर की तरह है। सच देखने वाली आँखें हों तो उनसे इस दुनिया के जर्रे-जर्रे में 'उसी' का चेहरा नजर आएगा। यह भी कि जिसे लोग 'दीवार' समझ लेते हैं, एक पारखी नजर के लिए वह भी सत्य दिखाने वाला 'आईना' हो सकता है। विनोदजी अपनी साहित्य यात्रा में ऐसी ही दृष्टि अर्जित करते हैं। यूं ही नहीं वे 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' जैसा उपन्यास लिखते हैं। प्रकृति से लेकर मनुष्य तक, सूक्ष्म से लेकर स्थूल तक, अमूर्त से लेकर मूर्त तक, साधारण से लेकर असाधारण तक उनकी दृष्टि का पसार बहुत व्यापक है। अपनी अर्जित कवि दृष्टि से ही वे कथा में भी काम लेते हैं। विधाओं के अनुशासन भिन्न हैं, उनके अनुसार भाषा को बरतने का उनका तरीका भी भिन्न है किन्तु उनका कवि उनके कथाकार से अभिन्न है। उनके प्रतिरोध की ध्वनि भी प्रकृति की भाँति धीमी किन्तु प्रभावी है। सामाजिक अंधकार को उजागर करने के लिए वे जादुई यथार्थ का प्रयोग भी करते हैं। वे कहते हैं, 'काल्पनिकता भी एक प्रकार की ताकत है। एक प्रकार की उम्मीद है। हमारी कल्पना की दुनिया ज्यादा ताकतवर है जो यथार्थ को हरा सकती है।' 'नौकर की कमीज', 'खिलेगा तो देखेंगे' और 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' जैसे उपन्यासों में वे यथार्थ और कल्पना का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण करते हैं। मध्यवर्गीय मनुष्य और उसके दैनिक जीवन की आवश्यकताओं, स्वप्नों, असुरक्षाओं और आकांक्षाओं को केन्द्र में रखकर कथा बुनते हैं। उनके कथा साहित्य में कस्बों के परिदृश्य और समुदायों की विशेष उपस्थिति मिलती है। उनके वाक्य प्रयोग में कौतुक की झलक मिलेगी, लेकिन मूल में गहरी संवेदना व्याप्त होती है। उनके उपन्यास व्यवस्था की क्रूरता का प्रतिपक्ष रचते हैं। ऐसा करने में कल्पना सहायक बनकर आती है।

संतुलन में मुखर होता मौन

विनोदजी भाषा को सत्ता की तरह बर्ताव करने से रोकने के प्रति सजग हैं। किसी भी तरह के भाषायी प्रभुत्व को निरस्त करने के प्रति सचेत भी। वे लिखते हैं, 'अपनी भाषा में शपथ लेता हूँ / कि मैं किसी भी भाषा का/ अपमान नहीं करूँगा।' पाठ और संरचना भाषा का उपनिवेश न बनने पाएँ इसलिए वे शाब्दिक अवयवों को विशिष्ट बनाने का कार्य करते हैं और उनसे निरन्तर संवाद करते रहते हैं। संज्ञा और क्रिया का ऐसा प्रयोग जो कि भाषा के रूढ़ प्रतीकों और प्रकृति को भेदने का कार्य करता है। इस प्रकार वे हमारे देखने के तरीके को भी अनुकूलन के दोष से बचाते हैं। उनका मानना है कि चीजों को उसी तरह के साथ उसके अलावा भी देखने का अभ्यास होना था। जबकि सत्ता चाहे वह राजनीति की हो या बाजार की, व्यक्ति को अन्यान्य तरीकों से शासित और अनुकूलित करने का प्रयास करती है। सामान्य जन के बहुत सामान्य सुखों-दुखों से मुँह मोड़ लेती है। वे इसके उत्तर में साधारण जीवन को केन्द्रीय विषय बनाते हैं और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना के साथ अपना मौन प्रतिरोध दर्ज करते हैं। उनके आत्मिक स्पर्श से औसत और सामान्य वस्तुएँ भी जीवंत हो जाती हैं। उनके पास साधारण में साधारण को भी देखने की अद्वितीय दृष्टि है जो कि नगण्यता के सौन्दर्य को सामने ले आती है। आत्मसंयम और आत्मसंघर्ष का संतुलन ही उनके मौन को मुखर बनाता है।

एक कवि के पास दुनिया को देखने और बदलने की कैसी योजना है, अभिव्यक्ति में कैसा वाक्संयम है, यह उनकी एक कविता के माध्यम से देखा जा सकता है– दुनिया जगत / जगत कुएँ का। / जिस पर जाने कैसे / चढ़ा एक नन्हा बच्चा। / आवाज नहीं दी मैंने उसको / चौंककर कुएँ के अन्दर गिर जाता तो !! / चुपचाप धीरे-धीरे चला / सँभलकर उठाया मैंने गोद में उसको। / बस इतना मैं चुप रहा / इतना धीरे चला / बहुत चुप बहुत धीरे चला।"

आखिरी कविता

विनोदजी ने अस्पताल के बिस्तर पर आखिरी कविता लिखी– "बत्ती मैंने पहले बुझाई / फिर तुमने बुझाई / फिर दोनों ने मिलकर बुझाई।" उनके पुत्र द्वारा यह कहने पर कि इसमें कुछ नकारात्मकता है, उन्होंने कहा कि यह बहुत सकारात्मक है, बत्ती हम उजाला होने पर बुझाते हैं। कबीर कहते हैं, 'सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।' विनोदजी के लिए यह उजाला आंतरिक था या बाह्य कहना कठिन है लेकिन समझना आसान क्योंकि उनके लिए घर के भीतर और बाहर की दुनिया में भेद नहीं था। उनकी जड़ें गहराई से अपनी स्थानीयता में धंसी हुई थीं। उन्हें पढ़ते हुए लगता है कि उनके पास एक अनमोल चीज है जो एक ओर सम्पूर्ण है और दूसरी ओर शून्य। उसमें जो भी विक्षोभ होता है वह गणित के प्रमेय में नहीं, जीवन के प्रमेय में घटित होता है। उनके साहित्य में मनुष्य युगों-युगों से प्रवाहित एक विचार की भाँति है। उनके काव्यबोध में कालबोध घुला हुआ है। उनकी रचनाएँ सामयिक होते हुए भी समयातीत हैं। वे कभी चालू समकालीनता के दबाव में नहीं आए। हर महफिल में फिरदौस-ए-नजर बनने की महत्त्वाकांक्षा से मुक्त रहे। वे उतना ही उपलब्ध रहे जितना सम्भवतः एक रचनाकार को होना चाहिए। उनके जीवन और लेखन में सबकुछ 'अतिरिक्त नहीं' था।

श्रद्धांजलि

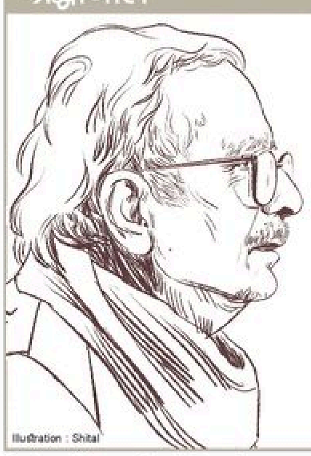

Illustration : Shital

गद्य में भी कविता रहती थी

- हाथी आगे-आगे निकल गया, पीछे हाथी के बराबर ख़ाली जगह छूट गई।
- एक ख़ाली पिंजड़ा घर में रहे तो एक पक्षी स्वतंत्र है इसका सुख रहता है।
- चंद्रमा, सूरज, तारे, आकाश, घर की चीज़ों की तरह थे। चंद्रमा सूरज शाश्वत होने के बाद भी इधर-उधर होते थे।
- रात-भर जागकर ही आनेवाले दिन को पकड़ सकते थे।
- मुझे चंद्रमा आकाश में गोल कटी हुई खिड़की की तरह लगता था जिससे आकाश की आड़ में छुपी हुई दुनिया का उजाला आता था।
- ज़िंदगी को जीना, स्थगित मौत को जीना होता पर बहुत दिनों तक स्थगित मौत को भी नहीं जिया जा सकता।
- मृत्यु समय से बहिष्कृत होने से होती थी।

(विनोदजी के उपन्यासों से)

क्या है 'जादुई यथार्थवाद'?

समझाइश

दीप सिंह

Deep.Singh@timesofindia.com

AI Image

उदय प्रकाश की कहानी है 'वॉरेन हेस्टिंग्स का सांड़'। कहानी में एक जगह वह लिखते हैं- 'दो सौ साल के बाद जब अंग्रेज मालामाल होकर वापस अपने वतन इंग्लैंड लौटेंगे तब भी इंडिया में उनके जैसे ही नेटिवों का राज होगा।...उनके कपड़े, विचार, स्वप्न और आकांक्षाएं अंग्रेज होंगी।' इसी तरह कहानी के अंत में तिब्बत का बूढ़ा लामा वॉरेन हेस्टिंग्स के चचेरे भाई सैम्युअल टर्नर को "सांड़" (याक) देता है। वह बाद में कहता है कि सांड अभी मरा नहीं है। यह पंक्ति कहानी को एक दार्शनिक और रहस्यमय मोड़ देती है, जो सत्ता और शोषण के चक्र के जारी रहने का संकेत है।

इस कहानी में सांड़ वास्तविक पात्र नहीं है लेकिन पूरी कहानी में इसका जिक्र एक प्रतीक के तौर पर होता है। यह कहानी 'ईस्ट इंडिया कंपनी' और ब्रिटिश शासन की क्रूरता, भ्रष्टाचार, लालच जैसे अमानवीय पहलुओं को उजागर करती है। कहानी में यह अतीत अचानक वर्तमान बनकर जीवंत हो उठता है। इसमें इतिहास और वर्तमान भूमंडलीकरण की विसंगतियों पर तीखा प्रहार किया गया है। उपनिवेशवाद के गहरे प्रभावों, मानवीय लालच और कभी न खत्म होने वाले संघर्ष की कहानी है। यह कहानी 'जादुई यथार्थवाद' का बेहतरीन उदाहरण है। यहां यथार्थ के साथ-साथ काल्पनिक और अलौकिक तत्व भी शामिल हो जाते हैं। सांड़ एक ऐसा ही पात्र है जो सामान्य से परे जाकर कहानी को आगे बढ़ाता है।

जादुई यथार्थवाद में कहानी एक परिचित, वास्तविक और सामान्य दुनिया में ही घटित होती है जो हमारी जैसी ही दिखती है। यथार्थ की पृष्ठभूमि पर वही शहर, वही लोग और वही समस्याएं। इस दुनिया में जादुई काल्पनिक पात्र या घटनाएं अचानक आती हैं जो जादू बिखेरती हैं। कहानी के पात्र और कहानीकार इस जादू को सामान्य तौर पर स्वीकार करते हैं जैसे कि कोई बड़ी बात न हो। वे इसकी वजह नहीं जानना चाहते और न साबित करने की कोशिश करते हैं।

साहित्य में जादुई यथार्थवाद शैली लैटिन अमेरिका से आई और 1940-50 के दशक में प्रभावी हुई। उसके बाद 1960-70 के दशक में पूरी दुनिया में लोकप्रिय हुई। हिंदी साहित्य में 1970-80 के दशक में जादुई यथार्थवाद का उदय माना जाता है। उदय प्रकाश की कहानियां 'मोहनदास', 'वॉरेन हेस्टिंग्स का सांड़', 'तिरिछ', विनोद कुमार शुक्ल के उपन्यास 'नौकर की कमीज', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी', चित्रा बनर्जी के उपन्यास 'द मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज', द पैलेस ऑफ इल्यूजन्स', संजय खाती की कहानियां 'बापू की घड़ी' और 'पिंटी का साबुन' जादुई यथार्थवाद का उदाहरण हैं। इन कहानियों में काल्पनिक पात्र और घटनाएं ऐसे घुल-मिल जाती हैं कि वे असामान्य नहीं लगतीं। यहां यथार्थ और कल्पना का अनूठा समन्वय देखने को मिलता है।

पाठकों का स्पेस

वफा का रंग

चलो अच्छा हुआ कोई अपना नहीं है
शुक्र है खुदा का अब खतरा नहीं है

गुंचों की तरह कोई खिला नहीं है
महफिल में हँसता हुआ चेहरा नहीं है

आओ, यहीं पे सफर
तमाम करते हैं
आगे अब कोई दूसरा
रास्ता नहीं है

हमारी वफा पर एतबार
कर लो तुम
हमारी वफा का रंग
कच्चा नहीं है

सारी शब ढूंढ़ती रहीं बेकरार आंखें
चाँद अभी तक छत पे उतरा नहीं है

कभी तो उसका हाल पूछ लिया करो
अरशद इतना भी बुरा नहीं है

अरशद जावेद खान,
इंदिरानगर, लखनऊ

रचनाएं भेजें

nbtreader@timesofindia.com

वॉट्सऐप 8005000349

डाक : नवभारत टाइम्स, फ्यागपुर टावर, 38/22, मीराबाई मार्ग, लखनऊ, 226001

शब्द यात्रा

क्रांति मिश्रा kranti.mishra@timesofindia.com

टकसाल, कारखाने की निगरानी करने वाला था आज का 'दरोगा'

भारतीय प्रशासन और आम बोलचाल में 'दरोगा' शब्द आज पुलिस विभाग का एक महत्वपूर्ण पद है। आमतौर पर इसे थाना स्तर के अधिकारी या उपनिरीक्षक से जोड़ा जाता है, लेकिन इस शब्द की जड़ें भारत में नहीं, बल्कि फारसी भाषा और मध्य एशियाई प्रशासनिक परंपराओं में मिलती हैं। वहां से यह शब्द भारत में आया और बदल कर पूरी तरह देसी बन गया।

दरअसल, 'दरोगा' शब्द फारसी के 'दारोगेह' (Darogheh) से निकला है, जिसका अर्थ देखरेख करने वाला, निरीक्षक या प्रभारी अधिकारी होता है। ईरान और मध्य एशिया के प्रशासनिक ढांचों में 'दारोगेह' शब्द का इस्तेमाल शहर, बाजार, जेल या किसी विभाग की निगरानी करने वाले अधिकारी के लिए किया जाता था। यह शब्द अधिकार और नियंत्रण से जुड़ा हुआ था, न कि किसी एक खास विभाग से। भारत में 'दरोगा' शब्द का इस्तेमाल दिल्ली सल्तनत और बाद में मुगल काल के दौरान हुआ, जब फारसी को राजभाषा और प्रशासनिक भाषा का दर्जा मिला। उस समय प्रशासन, राजस्व, पुलिस और न्याय से जुड़े अनेक पदों के नाम फारसी मूल के थे। तब 'दरोगा' शब्द का इस्तेमाल उन अधिकारियों के लिए किया जाता था जो किसी खास क्षेत्र, कारखाने, टकसाल, जेल या बाजार की निगरानी करते थे। तब उन्हें दरोगा-ए-खजाना या दरोगा-ए-बाजार कहा जाता था। ब्रिटिश शासन के दौरान जब आधुनिक पुलिस की व्यवस्था बनाई गई, तब स्थानीय स्तर पर जनता से जुड़े पदों के लिए प्रचलित शब्दों का ही इस्तेमाल किया गया। इस तरह 'दरोगा' शब्द को पुलिस निरीक्षक या थाने के प्रभारी के अर्थ में अपनाया गया। धीरे-धीरे 'दरोगा' शब्द का अर्थ सीमित होकर पुलिस विभाग के एक खास पद तक सिमट गया। आम जनता की भाषा में यह कानून-व्यवस्था, पूछताछ और थाने से जुड़ा शब्द बन गया। आज 'दरोगा' शब्द हिंदी, उर्दू, भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बंगाली जैसी कई भारतीय भाषाओं में समान अर्थ के साथ प्रचलित है।

AI Image

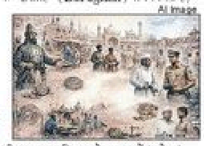

फ़लसफ़ा वह मुश्किल लम्हात में ज़िंदगी के तसव्वुफ़ से वाकिफ़ कराते हुए संभलना सिखाते हैं

...वरना मुट्ठी से रेत की तरह फिसल जाएंगे ग़ालिब

नीलांशु रंजन

मिर्जा गालिब ऐसे शायर हैं, जो फकत इश्क-मुहब्बत की बात नहीं करते, बल्कि जिंदगी के तमाम मसाइल उठाते हुए आम-ओ-खास से जुड़ते हैं। हमसे-आपसे इस अंदाज में गुफ्तगू करते हैं, जैसे लगता है कि वे सामने बैठे जिंदगी के मआनी समझा रहे हों। मैं जब भी उदास-निराश होता हूं, यकीन मानिए, गालिब से गुफ्तगू करता हूं, क्योंकि गालिब हमें जिंदगी के पेचोखम से गुजरते हुए उससे उबरना सिखाते हैं। वह हमें मुश्किल लम्हात में जिंदगी के तसव्वुफ से वाकिफ कराते हुए संभलना सिखाते हैं।

गालिब हमें रोना नहीं सिखाते, तर्क करना सिखाते हैं। उनकी शायरी फलसफा और तसव्वुफ की शायरी है। यह बेसबब नहीं कि गालिब का अंदाज-ए-बयां औरों से अलग है। गालिब वेदांत दर्शन के बहुत करीब हैं। भारतीय दर्शन इस बात में यकीन करता है कि ब्रह्म ही सत्य है, बाकी सब माया। गालिब भी इसी हकीकत से रूबरू होते हैं कि पूरी कायनात एक है, अखंड है। गालिब दरअसल परिपक्वता के शायर हैं। उन्हें समझने के लिए आपको गालिब के मैआर पर आना होगा, उसी तरह परिपक्व होना होगा, नहीं तो गालिब मुट्ठी से रेत की तरह फिसल जाएंगे। इसलिए गालिब कहते हैं...

जब कि तुझ बिन कोई नहीं मौजूद
फिर ये हंगामा-ए-खुदा क्या है

जब वही एक खुदा, वही एक ईश्वर है तो फिर किस बात का मजहबी झगड़ा? या फिर गालिब के तसव्वुफ का बेहतरीन अंदाज देखिए...

वफादारी बशर्त-ए-उस्तुवारी अस्ल ईमां है
मरे बुतखाने में तो काबे में गाड़ो बिरहमन को

यहां गालिब कहते हैं कि जो विश्वासघाती से दूर है, उसे मंदिर में रखो या काबे में, कोई फर्क नहीं पड़ता। गालिब जितने मकबूल हैं, उतने मुश्किल भी। उनका फलक बेहद विस्तृत है...

नक्श फरियादी है किसकी शोखि-ए-तहरीर का
कागजी है पैरहन हर पैकरे तस्वीर का

अब गालिब की नजर ईरान की रवायत पर पहुंचती है और वहां से जिंदगी का सच खंगालते हैं कि हम सभी यहां फरियादी की तरह खड़े हैं और जिस तरह से कागजी पैरहन उतर जाता है, वैसे ही हमारा जिस्म भी एक दिन साथ छोड़ देगा। जरा इस शे'र पर नजर डालिए...

जला है जिस्म जहां दिल भी जल गया होगा
कुरेदते हो जो अब राख जुस्तजू क्या है

अब कितनी दूर की बात कर रहे हैं गालिब और कितने तसव्वुफ से लबरेज है यह शे'र। जो गालिब न नमाजी थे और न ही मस्जिद जाते थे, वे भी उसके वजूद को स्वीकार करते हैं, चाहे उसे अल्लाह कहिए या ईश्वर कहिए।

आते हैं गैब से ये मजामीं खयाल में
गालिब सरीर-ए-खामा नवा-ए-सरोश है।

गालिब जो भी लिख रहे हैं, वह द्युलोक से आ रहा है और लिखते समय जो कलम के घसीटने से जो आवाज आ रही है, वह स्वर्गदूतों की आवाज है। वह उन धर्म उपदेशकों पर भी तंज कसते हैं, जो स्वर्ग और नर्क का किस्सा रचते हैं, मजहब और धर्म की बात कर आदमी को आदमी से लड़ाते हैं...

क्यों न फिरदौस में दोजख को मिला लें यारब
सैर के वास्ते थोड़ी-सी फजा और सही

इसी में आगे वे अपने काफिर होने पर भी जवाब देते हैं...

ईमां मुझे रोके है, तो खींचे है मुझे कुफ्र
काबा मेरे पीछे है, कलीसा मेरे आगे

इतनी गूढ़ बात करने वाले गालिब का महबूब से बात करने का जरा अंदाज देखिए...

कोई मेरे दिल से पूछे, तेरे तीरे-नीमकश को
ये खलिश कहां से होती, जो जिगर के पार होता।

बेवफाई के आलम में भी कुछ-कुछ बचा रहना चाहिए, ताकि टीस उठती रहे। जब तीर जिगर के पार ही हो जाएगा तो फिर कैसा दर्द? फिर गालिब का महबूब से जुदाई का अंदाज देखिए...

नहीं कि मुझको कयामत का एतिकाद नहीं
शबे-फिराक से रोजे-जजा जियाद नहीं।

गालिब में वेदांत का दर्शन भी झलकता है और इसलिए उर्दू के बड़े अदीब और नक्काद अब्दुर्रहमान बिजनौरी ने कहा था कि हिंदुस्तान में दो ही मुकद्दस किताबें हैं- एक वेद और दूसरा दीवान-ए-गालिब।

27/12/1797- 15/02/1869

वजूद की तलाश में अपने भीतर की यात्रा

ऋषिकांत यादव

rishi.yadav@timesofinidia.com

पुस्तक समीक्षा

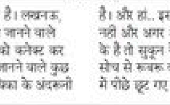

सबकी जिंदगी में एक वक्त ऐसा आता है जब वह मुड़ कर देखता है। जायजा लेता है, अपनी अब तक की जिंदगी का। अपना हासिल तौलता है। क्या पाया और किस कीमत पर। कहां-कहां से गुजरे इस मुकाम तक पहुंचने के लिए। यही तो है विधि की कहानी, जो खोज रही है अपना असल। सवाल घुमड़ते हैं, शहर बदलते हैं, चंद लोग मिलते हैं। कोई आदर्श है तो कोई आदत, कोई जिम्मेदारी है तो कोई अकेलापन दूर करने का जरिया। अंदर ही अंदर खुद से जूझती विधि के भीतर की दुनिया को बेहद बारीकी से बयां किया है सर्वेंद्र विक्रम ने अपने उपन्यास आशा टिफिन्स में।

शव यात्रा यानी एक जीवन या कहें पड़ाव के गुजरने से शुरू होता नायिका के अंदर का सफर उसके सभी रिश्तों को परखता है, मथता है, विश्लेषण करता है कि कोई शख्स उसकी जिंदगी में कितना अहम है। खास बात यह कि लेखक ने आसपास के चित्रण में काफी बारीकियां भरी हैं। लखनऊ, बनारस और बैंगलोर को बौद्धिक नजरिये से जानने वाले आसानी से उपन्यास के मुख्य पात्र से खुद को कनेक्ट कर लेंगे। लेकिन बनारस में पप्पू की अड़ी को जानने वाले कुछ और भी जानना चाहेंगे जो थोड़ा कम है नायिका के अंदरूनी सफर में। विधि का सुलझा व्यक्तित्व माता-पिता के बारे में अशिष्ट बातें सुन आक्रोशित तो होता है लेकिन छह महीने के अंतराल में अपना रास्ता नहीं चुन पाता। वह तो सामने मिले रास्ते पर बस चलती जाती है। दो बार एक वृद्ध का स्वयंभू देवदूत सरीखा आचरण उसे संकेत तो देता है लेकिन पाठकों को डिस्टर्ब करती है। He who has a why for life can put with any how। यही विधि का सबसे बड़ा सच है। तभी रह-रह कर अपने बैकग्राउंड को याद कर माता-पिता के संघर्ष को याद कर अपने भाई सोम के करियर और जीवन को जाया होने से बचाने के लिए विधि मुकम्मल वक्त देती है लेकिन अपनी अंदरूनी कशमकश किसी से साझा नहीं करती। भाईजी के जाने के बाद उससे जुड़ी यादों में सबसे अहम रंजन की कहानी को भी खूबसूरत मोड़ पर लाकर खत्म करते हैं। पुरुष होकर स्त्री के मनोभावों, अंदर की हलचल को शब्दों का रूप देना सराहनीय है। नए तरीके की शुरुआत से ट्विस्ट की तलाश आखिरी पन्ने तक खत्म नहीं होती। अलबत्ता, बीच-बीच में खुद की बीती जिंदगी को रिवाइंड करने का मौका देती है। और हां.. इसमें जेन-जी और अल्फा वर्ग के लिए कुछ नहीं और अगर आप जेनरेशन मिलेनियम और उससे पहले के हैं तो सुकून के पलों में यह किताब आपको उन अपनों की सोच से रूबरू करवा सकती है जो आपसे जिंदगी के पड़ाव में पीछे छूट गए।

फटाफट खबरें

अयोध्या एयरपोर्ट की रैंकिंग में सुधार

■ NBT न्यूज, अयोध्या: महर्षि वाल्मीकि इंटरनैशनल एयरपोर्ट की यात्री संतुष्टि सूचकांक (CSI) में सुधार हुआ है। एयरपोर्ट की CSI रेटिंग 3.99 से बढ़कर 4.90 हो गई है। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग 36वें स्थान से सुधरकर 10वें पर पहुंच गई है। एयरपोर्ट डायरेक्टर धीरेंद्र सिंह के अनुसार रेटिंग में सुधार बेहतर सुविधाओं के कारण हुआ है।

'केंद्र ने गायब की मनरेगा से रोजगार की गारंटी'

■ NBT न्यूज, बाराबंकी: कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने केंद्र की एनडीए सरकार पर आम लोगों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया है। सांसद के अनुसार कांग्रेस की सरकार हर गांव तक रोजगार पहुंचाने के लिए महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून लाई थी। एनडीए सरकार ने महात्मा गांधी का नाम हटाने के साथ ही रोजगार की गारंटी खत्म करके योजना के रूप में तब्दील कर दिया है। इतना ही नहीं राज्यों की हिस्सेदारी 10 से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दी गई है। इससे राज्यों पर बोझ बढ़ेगा और गांवों में रोजगार की गारंटी खत्म होगी।

'...इसने किसी चिराग को जलने नहीं दिया'

■ NBT न्यूज, बाराबंकी: बेगमगंज के इरम इंटर कॉलेज में शनिवार रात कारवान-ए-इंसानियत के तत्वाधान में मुशायरे का आयोजन हुआ। पूर्व मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप की मौजूदगी में डॉ. अंजुम ने सूरज की रोशनी से अदावत जरूर है, इसने किसी चिराग को जलने नहीं दिया से वाहवाही पाई। रामप्रकाश बेखुद की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में शायर फैज खुमार व सगीर नूरी ने भी अपने गजलें पढ़ी। इस मौके पर सपा नेता अखिल कुमार सिंह, सुरेंद्र सिंह वर्मा, डॉ. कुलदीप सिंह और तालिब नजीब कोकब मौजूद रहे।

बंदर को बचाने में गिरी बाइक, युवक की मौत

■ NBT न्यूज, बाराबंकी: दोस्त के साथ ससुराल से लौट रहे बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। सीतापुर के तुलसीपुर बजर निवासी सतीश राजपूत (28) पानीपत में नौकरी करता था। शनिवार सुबह घर आया सतीश रविवार सुबह बाइक से दोस्त लवकुश मिश्रा (19) के साथ रामनगर के नामीपुर सिरौली स्थित ससुराल गया था। शाम को लौटते समय बहराइच हाइवे पर बहनपुर गांव के पास अचानक सामने आए बंदर को बचाने में बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में बाइक चला रहे सतीश की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल लवकुश को अस्पताल में भर्ती करवाया है।

मेले में डांस के दौरान मारपीट, दो घायल

■ NBT न्यूज, बाराबंकी: बदोसराय कोतवाली के डढ़क्का पुरवा गांव में शनिवार रात धनुष भंग कार्यक्रम में नर्तकी को लेकर मारपीट हो गई। पुलिस के अनुसार मेला के मंच पर नाट्य मंचन के बाद नर्तकी के डांस के दौरान अजय वर्मा और श्रवण कुमार वर्मा में विवाद हुआ। मारपीट के दौरान ज्ञानवती व सुन्दर लाल घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभालने के साथ ही जांच शुरू कर दी है।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन के बाद बोले आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू-

आध्यात्मिक हब बन गया है राम मंदिर

■ NBT न्यूज, अयोध्या: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंच दर्शन-पूजन के बाद यज्ञशाला अनुष्ठान में भाग लिया। नायडू ने परिसर में बने अन्य मंदिरों व सम्पूर्ण निर्माण को बारीकी से देखा साथ ही परकोटा सहित मंदिरों में भी दर्शन किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर संपूर्ण राष्ट्र का आध्यात्मिक हब बन गया है।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राम राज्य सरकार चलाने का सबसे बेहतरीन मॉडल है। भारत की तकनीकी व ज्ञान की समृद्धि में कोई देश पीछे नहीं कर सकता। ट्रेडिशनल मूल्यों को जोड़ने से इसका स्थान अद्वितीय हो जाता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह रोज डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए आ रहे हैं, आगे चलकर मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद यह संख्या और बढ़ेगी। यूपी के विकास को लेकर कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ को बधाई देता हूं। आगे कहा कि बिहार भी अगर विकसित प्रदेश बन जाता है तो देश की तस्वीर ही अलग होगी। नायडू ने बताया कि इससे पूर्व 22 जनवरी 2024 को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आए थे।

इससे पहले एन चंद्रबाबू नायडू का महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका अभिनंदन किया। इसके बाद मंदिर परिसर पहुंच करीब साढ़े तीन घंटे रहे। इस दौरान मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में वैदिक अनुष्ठानों में भी शामिल हुए।

आंध्र के सीएम ने रामलला के साथ ही परिसर के अन्य मंदिरों में दर्शन किए।

सृष्टि तत्वों को संतुलित करते है अनुष्ठान

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के यज्ञ अनुष्ठान में दूसरे दिन तत्वकलश, तत्वहोम, मन्युसूक्त होम, रामतारकमहोम आदि अनुष्ठान हुए। सांध्य बेला में देवविग्रह की पालकी यात्रा निकाली गई। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि विग्रह पालकी रोज श्रीराम मंदिर की तीन परिक्रमा करती है। 2 जनवरी तक अनुष्ठान के साथ यह क्रम जारी रहेगा। वहीं, पूजन कर रहे आचार्यों के अनुसार यह अनुष्ठान सृष्टि तत्वों को संतुलित करने का वैदिक विज्ञान है।

सम्मेलन में जुटे महापौर, विकास पर विचार-विमर्श

■ NBT न्यूज, अयोध्या: प्रदेश के नगर निगमों के महापौर के सम्मेलन में नवाचारों पर मंथन हुआ। महापौरों ने अपने शहरों में हुए कार्यों की जानकारी देते हुए दूसरों के विकास कार्यों को समझा। मेयर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या संस्कृति, विकास और नवाचार के मॉडल के रूप में विश्व फलक पर उभरी है।

लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि 6.50 लाख मीट्रिक टन कूड़ा हटवाकर प्रेरणास्थल बनाया गया है। कानपुर की मेयर प्रमिला पांडेय ने विवाह आदि समारोह के लिए जरूरतमंदों को महज 11 हजार रुपये में मंगलभवन उपलब्ध कराने की जानकारी दी। झांसी के मेयर बिहारी लाल आर्य ने कहा कि सीएम के नेतृत्व में यूपी केवल अपराध मुक्त ही नहीं हुआ बल्कि विकसित प्रदेश के रूप में पहचान बनाने में कामयाब हो रहा है।

सहारनपुर के मेयर डॉ. अजय सिंह ने कहा कि आज का पार्षद कल का विधायक है, इसलिए ऐसे कार्य करें, जो नजीर बने। मुरादाबाद के मेयर विनोद अग्रवाल ने स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में हुए कामों जानकारी दी। गोरखपुर के डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने अर्बन फ्लड मैनेजमेंट एवं जल के प्राकृतिक शुद्धिकरण के प्रकल्प की जानकारी दी। निशा नायर ने नगर निगम के सफाई संबंधी प्रेजेंटेशन दिया। सम्मेलन के दौरान पीएम के मन की बात कार्यक्रम से भी मेयर जुड़े। वहीं, नगर विकास मंत्री डॉ. एके शर्मा ने ऑनलाइन संबोधन में अयोध्या की उपेक्षा के लिए पिछली सरकारों को निशाने पर लिया। इस मौके पर नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार, अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ मौजूद रहे।

सम्मेलन में लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल भी शामिल हुईं।

फाइनैंस कंपनी के मैनेजर पर जानलेवा हमला

■ NBT न्यूज, बाराबंकी: हैदरगढ़ में रविवार को लोन पर लिए गए ट्रक की किस्त जमा नहीं होने पर तकादा करने पहुंचे फाइनैंस कंपनी के मैनेजर को पीट दिया गया। पीड़ित गौरीश कुमार पाण्डेय के अनुसार रघुनाथगंज गांव निवासी सर्वेश कुमार रावत ने 43 लाख रुपये लोन लेकर ट्रक खरीदा था। काफी समय से किस्त जमा नहीं होने से बकाया 16 लाख रुपये से अधिक पहुंच चुका है। ऐसे में फील्ड अफसर चंद्रप्रकाश पाण्डेय के साथ पोखरा पेट्रोल पंप पहुंच सर्वेश से बकाया किस्त जमा करने को कहा। इससे भड़के सर्वेश ने दो अन्य के साथ पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मैनेजर सहित 14 पर FIR

एसीजेएम कोर्ट के आदेश पर रामनगर पुलिस ने सुरजीत फाइनैंस कंपनी के मैनेजर सहित 14 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। मोहम्मदपुर खाला के रिछौली निवासी धर्मप्रकाश पांडेय के अनुसार 26 अप्रैल 2023 को कंपनी से 1.25 लाख रुपये का लोन लिया था। इस दौरान मैनेजर अश्वनी गुप्ता ने रेखा गुप्ता के स्कैनर पर 3500 रुपये लिए थे। इसके बाद कंपनी के विकास सिंह व बबलू सिंह ने छह किस्तों में करीब 52 हजार रुपये लिए, लेकिन कंपनी के खाते में जमा नहीं करवाई। जानकारी पर पीड़ित ने कोर्ट में गुहार लगाई थी।

श्रीरामवन कुटीर में पहले दिन 100 मरीजों की नि:शुल्क सर्जरी

■ NBT न्यूज, बाराबंकी: जालंधर के नेत्र सर्जन डॉ.नैकन्त प्रभाकर के नेतृत्व में डॉक्टरों व पैरामेडिकल टीम ने रविवार को श्रीरामवन कुटीर में 100 मरीजों के नि:शुल्क ऑपरेशन किए। मनीष मेहरोत्रा ने बताया कि कैंप में 5500 लोगों ने पंजीकरण कराया है। पहले चरण में 10 जनवरी तक आंखों के ऑपरेशन होंगे। दूसरे चरण में 11 जनवरी से उदयपुर मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जेके छापरवाल के नेतृत्व की 100 सदस्यों की टीम 500 मरीजों के मरीजों की जांच व सर्जरी करेगी। स्वास्थ्य शिविर की शुरुआत योगी बाबा बद्रीदास जंगली बाबा की तपस्थली के संत स्वामी रामदास महाराज व स्वामी रामज्ञान दास महाराज ने 43 साल पहले की थी। वर्तमान में यहां 300 बेड की सुविधा है। एमीएमओ डॉ. डीके श्रीवास्तव टीम के साथ व्यवस्था संभाल रहे हैं।

रोटरी क्लब की तरफ से रविवार को बाराबंकी के बहरामपुर में एनअर किदवई व महनाज किदवई की स्मृति में मेडिकल कैंप लगाया गया। शिविर में फैसल किदवई, हिना किदवई की मौजूदगी में डॉक्टरों ने 265 लोगों की जांच करते हुए जरूरी सलाह दी। इस मौके पर केके श्रीवास्तव, डॉ. राजेश मोहन, डॉ. विमल वैसवार, संजय निगम, डॉ. रवि टंडन, डॉ. सुधीर वर्मा, डॉ. प्रवीण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

फर्जी बैनामे की आरोपित अरेस्ट

■ NBT न्यूज, अयोध्या: दूसरे की जमीन का फर्जी बैनामा करने की आरोपित दस हजार की इनामी महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गोरखपुर निवासी खुशबू देवी ने मोहन लाल गुप्ता व अन्य के साथ मिलकर मई 2024 को नीलम यादव के प्लॉट का फर्जी बैनामा करा था। केस दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस ने आरोपित को अशोकपुरम के रामलीला मैदान के पास से गिरफ्तार किया है।

डायल-112 पर झूठी सूचना देने वाला युवक गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, अयोध्या: कुमारगंज में डायल-112 पर झूठी सूचना देने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 28 दिसंबर की सुबह करीब 9:30 बजे डायल-112 पर ग्राम घरकाया में गोली चलने और 50 लोगों के बीच मारपीट की सूचना दी गई थी। मौके पर पहुंची पीआरवी व पुलिस टीम काफी देर परेशान रही। जांच में पता चला कि घरकाया मजरा उपाध्यायपुर निवासी रामसुन्दर ने झूठी सूचना दी थी।

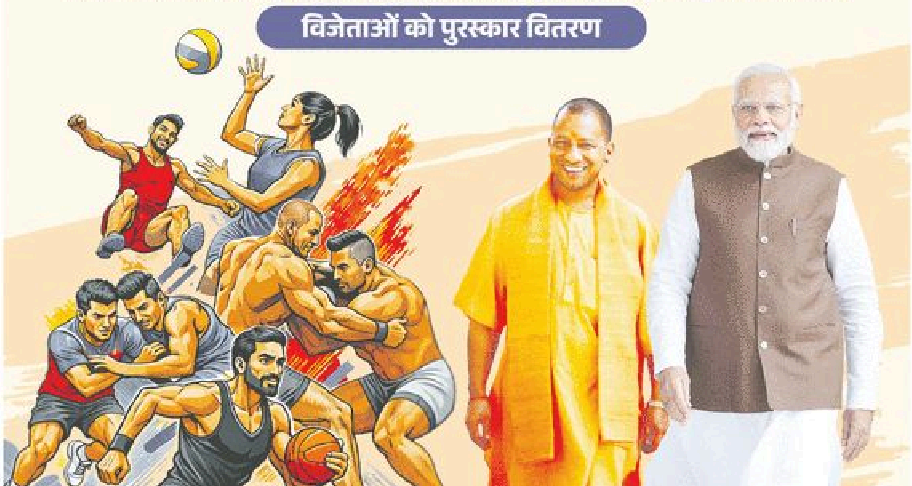

खेल-खिलाड़ी निखर रहे हैं यूपी में अवसर मिल रहे हैं

माननीय विधायक खेल स्पर्धा-2025

(322, विधानसभा क्षेत्र, गोरखपुर शहरी) के अंतर्गत एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, जूडो एवं कुश्ती प्रतियोगिता के

विजेताओं को पुरस्कार वितरण

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. संजय कुमार निषाद — मंत्री, मत्स्य, उत्तर प्रदेश | रवि किशन शुक्ल — सांसद, गोरखपुर | डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव — महापौर, गोरखपुर

फतेह बहादुर सिंह — विधायक, कैम्पियरगंज | महेन्द्र पाल सिंह — विधायक, पिपराइच | बिपिन सिंह — विधायक, गोरखपुर ग्रामीण | प्रदीप शुक्ल — विधायक, सहजनवा | श्रीराम चौहान — विधायक, खजनी

राजेश त्रिपाठी — विधायक, चिल्लूपार | इंजी. सरवन कुमार निषाद — विधायक, चौरी चौरा | डॉ. विमलेश पासवान — विधायक, बांसगांव | डॉ. धर्मेन्द्र सिंह — सदस्य, विधान परिषद | देवेन्द्र प्रताप सिंह — सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 29 दिसंबर, 2025 | समय : अपराह्न 2:00 बजे | स्थान : वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, गोरखपुर

खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन : ओलम्पिक एवं पैरालम्पिक गेम्स, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स तथा विश्व कप जैसी स्पर्धाओं में पदक विजेताओं एवं प्रतिभागियों को आकर्षक प्रोत्साहन राशि + राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में 10 पदक विजेता खिलाड़ियों की राजपत्रित पदों पर सीधे नियुक्ति + 479 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आरक्षी पद पर नियुक्ति + शासकीय सेवाओं में खिलाड़ियों के लिए 2 फीसदी क्षैतिज आरक्षण + मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय, मेरठ का निर्माण + गोरखपुर में वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज एवं वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण + ₹451 करोड़ से वाराणसी में 30,000 दर्शक क्षमता के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण + वाराणसी एवं गोरखपुर का स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विकास + झांसी में मेजर ध्यानचंद संग्रहालय की स्थापना + प्रत्येक जनपद स्तर पर स्टेडियम, विकासखंड स्तर पर मिनी स्टेडियम, ग्राम पंचायत स्तर पर खेल मैदान एवं ओपन जिम का निर्माण + 140 खिलाड़ियों को एकलव्य क्रीड़ा कोष से आर्थिक सहायता + जौनपुर के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक रनिंग ट्रैक + ग्रामीण क्षेत्र में 125 मिनी स्टेडियम का निर्माण, 31 निर्माणाधीन

काम दमदार-डबल इंजन सरकार

DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS | खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश | सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

प्रदेश

'पूर्वी यूपी के लिए नया गौरव होगी NCC ट्रेनिंग अकैडमी'

निर्माणाधीन अकैडमी और विरासत गलियारे का सीएम ने लिया जायजा

■ NBT न्यूज, गोरखपुर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में निर्माणाधीन एनसीसी ट्रेनिंग अकैडमी को समूचे पूर्वी यूपी के लिए नया गौरव बताते हुए गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीएम रविवार को ताल कंदला में निर्माणाधीन एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) ट्रेनिंग अकैडमी का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

सीएम ने अकैडमी के मॉडल और ड्राइंग मैप देखने के साथ ही निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण करते हुए हॉस्टल, स्टाफ आवास, मेस निर्माण को लेकर जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने बताया गया है 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बाकी काम भी समय से पूरा करवा लिया जाएगा। सीएम योगी ने अकैडमी का 9 मार्च 2024 को शिलान्यास किया था। काम जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। वहीं, सीएम ने रैन बसेरों का निरीक्षण करते हुए कहा कि गरीबों और हर जरूरतमंद को बचाने के लिए सरकार संवेदनशील है। लोगों को शीतलहर से बचाने के लिए कंबल व ऊनी वस्त्रों, रैन बसेरों के संचालन और अलाव की व्यवस्था करने के सभी जिलों में पर्याप्त राशि जारी की जा चुकी है। सीएम ने निर्माणाधीन विरासत गलियारे का निरीक्षण का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता के साथ समय से काम पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सीएम योगी ने घंटाघर में बन रहे शंभु सिंह कॉम्प्लेक्स व मल्टीलेवल पार्किंग का भी जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने सभी काम गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

पार्क में खेल रहे बच्चों को दुलारा: अंबेडकर पार्क में खेल रहे बच्चों को देखकर सीएम मिलने पहुंचे। बच्चों को दुलारने के साथ ही चॉकलेट देते हुए पढ़ाई को लेकर भी जागरूक किया।

कफ सिरप तस्करी में वाराणसी से पांच और गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, वाराणसी: कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी में वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने दो दवा कारोबारियों समेत पांच को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ पुलिस ने पूरे मामले में हवाला नेटवर्क का खुलासा किया है। एडीसीपी (वरुणा जोन) नीतू कात्यायन ने बताया कि गिरफ्तार विष्णु कुमार पांडेय और लोकेश अग्रवाल ने सिंह मेडिकोस, अलकनंदा व एसपी फार्मा नाम से बोगस फर्में बनाकर कफ सिरप की कागजों में सप्लाई दिखाई थी।

> पकड़े गए आरोपितों में दो दवा व्यापारी भी शामिल
>
> मीरजापुर से दबोचा गया 25 हजार का इनामी

सरगना शुभम जायसवाल के बताए अज्ञात स्थानों पर सिरप छिपाकर रखे जाते थे और गुपचुप तरीके से बांग्लादेश भेजे जाते थे। तीनों बोगस फर्मों के खाते बैंक ऑफ महाराष्ट्र व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में खुलवाकर करोड़ों नगद जमा कर शुभम की फर्मों में ट्रांसफर किए जाते थे।

गुजरात से जुड़े तार: अन्य आरोपितों में दिनेश यादव, आशीष यादव व स्वर्णिल केशरी ने बताया कि बांग्लादेश में बेचे गए कफ सिरप का पैसा हवाला और गोल्ड के माध्यम से शुभम तक पहुंचता था। हवाला का तार गुजरात से जुड़ा है। गुजरात निवासी प्रवीण ही रुपये और गोल्ड शुभम तक पहुंचाने का इंतजाम करता था। वहीं, मीरजापुर पुलिस ने 25 हजार के इनामी कृष्ण कुमार यादव को गिरफ्तार किया है। जमालपुर पुलिस ने कृष्ण को जिग्ना-थाना पुल के पास से पकड़ा है। आरोपित फर्जी फर्म के जरिए कफ सिरप की सप्लाई करता था। आरोपित के खाते में 15 करोड़ का ट्रांजैक्शन मिला है।

फटाफट खबरें

धर्मांतरण का आरोप, पादरी सहित कई पर केस

■ NBT न्यूज, फतेहपुर: राधानगर के देवी गंज स्थित प्रेसबिटेरियन चर्च में धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए रविवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभालते हुए चर्च में जुटी महिलाओं समेत अन्य लोगों से पूछताछ के साथ ही पादरी डेविड को हिरासत में ले लिया। बजरंग दल के जिला संयोजक धर्मेंद्र सिंह के अनुसार चर्च में हिंदू महिलाओं को प्रलोभन देकर धर्मांतरण करवाया जा रहा है। सीओ वीर सिंह के अनुसार पादरी डेविड और उसके बेटे सहित अन्य अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

IG के निर्देश पर छापा, 17 जुआरी गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, बांदा: झांसी के सीपरी बाजार स्थित होटल द क्राउन पर छापेमारी के दौरान पुलिस ने 17 लोगों को जुआ खेलते धर दबोचा। आरोपितों के पास से 7.11 लाख रुपये और 19 मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब नौ बजे गुप्त सूचना पर छापा मारा गया था। इस दौरान दूसरे फ्लोर पर स्थित रूम नंबर 103 में जुआ होता मिला। सीओ के अनुसार आईजी स्तर से जुआ खेले जाने की सूचना पर छापा मारा गया था। मौके से फरार होटल मालिक नई बस्ती निवासी विजय यादव की तलाश की जा रही है।

फायरिंग रेंज में विस्फोट, चार जवान घायल

■ भाषा, सहारनपुर: फायरिंग रेंज में अभ्यास के दौरान अचानक विस्फोट होने से सेना के चार जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन के अनुसार शनिवार शाम मिर्जापुर थाना क्षेत्र की बडकला फायरिंग रेंज में विस्फोट हुआ था। जानकारी होते ही पहुंची पुलिस ने हादसे में घायल जवान सुरेश, पवित्र, दीपक और प्रवीण को चिकित्सा पहुंचाया। हालात गंभीर देखते हुए दीपक और सुरेश को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सेना के अधिकारियों को जानकारी देने के साथ ही जांच शुरू कर दी गई है।

माघ मेला: बंद रहेंगी 335 औद्योगिक इकाइयां

■ NBT रिपोर्ट, कानपुर : यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने माघ मेले को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। गढ़मुक्तेश्वर से फतेहपुर तक उद्योगों की बंदी का शेड्यूल जारी किया है। कानपुर में भी बोर्ड ने 335 औद्योगिक इकाइयों को 31 दिसंबर से 15 फरवरी तक बंद रखने का आदेश जारी कर दिया है। स्नान पर्व के 3 दिन पहले से पर्व तक 4 दिनों की बंदी होगी।

बरेली से दो संदिग्ध कश्मीरी दबोचे गए

■ भाषा, बरेली: इज्जतनगर पुलिस ने शनिवार को दो संदिग्ध कश्मीरी युवकों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार दोनों संदिग्ध अहलादपुर चौकी क्षेत्र के धौमरी गांव स्थित मस्जिद में ठहरे थे। दोनों की फोटो और आधार कार्ड सत्यापन के लिए कश्मीर पुलिस को भेजे गए हैं। पुलिस के अनुसार दोनों युवकों को संदिग्ध हालात में घूमता देखने के साथ ही बोलचाल के तरीके से शक होने पर ग्रामीणों ने पुलिस के एक्स अकाउंट पर सूचना दी थी। पकड़े गए आरोपितों ने खुद को पुंछ जिला निवासी शौकत अली और सज्जाद बताया है।

हमें दिखाना है कि भारत की महिला हॉकी टीम भी किसी से कम नहीं है। तोक्यो ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला हॉकी का ग्राफ जो ऊपर गया था, उसे फिर लौटाना है। पिछला साल अच्छा नहीं रहा लेकिन अगला साल नई सुबह लेकर आएगा। - दीपिका सेहरावत, हॉकी प्लेयर, भारत

25

टेस्ट सीरीज (3+ टेस्ट मैच वाली) में क्लीन स्वीप किया है ऑस्ट्रेलिया ने विपक्षी टीम पर। ऑस्ट्रेलिया क्लीन स्वीप के जरिए सर्वाधिक टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम है। दूसरे स्थान पर इंग्लैंड (17 सीरीज) है

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. ब्रेट ली ने वनडे इंटरनेशनल में कितने विकेट लिए हैं?
A) 310 B) 380 C) 381 D) 275
2. लक्ष्य सेन ने साल 2025 में कुल कितने खिताब जीते?
A) 2 B) 3 C) 1 D) 7

कल के जवाब
1. C) 18 2. A) कोलकाता नाइटराइडर्स

लकी WINNER

1. रीनू ढाका, दयालपुर, दिल्ली
2. वारिस अली खान, लखनऊ, यूपी
3. मिलेश पाल, ठाणे, महाराष्ट्र

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

संधू का सातवां खिताब

■ जमशेदपुर: युवराज संधू ने रविवार को टाटा ओपन 2025 गोल्फ टूर्नामेंट में एक स्ट्रोक की जीत के साथ पीजीटीआई में एक ही सीजन में सबसे ज्यादा सात खिताब जीतने का नया रेकॉर्ड बनाया। संधू ने आखिरी दौर में छह-अंडर 65 का कार्ड खेला जिसमें आखिरी होल पर जीत दिलाने वाली बर्डी शामिल थी।

उबैदुल्लाह पर लगा बैन

■ कराची: निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर पाकिस्तान के इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ ने कहा कि राजपूत ने बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र विदेश यात्रा की और भारतीय जर्सी पहनी। मैच की उनकी तस्वीरें वायरल होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

टी20 टीम में शामिल किए जाने के बाद अब वनडे टीम में भी बना सकते हैं जगह

किशन ने बजा दी पंत के लिए खतरे की घंटी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन पिछले एक दो महीने से जबरदस्त फॉर्म में हैं और ईशान के इस फॉर्म ने ऋषभ पंत के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। कभी टीम इंडिया के पोस्टर बॉय और आगामी कप्तान का तमगा हासिल कर चुके पंत अलग-अलग फॉर्मेट में धीरे-धीरे भारतीय टीम में अपनी जगह खोते दिख रहे हैं।

ईशान ने पिछले दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो शतक जमाए और विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में की। टूर्नामेंट के अपने पहले ही मैच में किशन ने सिर्फ 39 गेंदों पर 125 रन ठोक दिए, जिसमें 7 चौके और 14 छक्के शामिल थे। टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में अचानक शामिल किए गए ईशान अब वनडे फॉर्मेट में भी अपना दावा ठोक रहे हैं। टीम इंडिया वनडे फॉर्मेट में अभी भी स्पेशलिस्ट विकेटकीपर की तलाश में है। भारत ने पिछली वनडे सीरीज साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली थी, जिसके लिए टीम में पंत भी शामिल थे लेकिन विकेटकीपिंग की भूमिका केएल राहुल ने निभाई थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने जा रही वनडे सीरीज में पंत की जगह ईशान को टीम में शामिल किया जा सकता है और उम्मीद के मुताबिक उन्हें अंतिम एकादश में जगह भी मिल सकती है।

घरेलू में अच्छे प्रदर्शन का ईनाम: ईशान को घरेलू क्रिकेट में विस्फोटक प्रदर्शन का इनाम मिल रहा है। झारखंड के कप्तान के रूप में किशन ने अपनी टीम को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया और 517 रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। इसके अलावा वह सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी रहे।

ईशान किशन

पिछले 15 लिस्ट-ए मैच में दोनों का प्रदर्शन

ऋषभ पंत		ईशान किशन
15	इनिंग्स	14
572	रन	607
125*	हाईएस्ट	134
40.85	ऐवरेज	43.35
1	शतक	2
4	अर्धशतक	1

*टेबल में दी गई ऋषभ पंत की 15 पारियां पिछले पांच साल के दौरान खेली गई हैं, जबकि इन पांच सालों में ईशान किशन ने लिस्ट-ए में 43 मैच खेल डाले हैं।

ऋषभ पंत

पंत को नहीं मिल रहे मैच: वनडे क्रिकेट में पंत सात साल पहले डेब्यू करने के बावजूद अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं, लेकिन इसकी बड़ी वजह उनका दुर्भाग्यपूर्ण कार हादसा भी रहा है। पंत ने पिछले तीन साल में सिर्फ एक ही वनडे मैच खेला है। टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा होने के कारण उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलने का भी शायद ही मौका मिलता है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में पंत पूरे समय बेंच पर रहे। वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन्हें एक भी मैच नहीं मिला। हालिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भी पंत को फिर से नजरअंदाज किया गया।

स्पोर्ट्स @2026

सबसे बड़ा चैलेंज

जूनियर्स को उठानी होगी बड़ी ज़िम्मेदारी

तकरीबन दो वर्षों में भारतीय बैडमिंटन में वह सुर्खियां तमाम गायब रहीं, जिन्हें कभी पढ़ते ही रोमांच भर जाता था-पीवी सिंधु ने जीता खिताब, साइना नेहवाल बनी चैंपियन, एचएस प्रणय फाइनल में, रेड्डी-शेट्टी जोड़ी दुनिया के टॉप पर। इन हेडलाइंस की कमी की सबसे बड़ी वजह सीनियर खिलाड़ियों की गिरती फॉर्म और लगातार बनी रही फिटनेस की समस्याएं रहीं। अब आगामी साल भारतीय बैडमिंटन के लिए किसी बड़ी परीक्षा से कम नहीं होने वाला है। भारत बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन की वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 की मेजबानी कर रहा है, और देश की उम्मीदें होंगी कि घरेलू मैदान पर भारतीय शटलर पोडियम तक पहुंचें। सीनियर्स की बढ़ती उम्र और डगमगाती लय के बीच 2026 भारतीय जूनियर्स के लिए निर्णायक साल साबित हो सकता है। आने वाले समय में भारतीय बैडमिंटन का भविष्य इन उभरते हुए खिलाड़ियों के कंधों पर ही टिका दिखेगा।

तन्वी शर्मा

सबसे बड़ा सवाल?

साल 2025 में भारत के कई जूनियर खिलाड़ियों ने इंटरनेशनल लेवल पर शानदार प्रदर्शन करके भविष्य की उम्मीदें जगाई हैं। एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में ज्ञाना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर ने गोल्ड जीता। बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी शर्मा ने सिल्वर जीता। आयुष शेट्टी, उन्नति हुड्डा, अनमोल खरब, ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने भी अलग-अलग स्तर पर अपनी छाप छोड़ी। क्या ये खिलाड़ी सीनियर लेवल पर बड़े चैलेंज के लिए तैयार होंगे?

लक्ष्य सेन

11 सिंगल्स खिताब साल 2025 में जीते एन से-यंग ने और एक सीजन में सर्वाधिक सिंगल्स खिताब जीतने के जापान के केंटो मोमोटा के रेकॉर्ड की बराबरी की। सीजन में उनका जीत का प्रतिशत 94.8% रहा।

लक्ष्य का टारगेट

तमाम उतार-चढ़ाव के बाद भी लक्ष्य सेन साल 2025 का अंत नंबर-13 वर्ल्ड रैंकिंग के साथ करेंगे, जो भारतीयों में बेस्ट है। उन्होंने 2025 की शुरुआत चोटों से की, लेकिन अंत एक खिताब (ऑस्ट्रेलियन ओपन) के साथ किया। वह दो अन्य बड़े टूर्नामेंट्स के फाइनल में भी पहुंचे। इस प्रदर्शन से 2026 में उनसे बेहतर की उम्मीद जगी है। वह पीठ की चोट से उबर चुके हैं और अगले साल उनका टारगेट अधिक खिताब जीतकर टॉप-10 में पहुंचने का होगा।

भारत की चुनौतियां

1-**फिटनेस का मसला:** पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत जैसे सीनियर खिलाड़ियों के लिए अगले साल पूरा सीजन फिट रहना बड़ी चुनौती होगी।

2-**प्रदर्शन में निरंतरता:** युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी और फिट भी रहना होगा ताकि वह बड़े टूर्नामेंट्स के अंतिम चरणों में दबाव झेल सकें।

3-**युवाओं का टारगेट:** आयुष शेट्टी, उन्नति हुड्डा, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब जैसे जूनियर्स को सीनियर सर्किट में खुद को स्थापित करना होगा।

साल 2026 में बैडमिंटन: कुछ महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं

टूर्नामेंट	तारीख	वेन्यू
मलेशिया ओपन	6-11 जनवरी	कुआलालंपुर
इंडिया ओपन	13-18 जनवरी	नई दिल्ली
ऑल इंग्लैंड ओपन	10-15 मार्च	बर्मिंघम
थॉमस ऐंड उबेर कप	24 अप्रैल-3 मई	डेनमार्क
BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप	17-23 अगस्त	नई दिल्ली
वर्ल्ड टूर फाइनल्स	8-13 दिसंबर	चीन

'सदमे की स्थिति' में थे MCG पिच के क्यूरेटर

■ एजेंसियां, मेलबर्न: मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) के चीफ पिच क्यूरेटर मैथ्यू पेज ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग-डे टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की स्थिति में' थे। उन्होंने माना कि नीरस ड्रॉ से बचने के लिए तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिच तैयार की गई, लेकिन पिच पर 10 मिलीमीटर घास छोड़ना भारी पड़ा। पिच पर 142 ओवर्स के खेल में कुल 36 विकेट गिरे। पेज को साल 2017 एशेज सीरीज में MCG पर हुए ड्रॉ के बाद नियुक्त किया गया था।

पेज ने कहा, 'पहले दिन के बाद मैं सदमे में था। हम निश्चित रूप से निराश हैं कि यह मैच केवल दो दिन तक चला। यह रोमांचक टेस्ट मैच था लेकिन यह लंबी अवधि तक नहीं चला। हम इससे सबक लेंगे और अगले साल बेहतर विकेट तैयार करने की पूरी कोशिश करेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं पहले कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहा और उम्मीद है कि भविष्य में मैं फिर से कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहूंगा।' पेज ने कहा, 'हम जानते हैं कि यह मैच हमारी योजना के अनुसार नहीं चला। हमें पूरे चार-पांच दिन तक बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बने रहने की उम्मीद थी।'

द एशेज पिच विवाद

चीफ पिच क्यूरेटर मैथ्यू पेज

36 विकेट गिरे थे MCG की पिच पर चौथे टेस्ट में दो दिन के खेल के दौरान

हंपी और एरिगैसी ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

■ पीटीआई, दोहा: भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी और अर्जुन एरिगैसी को फिडे वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के रैपिड टाइटल राउंड में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। महिला वर्ग में हंपी 11वें और आखिरी राउंड के बाद चीन की झू जिनर और रूस की एलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के साथ 8.5 अंकों की बराबरी पर थीं। हालांकि, फिडे के टाईब्रेकर नियम की वजह से उन्हें ब्रॉन्ज से ही संतोष करना पड़ा। हंपी साल 2019 और 2024 में रैपिड टाइटल अपने नाम कर चुकी हैं। एरिगैसी को टाईब्रेक नियम का फायदा मिला। वह हैंस नीमन और लेनियर डोमिंग्वेज के साथ 9.5 अंकों की बराबरी पर थे, लेकिन उन्हें ब्रॉन्ज मेडल मिला। ओपन वर्ग में दुनिया के नंबर-1 प्लेयर मैग्नस कार्लसन ने खिताब अपने नाम किया।

वर्ल्ड रैपिड एंड ब्लिट्ज चैंपियनशिप

ग्रैंडमास्टर हंपी

मंधाना ने खेली रेकॉर्ड पारी, भारत की लगातार चौथी जीत

भारत v श्रीलंका, चौथा टी20I

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: स्मृति मंधाना (80 रन, 48 बॉल, 11 फोर, 3 सिक्स) और शेफाली वर्मा (79 रन, 46 बॉल, 12 फोर, 1 सिक्स) की तेज पारी की बदौलत भारत ने श्रीलंका को चौथे टी20I में 30 रन से हरा दिया। भारत पांच टी20I की सीरीज में 4-0 से आगे है।

श्रीलंका के खिलाफ अपनी पारी के दौरान स्मृति विमिंस इंटरनैशनल क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाली दुनिया की सिर्फ चौथी बैटर बनीं। वह मिताली राज के बाद ऐसा करने वाली सिर्फ दूसरी भारतीय हैं। स्मृति ने इस मुकाम पर पहुंचने के लिए सबसे कम 281 पारियां खेलीं। स्मृति भारत के लिए सर्वाधिक सिक्स जमाने वाली महिला प्लेयर भी बनीं। उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा। भारत ने 221/2 का टोटल बनाया। यह टी20I में भारतीय महिला टीम का सर्वाधिक स्कोर है। श्रीलंका की टीम 20 ओवर्स में छह विकेट पर 191 रन ही बना सकी।

स्मृति मंधाना

विमिंस इंटरनैशनल क्रिकेट में सर्वाधिक रन

प्लेयर	देश	रन
मिताली राज	भारत	10868
सूजी बेट्स	न्यूजीलैंड	10652
शार्लेट एडवर्ड्स	इंग्लैंड	10273
स्मृति मंधाना	भारत	10053

पाइपर्स की जीत की धुन, रॉयल्स को 2-0 से हराया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कप्तान नवनीत कौर और टेरेसा विआना के गोल की बदौलत एसजी पाइपर्स ने विमिंस हॉकी इंडिया लीग में जीत के साथ आगाज किया। उन्होंने टूर्नामेंट के पहले मैच में घरेलू दर्शकों के बीच खेल रही रांची रॉयल्स को 2-0 से मात दी। रविवार को हुए पहले मैच में दोनों टीम के बीच पहला क्वार्टर बराबरी का रहा, जहां दोनों टीमें गोल स्कोर करने में सफल नहीं रहीं। दूसरे क्वार्टर में पाइपर्स ने अपना अटैक तेज किया और 25वें मिनट में उन्होंने दो लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। हालांकि, पाइपर्स मौके को भुना नहीं पाए। दो मिनट बाद ही पाइपर्स के लिए पहला गोल उनकी कप्तान नवनीत की स्टिक से आया। आखिरी क्वार्टर में टेरेसा ने दूसरा गोल कर पाइपर्स की जीत पक्की की।

हॉकी इंडिया लीग

नवनीत कौर

ली हॉल ऑफ फेम में शामिल

■ एजेंसियां, नई दिल्ली: ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को उनके शानदार इंटरनैशनल करियर के लिए ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। ली इस उपलब्धि को हासिल करने वाले कुल 62वें प्लेयर हैं। अपनी रफ्तार और सटीकता के लिए पहचाने जाने वाले ली क्रिकेट इतिहास के सबसे तेज गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। ली 2003 और 2007 वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियन टीम का अहम हिस्सा थे और 2008 में उन्हें एलन बॉर्डर मेडल से सम्मानित किया गया था। ली ने 76 टेस्ट में 310, 221 वनडे में 380 और 25 टी20I में 28 विकेट लिए थे। ली के इंटरनैशनल क्रिकेट में कुल 718 विकेट हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथे सर्वाधिक हैं।

क्रिकेट कनेक्ट

हॉल ऑफ फेम ट्रॉफी के साथ ब्रेट ली

टीम में बाबर-शाहीन नहीं

लाहौर: पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी20I सीरीज के लिए ऑलराउंडर शादाब खान को टीम में शामिल किया है, जबकि बाबर आजम और शाहीन अफरीदी को जगह नहीं मिली है। ये दोनों फिलहाल बिग बैश लीग (BBL) में खेल रहे हैं। टीम की कमान सलमान अली आगा संभालेंगे।

करिश्मा और ऋत्विक ने जीता सिंगल्स का खिताब

■ एजेंसियां, विजयवाड़ा: सूर्या करिश्मा तमिरी ने तन्वी पात्री को सीनियर नैशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में हराकर विमिंस सिंगल्स का खिताब जीता। वहीं, ऋत्विक संजीवी ने मेंस सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। 19 वर्षीय करिश्मा ने रविवार को खेले गए फाइनल में तन्वी को 17-21, 21-12, 21-14 से मात दी। मेंस सिंगल्स में ऋत्विक ने भरत राघव को फाइनल में 21-16, 22-20 से हराया। शिखा गौतम और अश्विनी भट की जोड़ी ने विमिंस डबल्स में खिताब जीता। हरिहरन अम्साकरुणन और रुबान कुमार ने मेंस डबल्स का टाइटल जीता।

सीनियर नैशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

ऋत्विक संजीवी सूर्या करिश्मा

THE ECONOMIC TIMES

फटाफट खबरें

रॉल्स रॉयस भारत में बड़े विस्तार को तैयार

■ भाषा, नई दिल्ली: ब्रिटेन की एअरो-इंजन विनिर्माता कंपनी रॉल्स रॉयस ने रविवार को कहा कि वह भारत को ब्रिटेन के बाहर अपना तीसरा "गृह बाजार" बनाने पर विचार कर रही है। यह योजना जेट इंजन, नौसैनिक प्रणोदन, थल प्रणालियों और उन्नत इंजीनियरिंग सहित कई क्षेत्रों में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार की गई है।

'जिम इक्विपमेंट के लिए बायबैक ऑफर'

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: फिटनेस इक्विपमेंट के निर्माण और ट्रेड में तीन दशकों से लगी जेसाई फिटनेस लिमिटेड ने बायबैक ऑफर की घोषणा की है। यह ऑफर 01 जनवरी, 2026 से शुरू हो रहा है। बायबैक ऑफर 1,04,000 जिम को टारगेट करेगा, जिसके 8% के CAGR से बढ़ने और 2029 तक 1,51,000 जिम तक पहुंचने की उम्मीद है।

'मोटापे संबंधी दवाएं बड़ा योगदान देंगी'

■ भाषा, नई दिल्ली: सन फार्मा के प्रबंध निदेशक कीर्ति गनोरकर ने कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में मोटापा और मधुमेह जैसी बीमारियों की दवाएं घरेलू दवा उद्योग की वृद्धि का एक प्रमुख आधार होंगी। ग्लूकागन-लाइक पेप्टाइड-1 (जीएलपी-1) रिसेप्टर एगोनिस्ट ऐसी दवाएं हैं, जो इंसुलिन के उत्पादन को नियंत्रित कर टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्त शर्करा और मोटापे के इलाज में उपयोग की जाती हैं।

ग्लोबल रुझानों, FII के रुख से तय होगी बाजार की चाल!

आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों से प्रभावित होंगे निवेशकों के सेंटिमेंट्स

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा व्यापक आर्थिक आंकड़ों, ग्लोबल रुझानों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से प्रभावित होगी। विश्लेषकों ने कहा कि साथ ही वाहन बिक्री के आंकड़ों पर भी करीबी नजर रखी जाएगी।

इस साल के कुछ ट्रेडिंग सेशन ही बाकी रहने के कारण भारतीय शेयर बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है, हालांकि रुझान सकारात्मक रह सकता है। रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड में रिसर्च हेड अजित मिश्रा ने कहा, 'इस सप्ताह कैलेंडर वर्ष 2026 की शुरुआत होगी, और दिसंबर के वायदा-विकल्प सौदे पूरे होने के कारण अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। घरेलू स्तर पर जिन प्रमुख आंकड़ों पर नजर रहेगी, उनमें नवंबर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई शामिल हैं।" उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर बाजार अमेरिका से जुड़े व्यापक आर्थिक संकेतों पर करीबी नजर रखेंगे, जिनमें एफओएमसी बैठक का ब्योरा और फेडरल रिजर्व की बैलेंस शीट से जुड़ी जानकारियां शामिल हैं। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 112.09 अंक या 0.13 प्रतिशत चढ़ा, जबकि निफ्टी 75.9 अंक या 0.29 प्रतिशत बढ़ा।

एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोन्मुडी आर ने कहा, "2025 के कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने के कारण भारतीय इक्विटी बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है, हालांकि रुझान सकारात्मक रह सकता है। इस सप्ताह निवेशकों की धारणा घरेलू और विदेशी, दोनों स्तरों पर व्यापक आर्थिक आंकड़ों से प्रभावित होगी।" उन्होंने कहा कि नवंबर के वाहन बिक्री आंकड़ों पर भी करीबी नजर रखी जाएगी।

कच्चे तेल की कीमत: हाल की भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। इनमें अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के तेल एक्सपोर्ट पर अधिक दबाव डालना और कुछ अफ्रीकी इलाकों में सुरक्षा संबंधी मुद्दे शामिल हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.4% बढ़कर 62.48 डॉलर प्रति बैरल हो गई है, जिससे ज्यादा महंगाई और बिजनेस के लिए बढ़ती लागतों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

AI image
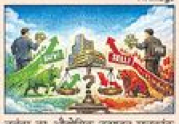

रक्षा विनिर्माण में ₹1.8 लाख करोड़ का निवेश करेगा अदाणी समूह

■ भाषा, नई दिल्ली: अदाणी समूह अगले साल रक्षा विनिर्माण में 1.8 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने 2025 में लंबी योजना प्रक्रियाओं से आगे बढ़ते हुए त्वरित तैनाती की ओर रुख किया और इसके कुछ सैन्य उपकरणों का उपयोग ऑपरेशन सिंदूर में किया गया।

मानवरहित प्रणालियों व उन्नत हथियारों में क्षमताओं को मजबूत करने पर फोकस

अगले साल कंपनी मानवरहित और स्वायत्त प्रणालियों, उन्नत निर्देशित हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई आधारित बहुक्षेत्रीय अभियानों तथा रखरखाव, मरम्मत और प्रशिक्षण अवसंरचना के विस्तार में निवेश करेगी। हवा, समुद्र और जमीनी क्षेत्रों में स्वायत्त प्रणालियां ऐसे मानवरहित मंच हैं, जो सेंसर, सॉफ्टवेयर और सुरक्षित नेटवर्क के माध्यम से न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ संचालित होती हैं।

सोने-चांदी की रफ्तार बनी रहेगी या लगेगा ब्रेक?

बेहतर रिटर्न पाने के लिए 'एसेट एलोकेशन' का पालन करें: नीलेश शाह

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

सोने और चांदी में पिछले कुछ समय से जो जबरदस्त तेजी देखी गई है, वह 2026 में शायद जारी न रहे। हालांकि, इन कीमती धातुओं का आउटलुक अभी भी पॉजिटिव दिख रहा है। कोटक महिंद्रा एएमसी के एमडी नीलेश शाह ने यह बात कही है। उन्होंने निवेशकों को सलाह दी कि वे अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न पाने के लिए 'एसेट एलोकेशन' यानी संपत्ति आवंटन के 'धर्म' का पालन करें।

नीलेश शाह ने ईटी नाउ के साथ एक खास बातचीत में बताया कि जिस तरह की बेतहाशा उछाल कीमती धातुओं में देखने को मिली है, वैसी 2026 में दोहराए जाने की संभावना कम है। फिर भी उन्होंने कहा कि सोना और चांदी दोनों के लिए आगे का रास्ता सकारात्मक बना हुआ है। इसकी वजहें हैं केंद्रीय बैंकों की सोने में लगातार खरीद और चांदी की औद्योगिक मांग। खासकर इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) के क्षेत्र में यह काफी मजबूत है।

AI image
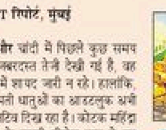

एसेट एलोकेशन पर फोकस रखें निवेशक

नीलेश शाह ने कहा कि उन्हें 'एसेट एलोकेशन के धर्म' का पालन करना चाहिए। इसका मतलब है कि अपने पोर्टफोलियो को रियल एस्टेट, डेट, इक्विटी और कीमती धातुओं के बीच बांटना चाहिए। निवेशक को खुले दिमाग से काम लेना चाहिए और संपत्ति आवंटन के सिद्धांत का पालन करना चाहिए। इस साल अब तक सोने की कीमतों में 70 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है, जो 1979 के बाद की सबसे बड़ी वार्षिक बढ़त है। वहीं, चांदी में करीब 160 फीसदी की तेजी आई है।

WGC की रिपोर्ट पर नजर रखने की सलाह

एक्सपर्ट ने यह भी बताया कि निवेशकों को हर महीने वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (WGC) की रिपोर्ट देखनी चाहिए। इससे उन्हें पता चलेगा कि 'केंद्रीय बैंक क्या कर रहे हैं'। जब तक वे खरीदारी कर रहे हैं और एक निश्चित कीमत तक खरीदने को तैयार हैं, तब तक सोने की कीमतें मजबूत बनी रहेंगी। चांदी के बारे में बात करते हुए नीलेश शाह ने कहा कि चांदी एक औद्योगिक वस्तु है। इसलिए इसमें थोड़ी और गहराई से रिसर्च करने की जरूरत है। आपको यह पता लगाना होगा कि क्या चांदी के औद्योगिक इस्तेमाल के लिए कोई वैकल्पिक समाधान उभर रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब किसी औद्योगिक वस्तु की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ जाती हैं तो उसे दूसरी चीजों से बदला जा सकता है। ऐसे में सोना और चांदी दोनों का भविष्य सकारात्मक है।

विदेशियों को भाया देसी वाइन का स्वाद, दोगुना हुआ एक्सपोर्ट

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: भारत में अंगूर के अलावा दूसरे फलों से बनने वाली वाइन विदेश में अपनी खास जगह बना रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत में वाइन बनाने वाली कंपनियां देश में धीमी बिक्री के बीच विदेशी बाजारों पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं।

सात महीनों में भारत से वाइन का निर्यात रिकॉर्ड 6.7 मिलियन डॉलर तक पहुंचा

ट्रेड थिंक टैंक जीटीआरआई (GTRI) के विश्लेषण के मुताबिक इस वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में वाइन का निर्यात रिकॉर्ड 6.7 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है। अंगूर से बनी वाइन के निर्यात में सिर्फ की Sula Vineyards सबसे आगे है। लेकिन गैर-अंगूर वाली भारतीय वाइन भी पसंद की जा रही है। शुक्रवार को मुंबई से 800 केस Curry Favour ब्रैंड की घरेलू वाइन विदेश भेजी गई।

SS रिटेल ने सेबी को सौंपे दस्तावेज

■ भाषा, नई दिल्ली: मोबाइल रिटेल कंपनी SS रिटेल ने IPO के माध्यम से 500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी की पहली सार्वजनिक पेशकश 300 करोड़ के शेयरों के ताजा निर्गम के साथ-साथ प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 200 करोड़ की बिक्री की पेशकश (OFS) का संयोजन होगी। नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग नए स्टोर खोलने के लिए किया जाएगा।

'ट्रेड फाइनेंस का भविष्य टेक्नॉलजी आधारित प्लैटफॉर्म'

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी (IFSCA) के चेयरमैन के. राजारमन ने कहा कि TReDS जैसी पहलों ने घरेलू ट्रेड फाइनेंस तक पहुंच बढ़ाई है, खासकर MSMEs के लिए, लेकिन अभी भी विकास की काफी गुंजाइश है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रेड फाइनेंस का भविष्य टेक्नोलॉजी-आधारित प्लेटफॉर्म में है जो पारदर्शिता बढ़ाते हैं, जोखिम कम करते हैं, और लेंडर्स को स्थायी रूप से आगे बढ़ने में मदद करते हैं। भारत का लक्ष्य 2030 तक USD 2 ट्रिलियन का एक्सपोर्ट करना है, उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ट्रेड फाइनेंस तक कुशल, कम जोखिम वाली पहुंच बहुत जरूरी होगी।

AI image

भारत का लक्ष्य 2030 तक USD 2 ट्रिलियन का एक्सपोर्ट जिसके लिए कम जोखिम वाली पहुंच जरूरी

उन्होंने बताया कि मौजूदा फैक्टरिंग और ट्रेड क्रेडिट वॉल्यूम लगभग USD 45 बिलियन है, जो भारत के लगभग USD 425 बिलियन के मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट का सिर्फ 10% है, जबकि ग्लोबल बेंचमार्क लगभग 20% है। वे M1 ग्रुप द्वारा आयोजित थॉट-लीडरशिप फोरम, समाह 2025 के तीसरे एडिशन में वे मुख्य अतिथि बोल रहे थे। समाह 2025 ने भारत में अगली पीढ़ी के ट्रेड और सप्लाई चेन फाइनेंसिंग को आकार देने के लिए सप्लाई चेन फाइनेंस इकोसिस्टम में सहयोग के महत्व पर जोर दिया। इस फोरम में बैंकिंग सेक्टर ने हिस्सा लिया, जिसमें पब्लिक सेक्टर बैंक, प्राइवेट बैंक, मल्टीनेशनल बैंक और NBFCs शामिल थे। इसमें सप्लाई चेन फाइनेंस सॉल्यूशंस के एक व्यापक सूट - UFX (यूनिफाइड फाइनेंसिंग एक्सपीरियंस) का अनावरण भी किया गया।

NBT AI टाइम मशीन

जब पहला स्वदेशी टैंक सेना में आया

आज ही के दिन 1965 को भारत में बना पहला मुख्य टैंक 'विजयंत' सेना में शामिल हुआ। इसे तमिलनाडु की 'हेवी व्हीकल्स फैक्ट्री' में तैयार किया गया था। विजयंत ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी मोर्चे पर दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए थे। इसके अलावा, इसने 1980 के दशक तक कई सैन्य ऑपरेशनों में अहम भूमिका निभाई। भारत में बने होने से इसने रक्षा क्षेत्र में देश का गौरव और आत्मनिर्भरता बढ़ाई।

NBT

कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रकाशित)। Front Page-2 सोमवार, 29 दिसंबर 2025 > पेज 14

भविष्य में होंगे ऑटोमेटेड स्मार्ट टैंक

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में युद्ध का रूप तेजी से बदलेगा और टैंकों की अहमियत भी बढ़ेगी। वे पहले से ज्यादा हल्के, तेज और स्मार्ट और स्वचालित होंगे। टैंकों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन से कोऑर्डिनेशन और मजबूत सुरक्षा सिस्टम होंगे। पहाड़ी, रेगिस्तानी और शहरी इलाकों में उनकी भूमिका अलग-अलग होगी। भारत के लिए स्वदेशी टैंक सीमा सुरक्षा, आधुनिक सेना और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत रीढ़ बनेंगे।

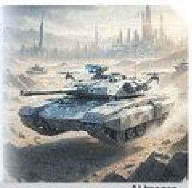

AI Images

फटाफट खबरें

जमुई में मालगाड़ी के 8 डिब्बे पटरी से उतरे

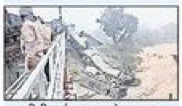

■ पीटीआई, पटना/कोलकाता: बिहार के जमुई जिले में शनिवार देर रात एक मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे की वजह से हावड़ा-पटना-दिल्ली रेल मार्ग पर राजधानी और वंदे भारत जैसी करीब 24 ट्रेनों के पहिये थम गए। कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है, तो कई का रास्ता बदल दिया गया है।

महबूबा सहित कई नेता हुए नजरबंद

■ भाषा, श्रीनगर: जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। महबूबा, बेटी इल्तिजा मुफ्ती, सांसद रुहुल्लाह मेहदी भी शामिल हैं।

भ्रष्टाचार: चीनी सेना के 3 अफसर निष्कासित

■ भाषा, बीजिंग: भ्रष्टाचार के खिलाफ नवीनतम कार्रवाई के तहत चीन की संसद ने 'नेशनल पीपुल्स कांग्रेस' की स्थायी समिति में केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) की राजनीतिक और कानूनी मामलों की समिति के प्रमुख वांग रेनहुआ, पीपुल्स आर्म्ड पुलिस (पीएपी) के राजनीतिक आयुक्त झांग होंगबिन और सीएमसी के प्रशिक्षण विभाग के निदेशक वांग पेंग को बर्खास्त कर दिया।

अंकिता मर्डर केस की CBI जांच की मांग

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून: उत्तराखंड में हुए अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर कांग्रेस ने पूरे राज्य में विरोध तेज कर दिया है। रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीजेपी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और पुतला दहन किया। कार्यकर्ताओं ने हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने की मांग की। आरोप है कि सरकार सच्चाई को छिपाने की कोशिश कर रही है।

बांग्लादेश पुलिस ने कहा, हादी हत्या मामले के दो संदिग्धों के भारत भागने का संदेह

बांग्लादेशी छात्र नेता के हत्यारे भारत में नहीं, खबरें झूठीं: BSF

■ पीटीआई, शिलॉन्ग

मेघालय में सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि ढाका में मारे गए 'इंकलाब मंच' के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारत में दाखिल हो गए हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और मेघालय पुलिस दोनों ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की किसी भी घुसपैठ का कोई सबूत नहीं मिला है।

मेघालय में बीएसएफ के महानिरीक्षक ओपी उपाध्याय ने कहा कि हत्यारों के भारत में प्रवेश से जुड़े दावे 'निराधार और भ्रामक' हैं। उन्होंने बताया कि हलुआघाट सेक्टर से मेघालय में किसी व्यक्ति के अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की न तो कोई पुष्टि हुई है और न ही बीएसएफ को इस तरह की कोई रिपोर्ट मिली है। इससे पहले ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया था कि हादी हत्याकांड के दो मुख्य संदिग्ध स्थानीय सहयोगियों की मदद से सीमा के रास्ते मेघालय में दाखिल हुए हैं। हालांकि, मेघालय पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि गारो हिल्स क्षेत्र में संदिग्धों की मौजूदगी से जुड़ा कोई इनपुट या खुफिया जानकारी उपलब्ध नहीं है। स्थानीय पुलिस इकाइयों ने भी किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दर्ज नहीं की है।

मेघालय में घुसपैठ के दावे को BSF ने खारिज किया

अधिकारी ने बताया कि राज्य पुलिस केंद्र सरकार की एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है और सीमा पर स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। बीएसएफ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात जवानों को हर समय हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीएसएफ अधिकारियों ने दोहराया कि इस सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा की लगातार निगरानी की जा रही है और अवैध तरीके से सीमा पार करने की किसी भी कोशिश का तुरंत पता लगाकर सख्ती से निपटा जाएगा।

'अंतरिम सरकार में चलेगा केस'

बांग्लादेश के आंतरिक मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा है कि उस्मान हादी की हत्या का मुकदमा इस अंतरिम सरकार के कार्यकाल में चलाया जाएगा। उम्मीद है कि 7 जनवरी 2026 को इस मामले में चार्जशीट दाखिल करना संभव होगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में लंदन स्थित बांग्लादेश हाई कमिशन के बाहर हिंदू समुदाय ने प्रदर्शन किया।

भारत की चिंताओं पर ढाका ने दी सफाई

बांग्लादेश ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा को लेकर भारत की टिप्पणियों को खारिज करते हुए उन्हें गलत बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस.एम. महबूब-उल आलम ने कहा कि ऐसी बातें बांग्लादेश की सांप्रदायिक सद्भाव की परंपरा को गलत तरीके से पेश करती हैं। उन्होंने दावा किया कि छिटपुट घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है और उनका इस्तेमाल बांग्लादेश विरोधी भावनाएं भड़काने के लिए किया जा रहा है। भारत ने हाल ही में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर चिंता जताई थी।

हिंदुओं पर अत्याचार का विरोध, लंदन में प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट: बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचार और दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में लंदन स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर शनिवार को हिंदू समुदाय का शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुआ। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने 'हिंदू लाइव्स मैटर' के नारे लगाए और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। इसी दौरान करीब 10 लोग अलगाववादी झंडे लेकर हाई कमीशन के सामने पहुंचे और भारत व हिंदुओं के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने छात्र नेता उस्मान हादी की भी प्रशंसा की। हालात बिगड़ने से रोकने के लिए पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग किया। आयोजकों ने अलगाववादियों पर जानबूझकर उकसाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल प्रज्वल ने कहा कि अलगाववादियों का इस मुद्दे से कोई लेन-देना नहीं है और वे जानबूझकर उकसाने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग उठी, नारे लगे

हादी के संगठन ने किया हंगामा, ढाका ठप

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: इंकलाब मंच के नेताओं और समर्थकों ने रविवार को अपने नेता उस्मान हादी की हत्या के विरोध में ढाका के शाहबाग चौराहे को जाम कर दिया।

ANI की रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रदर्शन देशभर के कई डिविजनल शहरों में किए गए व्यापक बंद का हिस्सा था। शाहबाग पर आधिकारिक रूप से प्रदर्शन दोपहर 2 बजे शुरू हुआ, हालांकि कई प्रदर्शनकारी सुबह से ही सड़कों पर मौजूद थे और न्याय की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी शुक्रवार से शाहबाग पर धरने पर बैठे थे। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि चार्जशीट जल्द दाखिल होगी। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

10 को अरेस्ट किया गया: पुलिस के अनुसार, अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हत्या में इस्तेमाल दो पिस्तौल और एक बाइक बरामद की गई है और चेक जब्त किए गए हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि चार्जशीट 7 जनवरी तक दाखिल की जाएगी। इस बीच, सिलहट सहित अन्य शहरों में कई जगह सड़क जाम की खबरें हैं।

चुनाव से पहले एनसीपी में दरार

चुनाव से पहले छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (NCP) जमात-ए-इस्लामी के साथ संभावित गठबंधन को लेकर आंतरिक फूट का सामना कर रही है। पार्टी के 30 नेताओं ने इस प्रस्ताव के खिलाफ संयुक्त ज्ञापन जारी किया है, जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने इस्तीफे की घोषणा की है। तसनीम जारा ने पद छोड़कर निर्दलीय लड़ने का ऐलान किया है।

ये किस राह पर जा रहे हैं हम...

त्रिपुरा के छात्र की हत्या, पिता बोले- कहा था इंडियन हूं

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

त्रिपुरा के 24 साल के एमबीए स्टूडेंट एंजेल चकमा को अपने और छोटे भाई पर नस्लीय टिप्पणी का विरोध करने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी। बेटे की हत्या के बाद BSF में तैनात पिता तरुण चकमा टूट गए हैं। वह इंसाफ चाहते हैं। उन्होंने बताया, 'एंजेल के यह कहने पर कि वे भी इंडियन हैं, चाइनीज नहीं, फिर भी लोगों ने उसकी गर्दन और पीठ पर चाकू और कड़े से हमला किया। FIR दो-तीन दिन बाद हुई। बेटे की नौकरी लग गई थी।' एंजेल की देहरादून के अस्पताल में मौत हुई। वह 17 दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझे। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सख्ती से निपटेंगे। 5 आरोपियों को पकड़ा गया है। एक आरोपी फरार है।

एंजेल चकमा

वाराणसी में जापानी टूरिस्ट्स से बदसलूकी, माफी भी मंगवाई गई

वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर हुई घटना।

■ NBT न्यूज, वाराणसी: वाराणसी घूमने आए जापानी पर्यटकों के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। इसका विडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। घटना दशाश्वमेध घाट पर हुई। विडियो में कुछ लोग जापानी परिवार पर गंगा नदी को गंदा करने का आरोप लगाते हुए अभद्रता करते दिख रहे हैं। पर्यटक दल ने हाथ जोड़कर माफी मांगी, लेकिन लोग उन्हें भला-बुरा कह रहे हैं। काशी के DCP ने कहा कि जापानी टूरिस्ट्स को नहाने को लेकर टोका गया था। मारपीट या हमला नहीं किया गया।

बरेली: छात्रा की बर्थडे पार्टी में गए थे

दो मुस्लिम युवकों के होने पर हंगामा

कैफे में एक ग्रुप ने हंगामा किया।

■ NBT रिपोर्ट: उत्तर प्रदेश के बरेली में एक कैफे में अपने हिंदू दोस्त की बर्थडे पार्टी में शामिल होने पर दो मुस्लिम युवकों के खिलाफ शांति भंग के आरोप में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने दोनों युवकों और कैफे के एक स्टाफ पर फाइन लगाया। TOI की खबर के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि बजरंग दल के कुछ लोगों ने कैफे में हंगामा किया। हालांकि, बजरंग दल ने कहा कि इस घटना से उनका लेना-देना नहीं है।

NBT व्यू

जागरूकता और ऐक्शन की जरूरत

त्रिपुरा के एमबीए स्टूडेंट की देहरादून में हत्या किसी भी देशभक्त का सीना तार-तार कर दे, लेकिन देशभक्ति की परिभाषा ही बदली जा रही तो क्या उम्मीद करें? तरक्की दिखाने के लिए हम चांद को चूमना चाहते हैं, लेकिन वो दाग भी छोड़ सकते हैं जिससे छाती फट जाना चाहे। क्षेत्र, भाषा या रूप-रंग से परे हर भारतीय सम्मान और सुरक्षा का हकदार है। इसके लिए जागरूकता और सख्त कानूनी कार्रवाई दोनों जरूरी है।

अंजदीप और तारागिरि से मजबूत होगी नेवी की सुरक्षा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: नए साल की शुरुआत में भारतीय नौसेना की ताकत और बढ़ने जा रही है। जनवरी में इंडियन नेवी को दो नए वॉरशिप- तारागिरि और अंजदीप मिल सकते हैं। तारागिरि नीलगिरि क्लास का फ्रिगेट है, जबकि अंजदीप शैलो वॉटर क्राफ्ट है। तारागिरि नीलगिरि क्लास का चौथा फ्रिगेट होगा, जबकि नौसेना को इस श्रेणी के कुल सात जहाज मिलने हैं। अंजदीप भी शैलो वॉटर क्राफ्ट की श्रृंखला में चौथा पोत है, जिनकी कुल संख्या 16 होगी। इंडियन नेवी को कुल 16 शैलो वॉटर क्राफ्ट मिलने हैं। जिसमें तीन नेवी में शामिल हो गए हैं। जनवरी में एक और एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) अंजदीप नेवी में शामिल हो जाएगा। ये सबमरीन निगरानी, खोज और बचाव मिशन को अंजाम दे सकता है।

कुल 16 शैलो वॉटर क्राफ्ट जल्द मिलेंगे नौसेना को

हिमालय तक सड़क, सुरंगें और एयरस्ट्रिप बना रहा भारत: रिपोर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

चीन के साथ संभावित भविष्य के टकराव को देखते हुए भारत हिमालयी इलाकों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। अमेरिकी मीडिया वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, सड़कों, सुरंगों और हवाई पट्टियों के निर्माण पर सैकड़ों मिलियन डॉलर खर्च किए जा रहे हैं, ताकि विवादित सीमा क्षेत्रों में सेना की तैनाती और सप्लाई व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

US मीडिया का दावा- गलवान झड़प के बाद इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर

भारत और चीन के बीच 2,200 मील लंबी सीमा रेखा, जिसे लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) कहा जाता है, लंबे समय से तनाव का केंद्र रही है। वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में हुए हिंसक संघर्ष ने दोनों देशों की सैन्य तैयारियों की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया। उस झड़प में दोनों पक्षों के सैनिकों की मौत हुई थी। विश्लेषकों के अनुसार, उस समय चीन अपने बेहतर सड़क और रेल नेटवर्क के कारण कुछ ही घंटों में अतिरिक्त बल पहुंचाने की स्थिति में था, जबकि भारत को दुर्गम और सीमित सड़कों के चलते एक सप्ताह तक लग सकता था।

FILE

पैंगोंग झील में भी गतिविधियां तेज

पैंगोंग त्सो झील क्षेत्र में भी गतिविधियां तेज हैं। 2020 के बाद दोनों देशों ने यहां सड़कों और ढांचों का तेजी से विस्तार किया। चीन ने हाल ही में झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों को जोड़ने वाला एक पुल भी पूरा किया है, जिससे उसकी सैन्य आवाजाही और आसान हो गई है।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. नेपाल में आरएसपी ने किसे PM पद का उम्मीदवार घोषित किया है?
A) रबी लामिछाने B) पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' C) बालेन शाह
2. राष्ट्रपति ने किस स्वदेशी सबमरीन में सवार होकर यात्रा की?
A) INS अरिहंत B) INS वाघशीर C) INS सिंधुघोष
3. महिला क्रिकेट में सबसे तेज 10 हजार रन बनाने का वर्ल्ड रेकॉर्ड किसके नाम है?
A) शार्लेट एडवर्ड्स B) स्मृति मंधाना C) मिताली राज
4. भारत हिमालयी इलाकों में बुनियादी ढांचा किस देश संग संभावित टकराव को देखते हुए विकसित कर रहा?
A) चीन B) पाकिस्तान C) नेपाल
5. कौन है पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी, जिन्हें Y+ सुरक्षा दी गई है??
A) सुनील अरोड़ा B) अनूप चंद्र पांडे C) मनोज अग्रवाल

कल के जवाब

A1 B) भारत A2 A) One Stop Centre for Women A3 B) 14 साल A4 C) Abhayrab A5 A) 17 साल

लकी विनर्स

1. किरण चौधरी, नई दिल्ली
2. बबीता सक्सेना, गाजियाबाद
3. डॉ. भरत गुप्ता, नई दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

पुलिसकर्मी को पीटने के आरोप में हुमायूं कबीर का बेटा हिरासत में

■ भाषा, मुर्शिदाबाद: पश्चिम बंगाल पुलिस ने रविवार को जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर के बेटे गुलाम नबी आजाद को पुलिस कॉन्स्टेबल (PSO) जुम्मा खान पर हमले के आरोप में हिरासत में ले लिया। आरोप है कि जब खान ने ड्यूटी से छुट्टी मांगी तो गुलाम ने उन्हें पीटा। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि उसका पूरे घटनाक्रम से कोई लेना-देना नहीं है। वहीं कबीर ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के इशारे पर पुलिस उन्हें निशाना बना रही है।

नेपाल चुनाव: बालेन शाह बने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार

■ आईएएनएस, काठमांडू: नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी अध्यक्ष रबी लामिछाने और शाह के बीच रविवार को लंबी चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। समझौते के तहत लामिछाने पार्टी अध्यक्ष बने रहेंगे।

बालेन शाह

शिकायतों पर ध्यान नहीं देती हैं मोबाइल कंपनियां : सर्वे

'स्पैम कॉल और खराब कवरेज ने छीना चैन'

■ NBT रिपोर्ट

भारत में मोबाइल सर्विस इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोग नेटवर्क और स्पैम कॉल्स-मैसेज से परेशान हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है।

LocalCircles के सर्वे के अनुसार, पिछले 3 सालों में शिकायत दर्ज कराने वाले हर 2 में से 1 टेलीकॉम यूजर का कहना है कि उनकी परेशानी दूर नहीं हुई। सर्वे में सामने आया है कि 23% लोग तो शिकायत दर्ज ही नहीं कराते, क्योंकि उन्हें इसका तरीका बहुत मुश्किल और सिरदर्द भरा लगता है। साल 2025 में टेलीकॉम रेगुलेटर TRAI ने स्पैम कॉल्स रोकने और शिकायत निपटारे के लिए काफी सख्ती दिखाई, लेकिन जमीनी हकीकत अब भी चिंताजनक है। सर्वे में कंपनियों के कामकाज की भी पोल खुली है। ग्राहकों की शिकायतें सुलझाने के मामले में वोडाफोन-आइडिया (VI) का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। इसके बाद एयरटेल का नंबर आता है। इनके मुकाबले रिलायंस जियो (Jio) और BSNL का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर रहा। हालांकि ग्राहकों की उम्मीदों पर ये भी पूरी तरह खरे नहीं उतरे।

सर्वे में सामने आया है कि 23% लोग तो शिकायत दर्ज ही नहीं कराते

3 सालों में कोई शिकायत की है?

- 65% हां
- 12% नहीं
- 23% तरीका मुश्किल

21,784 सर्वे में शामिल

किस कंपनी में ज्यादा शिकायतें पेंडिंग?

- 62% VI
- 49% Airtel
- 37% Jio

13,310 सर्वे में शामिल

शिकायत का क्या नतीजा निकला?

- 33% एक भी हल नहीं
- 24% सभी सुलझा ली गईं
- 14% ज्यादातर अनसुलझी
- 10% साफ जवाब नहीं

14,072 सर्वे में शामिल

किस तरह की शिकायतें?

- 65% नेटवर्क कवरेज।
- 54% स्पैम कॉल्स और मैसेज।
- 29% धीमी स्पीड।
- 23% बिलिंग में झोल।
- 12% फालतू वैल्यू ऐडेड सर्विस।
- 12% मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी
- 12% सिम रिप्लेसमेंट
- 18% कस्टमर केयर सर्विस।

14,160 सर्वे में शामिल।

दिग्विजय के BJP संगठन की तारीफ वाले बयान के साथ थरूर

कहा, संगठन तो मजबूत होना ही चाहिए

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को पार्टी के 140वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान शशि थरूर ने अपने पार्टी सहयोगी दिग्विजय सिंह के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए। दरअसल, दिग्विजय ने शनिवार को आरएसएस और बीजेपी की संगठनात्मक शक्ति की तारीफ करते हुए एक पोस्ट लिखा था, जिसमें उन्होंने कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया था। हालांकि, उन्होंने शनिवार को कांग्रेस की वर्किंग कमिटी की बैठक से पहले अपनी पोस्ट पर सफाई दी थी।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर से जब रविवार को दिग्विजय के इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो थरूर ने कहा कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए और इसमें कोई संदेह नहीं है। दिग्विजय के बगल में बैठने और दोनों के बीच बातचीत को लेकर पूछे गए सवाल पर थरूर ने कहा कि वे दोस्त हैं और आपस में नियमित रूप से चर्चा करते रहते हैं।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर दिग्विजय, थरूर साथ बैठे नजर आए।

कांग्रेस जोड़ती है, BJP तोड़ती है: खरगे

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को बीजेपी पर तीखा हमला किया। खरगे ने कहा कि कांग्रेस जोड़ने की राजनीति करती है, जबकि बीजेपी समाज को तोड़ने का काम कर रही है। खरगे ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में कांग्रेस द्वारा बनाए गए संस्थानों को कमजोर किया गया है। चंद पूंजीपतियों के फायदे के लिए कानून बदले जा रहे हैं, मनरेगा को कमजोर किया जा रहा है। सच्चाई छिपाने के लिए जनगणना तक नहीं कराई जा रही है।

उन्होंने इसे सामान्य संवाद बताते हुए किसी तरह के विवाद को खारिज किया।

ज़रदारी ने माना, मिली थी बंकर में छिपने की सलाह

■ पीटीआई, लाहौर : पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खुलासा किया कि मई में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने पर उन्हें अपने सुरक्षा अधिकारी ने 'बंकर में छिपने' की सलाह दी थी।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है लेकिन खुद की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने स्वीकार किया कि 10 मई की सुबह भारत ने नूर खान एयरबेस पर हमला किया, जो भारत-पाक संघर्ष के आठ महीने बाद पहली बार सामने आया। डार ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत से मध्यस्थता नहीं मांगी, लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्री और सऊदी विदेश मंत्री ने दिल्ली से बात करने की इच्छा जताई।

आसिफ अली जरदारी

ऑपरेशन सिंदूर, शुभांशु, महाकुंभ का ज़िक्र, मन की बात में मोदी ने गिनाईं 2025 की उपलब्धियां

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का साल रहा, जिसने देश को नई पहचान और नया आत्मविश्वास दिया। साल के आखिरी मन की बात कार्यक्रम में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से किसी कीमत पर समझौता नहीं करता। पीएम ने कहा कि कुछ ही दिनों में 2026 दस्तक देने वाला है और बीते साल में भारत का प्रभाव हर क्षेत्र में साफ दिखाई दिया। 2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए जिन पर हर भारतीय को गर्व हुआ चाहे वह देश की सुरक्षा हो, खेल का मैदान हो, विज्ञान की प्रयोगशालाएं हों या फिर वैश्विक मंच।

File

2025 भारत के लिए गौरव और आत्मविश्वास का साल। - नरेंद्र मोदी

खेलों का भी यादगार साल: प्रधानमंत्री ने खेल उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि 2025 भारत के लिए खेलों का भी यादगार साल रहा। पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती, महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप अपने नाम किया और महिला दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप में भी भारत ने इतिहास रचा।

विज्ञान और स्पेस के क्षेत्र में भी गौरव: विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर मोदी ने कहा कि शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बने जो देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज भारत को उम्मीद और भरोसे की नजर से देख रही है जिसकी सबसे बड़ी वजह भारत की युवा शक्ति है।

प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा के प्रयासों का जिक्र करते हुए बताया कि देश में चीतों की संख्या अब 30 से अधिक हो गई है। साथ ही उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ और अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वजारोहण जैसे आयोजनों को आस्था, संस्कृति और विरासत का प्रतीक बताया। स्वदेशी को लेकर बढ़ते उत्साह पर प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग अब वही प्रोडक्ट खरीद रहे हैं, जिनमें भारतीय मेहनत और मिट्टी की खुशबू हो। उन्होंने स्वीकार किया कि वर्ष 2025 में प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियां भी रहीं लेकिन देश अब 2026 में नई उम्मीदों और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

साहब के कद से बड़े हो रहे किस्से

यूपी की ब्यूरोक्रेसी में कद और पद दोनों में ही काफी समय तक लंबे रहे साहब के किस्से आजकल उनके कद से बड़े हो गए है। जबसे उन्होंने प्रदेश से देश की राजधानी का रुख किया, उनके समीकरण ही बदल गए हैं। पहले तो उनके प्रसार का दिन बेचकत संकुचित कर दिया गया। यह सब कुछ इतना तेजी से हुआ कि उनकी रणनीति और समर्थक दोनों ही बेअसर हो गए। खैर, पद तो साहब के हाथों का मैल है। नौकरी में रहे हों या उसके बाद की पारी में उनकी ओर चुंबक की तरह खिंचा आता है। लेकिन चर्चा का विषय कुछ और है। दरअसल, साहब के जलवे और पकड़ का आलम यह था कि उनके इशारे पर सत्ता से लेकर सिंगूरे तक बड़े से बड़ों का ट्रायल हो जाता था। लेकिन, इस समय साहब खुद 'ट्रायल' पर है। उनके नए-पुराने किस्से, कागज और दफन मुद्दे इस समय खूब मुखर है। हालांकि, साहब की काबिलियत और विपक्ष को पक्ष बनाने की क्षमता पर अब भी उनके समर्थकों को पूरा भरोसा है। इसलिए, वे कभी उनके देश के उच्चस्थ दरबार में तैनाती करवा रहे है तो कभी कहीं और ताजपोशी करवा रहे है। अब सबकी नजर इन नई खबरों पर टिकी है।

'कुमार' की 'उम्मीद' और 'विश्वास'

कविताओं की दीवानगी से युवाओं के चहेते रहे 'कुमार' के नए अंदाज पर लोग 'विश्वास' नहीं कर पा रहे है। कभी गांधी, नेहरू के विचारों को आदर्श मानने वाले कवि महोदय का अंदाज-ए-बयां बदला हुआ है। अब मंच से ही वह किसी और के कसीदे पढ़ रहे है। इस नए अंदाज पर उन्हें सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल भी किया जा रहा है। दरअसल, ये ट्रोलिंग राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद बहुत ज्यादा हो रही है। इस कार्यक्रम में भगवा दल और सरकार के बड़े चेहरे मौजूद थे। पर इस पूरे कार्यक्रम में उन्होंने कविताएं तो दो ही सुनाई लेकिन मंच पर मौजूद भगवा दल के नेताओं के कसीदे ज्यादा पढ़ते नजर आए। सूबे के मुखिया से लेकर देश के रक्षा मंत्री तक की प्रशंसा करके उन्होंने सभागार में तो खूब तालियां बटोरी लेकिन उसके बाद से लगातार ट्रोल हो रहे है। लोगों का कहना है कि अपनी उम्मीद को 'विश्वास' में बदलने के लिए ही 'कुमार' ने ऐसा किया। दरअसल, उनके शुभचिंतकों की तमाम कोशिशों के बावजूद देश के बड़े सदन में एंट्री के लिए उनका नाम सिर्फ चर्चाओं तक ही सीमित रह जाता है। अब उन्हें भगवा दल पर 'विश्वास' है कि यहां बहुतों की इच्छाएं पूरी हुई है, तो शायद उनकी भी हो जाएं।

पावर कॉरिडोर

निपट गए बड़बोले नेताजी

साइकल वाली पार्टी के नेताजी इन दिनों अपनी पार्टी के बड़बोले प्रवक्ताओं को चूड़ी टाइट करने में जुटे हुए है। दरअसल, बिहार चुनावों में हारने वाली पार्टी के प्रवक्ताओं ने जिस तरह से चुनावों के दौरान बयान दिए, उसका असर उलटा हुआ। अब इससे सीख लेते हुए साइकल वाली पार्टी ने अपने प्रवक्ताओं को किसी भी जाति विशेष या धर्म विशेष के खिलाफ टिप्पणी न करने की सलाह दी है। साथ ही मुद्दों और नीतियों पर ही आक्रमक रुख अपनाने का भी संदेश दे रहे है। अब चर्चा है कि पार्टी की इन नीतियों का पालन नहीं करने वाले एक प्रवक्ता को पार्टी के आधिकारिक वॉट्सऐप ग्रुप से बाहर कर दिया गया है। वहीं, टीवी डिबेट में अक्सर नजर आने वाले दाढ़ी वाले एक और नेताजी को भी थोड़ा संयमित रहने के लिए कहा गया है। अब देखना है कि पार्टी का यह रुख कितना काम आता है। वैसे सत्ताधारी दल के ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर विपक्ष के एक बड़े नेता ने जो बयान दिया है, उसको लेकर भी पार्टी नेताओं को कहा गया है कि वे ज्यादा कोई आक्रमक बयान न दें। अब देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी की यह नीति कितने काम आती है।

स्थापना से कब विस्थापित होंगे साहब

पुलिस महकमे के अराजपत्रित कर्मियों को इधर से उधर स्थापित करने वाली इकाई के साहब की विदाई का महकमे में जोर-शोर से इंतजार किया जा रहा है। दरअसल, साहब की छवि ईमानदार और कड़क अधिकारी की है। साहब लंबे-लंबे समय से जमे स्थापितों को नियमानुसार विस्थापित करने के मामले में काफी सख्त रहे। साहब के यहां किसी की चल भी नहीं रही थी। हाल ही में साहब को केंद्र में तैनाती मिल गई है। लेकिन साहब की विदाई कुछ कारणों के चलते अटकी हुई है। अब महकमे के दो धड़े है जो उनके विदा होने का इंतजार कर रहे है। पहले तो वे है जिन्हें फिर से स्थापना में दखल का दम मिलने की उम्मीद है। वहीं, दूसरे वे अफसर है जो इस खाली होने वाली मजबूत कुर्सी की चाह में है। महकमे में तैनाती को लेकर नाम भी चलने लगे है। खासतौर से साफ और ईमानदार छवि रखने वाले अफसरों का नाम टॉप पर है। क्योंकि इस सरकार में अभी तक इस कुर्सी पर उन्हें ही तैनाती मिली है जिनका इमेज के मामले में मामला कुछ ज्यादा ही कड़क रहा है। वहीं, इमेज के बजाए जुगाड़ में महारत रखने वाले अफसरों ने अपनी परिक्रमाएं इस उम्मीद से बढ़ा दी है कि अपना टाइम आएगा।

जनगणना के लिए इस बार मिलेगा ज्यादा मानदेय

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : देश-प्रदेश में डेढ़ दशक बाद होने जा रही जनगणना में इस बार कर्मचारियों को मानदेय भी लगभग छह गुना ज्यादा मिलेगा। केंद्र ने प्रगणक से लेकर स्टेट नोडल अफसर तक के मानदेय में भारी बढ़ोतरी की है। प्रगणक एवं सुपरवाइजर को दो चरण मिलाकर करीब 25 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। केंद्र ने यूपी सहित सभी राज्यों को इसके लिए आदेश एवं बजट जारी करने के निर्देश दिए हैं।

> प्रगणक व सुपरवाइजर को पहले चरण में ₹9 हजार, दूसरे में ₹16 हजार मिलेंगे, छह गुना बढ़ा मानदेय

इस बार जनगणना में पहले चरण में हाउसिंग सर्वे के लिए 9 हजार रुपये और दूसरे चरण में जनगणना में 16 हजार रुपये मानदेय मिलेगा। 2011 में यह दर क्रमशः 1,500 रुपये और 3,300 रुपये थी। जनगणना पूरी तरह से डिजिटल होगी। प्रगणक और सुपरवाइजर को डेटा कलेक्शन के लिए अपने ही मोबाइल फोन का उपयोग करना होगा। साथ ही ब्लॉक के विनिर्ट के लिए कोई अलग से टीए/डीए नहीं दिया जाएगा।

नोडल अफसर का भी मानदेय बढ़ा

स्टेट नोडल ऑफिसर को जनगणना कार्य के लिए पहले चरण यानी हाउसिंग सर्वे के दौरान 30 हजार और दूसरे चरण में लोगों की गिनती के लिए 45 हजार रुपये मिलेंगे। यानी करीब 75 हजार रुपये मानदेय मिलेगा। राज्य स्तर पर अधिकतम 5 और अधिकारियों को भी इसके लिए लगाया जा सकेगा जो स्टेट नोडल ऑफिसर के निर्देशन में काम करेंगे। इन्हें दोनों चरणों को मिलाकर 30 हजार रुपये मानदेय के रूप में मिलेगा। प्रमुख जनगणना अधिकारी, सह प्रमुख जनगणना अधिकारी आदि को 60 हजार रुपये, जिला, शहर जनगणना अधिकारी को 45 हजार रुपये और सब डिविजन ऑफिसर, चार्ज ऑफिसर को दोनों चरणों को मिलाकर 45 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। चार्ज ऑफिस में जनगणना क्लर्क को पहले चरण के लिए 12 हजार और दूसरे चरण के लिए 18 हजार रुपये यानी कुल 30 हजार मानदेय दिया जाएगा।

दफ्तर के खर्च के लिए भी मिलेगा बजट : जनगणना के लिए दफ्तर के संचालन में किए जाने वाले खर्च का भी निर्धारण कर दिया गया। कंप्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट आदि इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए राज्य स्तर पर 10 लाख रुपये, जिला स्तर पर 5 लाख रुपये और चार्ज स्तर पर 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। वाहन किराया, पेट्रोल-डीजल और आकस्मिक खर्चों के लिए भी प्रावधान किया गया है। 15 जनवरी तक जनगणना ड्यूटी के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों के नाम तय करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

प्रशिक्षण भत्ता हुआ ढाई गुना

यूपी में जनगणना में करीब 5 लाख कर्मचारी लगाए जाएंगे। इन सबको जनगणना की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि का भी भत्ता लगभग ढाई गुना बढ़ा दिया गया है। 2011 में प्रगणक को 250 रुपये प्रशिक्षण भत्ता मिलता था। अब इसे बढ़ाकर 600 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है। स्टेट व डिविजनल ऑफिसर को 900 रुपये व जिला स्तर के अधिकारियों को 650 रुपये भत्ता दिया जाएगा। मास्टर ट्रेनर व फील्ड ट्रेनर को 1,800 रुपये प्रतिदिन मिलेंगे।

जिसने कानून को ठेंगा दिखाया, उसका गिरेबान पकड़ा : योगी

पुलिस मंथन में कहा-जनता दर्शन से पता चलती है ज़मीनी हकीकत

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : हमने किसी का चेहरा नहीं देखा, किसी की जाति नहीं देखी, किसी का मत और मजहब नहीं देखा। लेकिन जहां किसी ने कानून को ठेंगा दिखाने का प्रयास किया, कानून ने उसको उसी तरह से उसका गिरेबान पकड़ने का काम किया है। कोई व्यक्ति महाकाल का शिकार क्यों होता है? क्योंकि वह काल का ध्यान नहीं देता। ये बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पुलिस हेडक्वॉर्टर में आयोजित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन 'पुलिस मंथन-2025' के समापन समारोह में कही।

सीएम ने पुलिस मंथन के अभिनव प्रयास के लिए डीजीपी राजीव कृष्ण व उनकी टीम को बधाई दी और कहा कि इसे प्रैक्टिस में शामिल करते हुए हर वर्ष आयोजित करें। सीएम ने कहा कि पुलिस मंथन केवल चर्चा का मंच नहीं, बल्कि नीति निर्माण और क्रियान्वयन का आधार है। स्मार्ट पुलिसिंग और 'विजन 2047 विकसित-आत्मनिर्भर भारत' के लिए कैसी पुलिस चाहिए, उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दो दिन में रोडमैप तैयार किया गया। पुलिस मंथन अलग-अलग क्षेत्र में नवाचार, समसामयिक चुनौतियों से जूझने व उसकी रणनीति तैयार करने पर आधारित था।

मुख्यालय पर बैठकर पुलिसिंग नहीं होती : सीएम ने पुलिस अफसरों से कहा कि ह्यूमन इंटेलिजेंस हम सबका सबसे बड़ा हथियार है, इसका बेहतर उपयोग कर सकते है। त्योहारों पर पीस कमिटी की बैठक बुलाते है, लेकिन अन्य अवसरों पर भूल जाते है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधि अहम कड़ी है। महीने में उनके साथ बैठें। कोई भी जनप्रतिनिधि गलत काम के लिए नहीं बोलता है। उन्हें वास्तविक स्थिति से अवगत करवाएं, उनका फोन रिसीव करें। साथ ही समाज के अलग-अलग पृष्ठभूमि (धर्माचार्यों, उद्यमियों, व्यापारियों) से भी संवाद करें। इससे धरातल की हकीकत पता चलेगी। केवल मुख्यालय पर बैठकर पुलिसिंग नहीं हो सकती।

महिला बीट अधिकारियों को स्कूटी मिले : सीएम ने वर्ष 2020 में शुरू हुए मिशन शक्ति के सफलतम रिजल्ट का जिक्र किया। इसके पांचवें संस्करण की सफलता, महिला व बाल सुरक्षा, मानव तस्करी से जुड़ी चुनौतियों से जुड़े सत्र की भी बात की। सीएम ने कहा कि मिशन शक्ति से जुड़ी जो महिला बीट अधिकारी है, उनका भी ध्यान देना होगा। उन्हें स्कूटी उपलब्ध हो। इसी तरह बीट कॉन्स्टेबल को भी बाइक उपलब्ध करवाने के लिए कहा ताकि वे साधनों के लिए अनुचित साधनों का प्रयोग न करें। इस दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, निदेशक एसपीजी आलोक शर्मा, पुलिस महानिदेशक (कारागार) पीसी मीणा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस मंथन 2025 के आखिरी दिन रविवार को सीएम योगी ने पुलिस हेडक्वॉर्टर में अधिकारियों को संबोधित किया।

टॉप ट्रेंड में रहा #यूपी_पुलिस_मंथन

हैशटैग #यूपी_पुलिस_मंथन रविवार को X पर विश्व स्तर पर टॉप ट्रेंड में रहा। यह हैशटैग 28 दिसंबर को शाम 5:30 बजे लिस्टेड हुआ और कुछ ही मिनटों में नंबर-1 पर पहुंच गया। शाम 5:45 बजे से रात 8:45 बजे तक यह विश्व के ट्रेंडिंग लिस्ट में टॉप-5 में शामिल रहा। इस दौरान हैशटैग पर 47 हजार से अधिक ट्वीट्स किए गए, जिन्हें लगभग 38.6 मिलियन की रीच, 2.46 लाख व्यूज और 1.78 बिलियन इंप्रेशन मिले।

पुलिस मंथन

आपको काम करने की स्वतंत्रता दी

सीएम ने कहा कि हमने प्रयास किया कि राजनीतिक हस्तक्षेप न्यूनतम रहे। अब औसतन पुलिस अधिकारी न्यूनतम दो साल तक जिले-रेंज में सेवा देते है, पिछले आंकड़े बताते है कि पहले एक महीने, तीन-चार महीने या कुछ ही दिन में स्थानांतरण हो जाता था। उन्होंने कहा कि अच्छे पुलिस अधिकारी का तबादला होता है तो लोग सिफारिश करते है कि अच्छा अधिकारी था, लेकिन जब गलत व्यक्ति को हटाया जाता है तो पब्लिक हमें धन्यवाद देती है कि इस बला को टाल दिया।

लोगों की शिकायतों से जमीनी हकीकत पता चलती

सीएम ने अफसरों से थाना प्रबंधन के सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि यह हमारी नींव है। आमजन के प्रति हमारा व्यवहार केवल संवेदनशीलता को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि ह्यूमन इंटेलिजेंस का भी माध्यम बनता है। मेरे पास जो भी सूचना आती है, अधिकतर की हकीकत ह्यूमन इंटेलिजेंस से ही पता चलती है। 'जनता दर्शन' में मैं इसलिए ही नियमित रूप से जाता हूं। फरियादी सिर्फ शिकायत नहीं करता, बल्कि उसके प्रार्थना पत्र और पीड़ा को देख जमीनी हकीकत का पता चलता है।

यूपी के प्रति धारणा बदल दी गई

सीएम ने कहा कि 2047 तक भारत विकसित व आत्मनिर्भर हो, इसमें केवल केंद्र सरकार ही नहीं, बल्कि राज्य सरकारों की भी भूमिका है। हमने यूपी के प्रति लोगों की धारणा बदली है। हर व्यक्ति को कानून के दायरे का अहसास करवाया, इसलिए अब हर व्यक्ति मानता है कि यूपी में परिवर्तन हुआ है। देश के 55% एक्सप्रेसवे यूपी में है। ये सभी पिछले साढ़े 8 साल में तैयार किए गए है। यूपी में एयर कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा नेटवर्क है।

अफसरों ने पेश किया इनोवेशन का विज़न

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : 'पुलिस मंथन-2025' का रविवार को समापन हो गया। आखिरी दिन चार अहम विषयों पर प्रेजेंटेशन हुआ। इसमें आपदा प्रबंधन से लेकर आतंकवाद और संगठित अपराध तक की चुनौतियों पर चर्चा की गई।

आपदा प्रबंधन और सिविल डिफेंस : नोडल अधिकारी डी.के. ठाकुर (DG नागरिक सुरक्षा/UPSSF) के नेतृत्व में पैनल ने जलवायु परिवर्तन, बढ़ते शहरीकरण से पैदा होने वाले जोखिमों पर चर्चा की। प्रेजेंटेशन में 'इंसिडेंट कमांड सिस्टम (ICS)' लागू करने की जरूरत बताई गई।

बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन : प्रवीण कुमार, आईजी रेंज अयोध्या के पैनल ने धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण की चुनौतियों पर प्रेजेंटेशन दिया। इसमें AI आधारित तकनीकों के उपयोग से बेहतर योजना और आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के उपाय बताए गए।

इंटेलिजेंस और चुनौतियां : भगवान स्वरूप, अपर पुलिस महानिदेशक अभिसूचना के पैनल ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग, डार्क वेब और आतंकी नेटवर्क पर चर्चा की। धार्मिक कन्वर्जन रैकेट और सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार रोकने के लिए भविष्य की कार्ययोजना पेश की गई।

आतंकवाद, मादक पदार्थ और संगठित अपराध : अमिताभ यश, अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था के पैनल ने पाकिस्तान, बांग्लादेश व नेपाल से जुड़ी सीमाओं पर बढ़ते आतंकवाद के नए आयामों पर प्रकाश डाला। अंतरराष्ट्रीय सीमा निगरानी को मजबूत करने, AI और वित्तीय ट्रेल के जरिए धर्मांतरण रैकेट रोकने के लिए रणनीति बताई।

इनका हुआ सम्मान

वर्ष 2022
- डीआईजी रेंज (मुरादाबाद) अलीगढ़ प्रभाकर चौधरी
- इंस्पेक्टर इंटेलिजेंस दिनेश कुमार डाड़ियाल
- एसपी इंटेलिजेंस विनय चंद्रा
- इंस्पेक्टर मनु चौधरी यूपीसीसीएल गाजियाबाद
- इंस्पेक्टर रविंद्र प्रताप सिंह

वर्ष 2023
- डीआईजी रेंज आगरा शैलेश कुमार पांडेय
- विशाल सचारी (सीतापुर)
- हेड कॉन्स्टेबल मनोज चिकारा (गौतमबुद्धनगर)
- एसपी एसटीएफ विशाल विक्रम सिंह
- महिला कॉन्स्टेबल शैलेश कुंतल
- इंस्पेक्टर

वर्ष 2024
- एसएसपी बरेली अनुराग आर्य
- सिंह
- हेड कॉन्स्टेबल एसटीएफ अरुण कुमार
- डिप्टी एसपी विमल कुमार

वर्ष 2025
- एसपी संभल कृष्ण कुमार
- कॉन्स्टेबल प्रियांशी प्रजापति (कमिश्नरेट आगरा)
- डिप्टी एसपी प्रमेश शुक्ला

इन्होंने भी रखी बात

- प्रकाश डी., अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे: राजकीय रेलवे पुलिस के इनोवेशन
- सोनम कुमार, DCP ट्रैफिक आगरा: Police Inventory Portal
- अभिमन्यु मांगलिक, SP भदोही: जमानतदार वेरिफिकेशन
- अंकित शर्मा, SP कासगंज: ऑपरेशन जागृति
- सागर जैन, SP ग्रामीण सहारनपुर: राजपत्रित अधिकारियों की डेटाबेस आधारित रैंकिंग
- अमृत जैन, SP ग्रामीण अलीगढ़: धारा 107 BNS के प्रयोग से जुड़े इनोवेशन

चेक मीटर रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग : परिषद

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : स्मार्ट प्रीपेड मीटर ठीक चल रहे है या नहीं, इसकी जांच के लिए लगाए गए चेक मीटर की रिपोर्ट सार्वजनिक न करने पर उपभोक्ता परिषद ने सवाल खड़े किए हैं। परिषद ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार के निर्देशों के बावजूद चेक मीटरों की मासिक रीडिंग और मिलान रिपोर्ट न तो सार्वजनिक की गई है और न ही सेंट्रल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड को भेजी गई है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि 22 दिसंबर तक कुल 56,82,784 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके है। इनके सापेक्ष 3,76,596 चेक मीटर लगाए गए है। चेक मीटर का उद्देश्य स्मार्ट मीटरों की सटीकता और पारदर्शिता तय करना था। लेकिन आज तक इन मीटरों की मासिक रीडिंग और विश्लेषण रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। परिषद ने कहा कि आरडीएसएस और ऊर्जा मंत्रालय ने निर्देश दिए थे कि चेक मीटरों की रीडिंग हर महीने ली जाए, मीटर से मिलान किया जाए और रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाए। यह प्रक्रिया उपभोक्ताओं का भरोसा कायम रखने के लिए अनिवार्य थी।

जनवरी में 2.33% कम आएगा बिजली बिल

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : नए साल की शुरुआत में प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। जनवरी में बिजली उपभोक्ताओं को 2.33% कम बिजली बिल जमा करना होगा। पावर कॉर्पोरेशन ने ईंधन अधिभार शुल्क को लेकर नया आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत अक्टूबर के ईंधन अधिभार का समायोजन जनवरी 2026 में किया जाएगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने कहा कि इससे उपभोक्ताओं को लगभग 141 करोड़ रुपये का सीधा लाभ मिलेगा।

> उपभोक्ताओं को ₹141 करोड़ कम देना होगा बिजली बिल

नहीं होनी चाहिए बढ़े हुए ईंधन अधिभार की वसूली

सितंबर का ईंधन अधिभार दिसंबर में 5.56% की दर से वसूला गया था, जिससे उपभोक्ताओं पर करीब 264 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि वर्तमान में उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ रुपये का सरप्लस बिजली कंपनियों के पास जमा है। इसके अलावा चालू वित्तीय वर्ष में लगभग 18,592 करोड़ रुपये और जुड़ने की संभावना है। इस तरह कुल सरप्लस 51 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक यह सरप्लस उपलब्ध है, ईंधन अधिभार शुल्क के नाम पर कोई वसूली नहीं होनी चाहिए। केवल सरप्लस खत्म होने या कमी की स्थिति में ही उपभोक्ताओं से अधिभार लिया जाए।

आने वाले महीनों में राहत की उम्मीद

परिषद ने कहा कि प्रदेश में ट्रांसमिशन डिमांड बेस्ड टैरिफ लागू हो चुका है और नई बिजली दरें प्रभावी है। ऐसे में आने वाले महीनों में भी ईंधन अधिभार शुल्क में कमी जारी रहने की संभावना है। यह उपभोक्ताओं के हित में एक सकारात्मक संकेत है और बिजली बिलों में स्थिरता लाने में मदद करेगा।

AI Image

कांग्रेस 30 रैलियों से जनता को जागरूक करेगी : अविनाश

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : कांग्रेस आने वाले 100 दिनों में 'संविधान संवाद' कार्यक्रम के जरिए प्रदेशभर में 30 रैलियां कर जनता को जागरूक करेगी। बीजेपी सरकारों की कार्यप्रणाली के खिलाफ चौपालें, महापंचायतों और सम्मेलनों का आयोजन भी होगा। पार्टी की विचारधारा से प्रतिबद्ध कैडर को इस लड़ाई में मजबूत भूमिका का निर्वहन करने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर प्रदेश मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान पार्टी के महासचिव व यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को यह जानकारी दी।

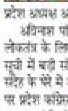

अविनाश पांडेय ने SIR के नाम पर हो रही वोट चोरी को लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटा जा रहा है जो संदेह के घेरे में आता है। कांग्रेस की स्थापना के 140 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर अविनाश पांडेय व अजय राय ने महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

फटाफट खबरें

SIR में किसी का नाम नहीं काटा गया : पाठक

■ लखनऊ : डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को दावा किया कि SIR प्रक्रिया में किसी एक का भी नाम नहीं काटा गया। रविवार को बदायूं पहुंचे पाठक ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 66वें ब्रज प्रांत अधिवेशन में हिस्सा लिया। उन्होंने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सपा के लोग संसद और विधानसभा में वंदेमातरम् का विरोध करते है और वंदेमातरम् गाने पर उनके होठ सिल जाते है। पाठक ने कहा कि उन्होंने सत्र के दौरान इस बात को मजबूती के साथ सदन में रखा। (इनपुट : भाषा)

शिक्षकों को अब भी चयन वेतनमान का इंतज़ार

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : शिक्षकों के चयन वेतनमान की प्रक्रिया एक साल पहले ऑनलाइन कर दी गई। इसके बावजूद शिक्षकों को चयन वेतनमान का इंतजार है। प्रदेश के 175 ब्लॉक ऐसे है, जहां किसी शिक्षक का चयन वेतनमान नहीं लगा। चयन वेतनमान के लिए महानिदेशक मोनिका रानी भी निर्देश दे चुकी है। फिर भी ब्लॉक स्तर पर कार्यवाही लटकी है। बीईओ के स्तर से प्रक्रिया लटकी है। लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, संभल, बस्ती सहित कई जिले ऐसे है, जहां कई ब्लॉक में अब तक शिक्षकों को चयन वेतनमान नहीं मिला। लखनऊ के मलिहाबाद, सरोजनी नगर, मोहनलालगंज और नगर क्षेत्र के जोन चार के शिक्षक शिकायत भी कर रहे है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही।

बौद्ध सर्किट में 9 महीने में आए 61 लाख पर्यटक

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : यूपी का बौद्ध सर्किट भी पर्यटकों को लुभा रहे है। इस साल सितंबर तक प्रदेश के बौद्ध स्थलों पर 61.15 लाख पर्यटक आए है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आने वाले पर्यटकों में 58.44 लाख घरेलू और 2.71 लाख विदेशी पर्यटक शामिल है। सबसे ज्यादा 23.19 लाख पर्यटक कौशांबी और इसके बाद 18.60 लाख से अधिक पर्यटक कुशीनगर में आए जो तथागत बुद्ध की परिनिर्वाण स्थली है। इसमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 1.88 लाख से अधिक रही। सारनाथ में 17.75 लाख पर्यटकों ने भ्रमण किया जिसमें 64 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक थे।

अस्थायी जमीन आवंटन पर अखिलेश बरसे

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : माघ मेले में अस्थायी भूमि आवंटन को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार और अधिकारियों पर निशाना साधा है। सपा मुखिया ने कहा कि किसी एक की सत्ता का अहंकार-अभिमान सच्चे साधु-संतों के मान-सम्मान से बड़ा नहीं हो सकता है। जो अपने लिए भूमि पर स्थायी कब्जा करके बैठे है वो धर्म के काम के लिए किसी और को अस्थायी भूमि तक का आवंटन नहीं करने देना चाहते है। ये सदियों से चली आ रही परंपरा का घोर अपमान है। कुंभ और माघ मेले की यह स्वस्थ परंपरा रही है कि इस पुण्य कार्य के आयोजन के लिए अधिकारी साधु-संतों का आशीर्वाद लेते है लेकिन वर्तमान भाजपा राज में हालात ऐसे हो गए है कि साधु-संतों को अधिकारियों के आगे जमीन पर लेटकर गिड़गिड़ाना पड़ रहा है।

आखिर क्या है जातीय बैठकों पर सियासी जंग की वजह?

Deep.Singh@timesofindia.com

भाजपा के अंदर चल रहे 'पावर शो' पर गरमाई यूपी की सियासत

■ लखनऊ : पहले ठाकुर विधायकों की बैठक। उसके बाद कुर्मी नेताओं की जुटान और फिर ब्राह्मण विधायकों की बैठक। यूपी बीजेपी के अंदर इस 'पावर शो' के बाद सियासी पारा इतना चढ़ा कि प्रदेश अध्यक्ष को चेतावनी जारी करनी पड़ी। विरोधियों को भी मौका मिला तो वे भी इस सियासत में कूद गए और भाजपा पर हमलावर हो गए। इसके बावजूद भाजपा में 'पावर शो' रुकने का नाम नहीं ले रहा। पार्टी के अंदर ही जाति और क्षेत्र के नाम पर अपनी-अपनी ताकत दिखाने का दौर जारी है। अब इसको लेकर सवाल उठ रहे है कि आखिर भाजपा के अंदर इस 'पावर शो' की वजह क्या है? इन जातीय बैठकों पर भाजपा और विपक्ष के बीच इतनी जंग क्यों छिड़ी है?

टॉकिंग पॉइंट

ऐसे शुरू हुआ 'पावर शो'

पार्टी के अंदर 'पावर शो' तब चर्चा में आया जब विधानमंडल के मॉनसून सत्र के दौरान कुंदरकी विधायक राम वीर सिंह की अगुआई में लखनऊ में ठाकुर विधायकों की बैठक हुई। उसके बाद कल्याण सिंह और अवंतीबाई लोधी के नाम पर लोध नेताओं की और फिर जन्मदिन आयोजन के नाम पर कुर्मी नेताओं की जुटान हुई। हाल ही में विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान लखनऊ में कुशीनगर विधायक के सरकारी आवास पर ब्राह्मण विधायकों की बैठक और भोज हुआ। इस आयोजन पर विपक्ष को मौका मिला तो बयानबाजी तेज हो गई। इस पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधायकों को चेतावनी दे डाली। इसी दौरान खुद उनके ही स्वागत के लिए पश्चिम क्षेत्र की ओर से एक समारोह आयोजित किया गया लेकिन उसमें क्षेत्रीय अध्यक्ष और पश्चिम के कई बड़े नेता नहीं दिखे। चेतावनी के बावजूद एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने अपने आवास पर धोबी समाज की बैठक कर डाली।

यह है घमासान की बड़ी वजह

विधानसभा चुनाव 2027 में है। इससे पहले 2024 में भाजपा को यूपी में बड़ा झटका लगा था। यह बात सामने आई कि विपक्ष के PDA कार्ड के कारण भाजपा से ओबीसी और खासकर कुर्मी वोटर खिसक गए। यही वजह है कि भाजपा में इन जातियों को तवज्जो दी जा रही है। ऐसे में सवर्णों को लग रहा है कि उनको अहमियत नहीं मिल रही। इसलिए वे अपनी अहमियत दर्ज करवाना चाहते है। उधर, विपक्ष को यह एक मौका दिख रहा है। हाल के बिहार चुनाव के नतीजे भी सबके सामने है। विपक्षी नेताओं ने दलित और ओबीसी पर फोकस किया और सवर्णों के खिलाफ बयानबाजी की थी। विपक्ष बिहार से सबक लेते हुए सवर्णों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहता है। भाजपा के अंदर का घमासान उसे मौका नजर आ रहा है। उधर, भाजपा अभी तक यह समझती रही है कि सवर्ण उसका कोर वोटर है। वह तो उसके साथ रहेगा ही। ऐसे में सवर्णों की बैठकों से भाजपा को भी यह खतरा सता रहा है कि यह कोर वोटर चला गया तो और मुश्किल हो सकती है।

विपक्ष ने साधा निशाना

भाजपा की इन बैठकों के सामने विपक्ष ने चुटकी लेना शुरू कर दिया। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने ब्राह्मणों को अपनी पार्टी में आने का न्योता दे दिया। कहा कि हमारे यहां समाजवाद है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा में मचे आपसी घमासान का कारण ऊपरी तौर पर भले कोई विद्रोही बैठक हो पर असल कारण यह है कि भाजपा विधायकों के बीच यह खबर पहले ही आ चुकी है कि SIR में 2.89 करोड़ नाम कट गए है। इस पर भाजपा की ओर से भी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सहित कई नेताओं के बयान आए। उन्होंने अखिलेश पर हमला बोला।

प्रदेश अध्यक्ष की चेतावनी भी चर्चा में

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अब इन बैठकों पर चेतावनी दे रहे है। इसके बाद से यह चेतावनी भी चर्चा में है। कहा जा रहा है कि वह खुद पहले इस तरह की बैठकों का हिस्सा रहे है। चर्चा यह भी हो रही है कि उनको यह पद इसी जातीय समीकरणों के आधार पर दिया गया है।

अपनी जगह सुरक्षित करने की कवायद

दरअसल, भाजपा में लंबे इंतजार के बाद प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो गया है। अब प्रदेश कार्यकारिणी चुनी जानी है। इसमें अपनी जगह बनाने की भी जोर आजमाइश अभी से शुरू हो चुकी है। नई कार्यकारिणी के साथ ही मंत्रिमंडल में बदलाव की चर्चाएं भी लंबे समय से है। संगठन के कुछ लोग मंत्रिमंडल में जाएंगे और मंत्रिमंडल से कुछ लोग संगठन में आ सकते है। ऐसे में हर कोई अपनी जगह सुरक्षित करना चाहता है। यही वजह है कि नेता इस 'पावर शो' के जरिए अपना कद दिखाने की कोशिश कर रहे है।

CCI NG 3.7 Product: NBTLucknowBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: NBTLPG3 User: pratik.awasthi Time: 12-29-2025 00:43 Color:

2025 शहर के लिए हरियाली का बरस रहा। रिवर फ्रंट की तर्ज पर कुकरैल नदी के दोनों तटों के 8 KM के रूट को ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है। -p4

साइबर जालसाजों ने 2025 में 35 लोगों को डिजिटल अरेस्ट किया। इन मामलों में 95% रिटायर्ड अधिकारियों को शिकार बनाया गया। -p5

154 रहा लखनऊ का AQI रविवार को, जो मॉडरेट है।

1915 पर दुकानदार या कंपनी से संतुष्ट न होने पर ग्राहक शिकायत दर्ज करवा सकते हैं

अवध चौराहे पर आज से रहेगा डायवर्जन

अंडरपास के सेकंड फेज का काम होगा शुरू

■ NBT न्यूज, लखनऊ : अवध चौराहे पर अंडरपास निर्माण के सेकेंड फेज का काम सोमवार से शुरू हो रहा है। निर्माण कार्य के चलते ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है, जो काम खत्म होने तक प्रभावी रहेगा समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। आपात स्थिति में ट्रैफिक के कंट्रोल रूम नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

■ बंगला बाजार से वाहन अवध चौराहे के बजाए खजाना मार्केट और आशियाना चौराहा होकर जा सकेंगे

■ सीतापल्ली तिराहा से वाहन अवध चौराहे के बजाए बंगला बाजार चौराहा होकर जा सकेंगे।

■ आजाद नगर तिराहे से वाहन पकरी पुल तिराहे से वाया बंगला बाजार होकर गुजरेंगे।।

शहर के बाहर से आने वाले वाहन

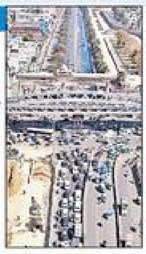

■ कानपुर से आने वाले वाहन किसान पथ पर डायवर्ट किए जाएंगे। नादरगंज कमर्शल मोड़ से वाहन दरोगा खेड़ा से किसान पथ की ओर जाएंगे। रोडवेज बसें वाया शहीद पथ उतरेठिया, तेलीबाग और बंगला बाजार होकर गुजरेंगी

■ आगरा एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहनों को मौदा मोड़ जीरो पॉइंट, खुशहालगंज होकर किसान पथ की ओर डायवर्ट किया जाएगा। तिकोनिया तिराहे, आशीर्वाद ट्रेडर्स के सामने डायवर्जन पॉइंट से वाहन नहर तिराहा, आगरा एक्सप्रेस-वे, जीरो पॉइंट, खुशहालगंज मार्ग होकर किसान पथ की ओर से जा सकेंगे।

■ हरदोई की तरफ से छंदोइया, दुबग्गा, बुद्धेश्वर पुल से होकर शहर में आने वाले सभी प्रकार के भारी वाहनों को तिकोनिया, आशीर्वाद ट्रेडर्स कट से शकुंतला विश्वविद्यालय, नहर तिराहा जीरो पॉइंट से होकर खुशहालगंज होते हुए किसान पथ पर डायवर्ट किया जाएगा।

■ सीतापुर से लखनऊ आने वाले सभी प्रकार के भारी वाहनों को इंदौरा अंडरपास यू-टर्न पॉइंट से डायवर्ट कर किसान पथ की ओर चढ़ाया जाएगा।

4 दिन बंद रहेगा अमीनाबाद का थोक दवा बाजार

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : अमीनाबाद में दवा का थोक बाजार अगले चार दिनों के लिए बंद रहेगा। यह निर्णय दवा व्यापार मंडल (गिरिराज) ने लिया है। व्यापारियों की ओर से बंदी की सूचना डीएम को लिखित रूप से दे दिया है।

दवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुरेश कुमार ने बताया कि व्यापारी पिछले डेढ़ दशक से परिवार के साथ शीतकालीन अवकाश मनाते हैं। यह अवकाश 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक होता है। इस दौरान स्कूलों की भी छुट्टी होती है, जिससे दवा व्यापारी अपने बच्चों के साथ समय बिता सकते हैं। महामंत्री संजीव अग्रवाल ने बताया कि इस साल नकली दवा व कई स्थितियां उत्पन्न हो गई थी, जिसके चलते दवा बाजार बंद करने को लेकर ऊहापोह की स्थिति थी। इस समस्या को देखते हुए संगठन की ओर से सभी दवा व्यापारियों से छुट्टी के संबंध में फीडबैक लिया गया। फीडबैक में 90% दवा व्यापारियों ने बंदी को लेकर सहमति दे दी है। उनकी सहमति के बाद व्यापारियों के इस छुट्टी संबंधित पत्र को शहर के ड्रग कंट्रोलर और डीएम को भेज दिया गया है।

दवा व्यापार मंडल की ओर से बंदी की सूचना डीएम को दी

हाथीखाना, भूसामंडी में नहीं आएगी बिजली

■ NBT न्यूज, लखनऊ: हाथीखाना के पास रखे ट्रांसफॉर्मर में मरम्मत कार्य के चलते सोमवार को आसपास के इलाकों के साथ भूसामंडी, चरस मंडी, फतेहगंज, गल्लामंडी, नेहरू गंज आदि इलाकों में सुबह 10 से शाम पांच बजे तक बिजली बंद रहेगी। लेसा सेंट्रल जोन के इंजिनियरों के मुताबिक बिजनेस प्लान-2025-26 के तहत हाथी खाना के पास मरम्मत के काम करवाए जा रहे हैं, जिस कारण संबंधित क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

Sunil Kumar Raidas

शहर में आज

● विद्यालय प्रबंधक महासंघ की ओर से नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम, ठाकुर पब्लिक स्कूल, जानकीपुरम, दोपहर 12 बजे।

● आरएसएस की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर नाटक सप्त गंगा के तीन भगीरथ का मंचन, कलामंडपम प्रेक्षागृह, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के सामने, कैसरबाग, शाम 5:30 बजे।

● सवेरा फाउंडेशन की ओर से लोक नाट्य प्रस्तुति धनुष यज्ञ का मंचन, बौद्ध शोध संस्थान प्रेक्षागृह, गोमती नगर, शाम 6:45 बजे।

शहर में हो रहे कार्यक्रम की जानकारी हमें भेजें nbtreader@timesofindia.com

अवैध दुकानों और अव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था से चौपट हुआ चौक

जाम में ठिठुरे

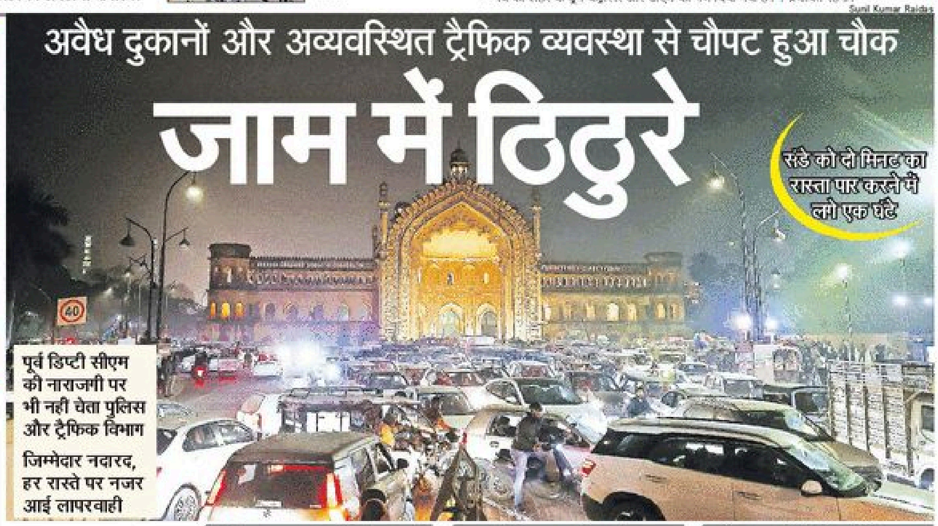

पूर्व डिप्टी सीएम की नाराजगी पर भी नहीं चेता पुलिस और ट्रैफिक विभाग

जिम्मेदार नदारद, हर रास्ते पर नजर आई लापरवाही

■ NBT न्यूज, लखनऊ : पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा की फ्लीट शनिवार शाम चौक चौराहे पर ट्रैफिक जाम में फंस गई थी। पूर्व डिप्टी सीएम ने रोज लगने वाले जाम की वजह से नाराजगी जताई थी। इसके बावजूद भी स्थानीय पुलिस और ट्रैफिक विभाग की रविवार को भी लापरवाही देखने को मिली। रविवार छुट्टी की शाम भी वाहन चालकों को जाम में फंसकर घंटों परेशान होना पड़ा। कोनेश्वर चौराहे से चौक चौराहे तक पहुंचने में वाहन चालकों को करीब एक घंटे का समय लग गया। इस तरह रूमी गेट से हुसैनाबाद तक सैकड़ों वाहनों की कतारें लगी रहीं। शाम करीब 6:33 बजे ऐंबुलेंस (यूपी 32 एफजी 2638) रूमी गेट के सामने फंस गई। ऐंबुलेंस के पीछे पुलिस इंटरसेप्टर कार (यूपी 32 बीजी 6253) भी वाहनों के बीच फंसी रही। हुसैनाबाद की ओर से आ रही इंटरसेप्टर कार के चालक ने रूमी गेट की ओर लगे अस्थायी डिवाइडर से यू-टर्न लेने के लिए करीब 5 मिनट इंतजार किया, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों की वजह से वह गाड़ी मोड़ नहीं सका। रूमी गेट से हुसैनाबाद जाने वाले रोड पर गाड़ियां इस कदर फंस गई थी कि लोगों ने जरा सी जगह मिलने पर लाजपतनगर कॉलोनी में अपने वाहन घुसा दिए, जिससे कॉलोनी के रास्ते भी बुरी तरह से जाम हो गए। इसके अलावा घंटाघर चौराहे पर ई-रिक्शों के झुंड की वजह से ट्रैफिक की रफ्तार थम गई।

ई-रिक्शा चालक करते हैं मनमानी

चौक, घंटाघर और हुसैनाबाद में ई-रिक्शा चालकों की भरमार है। रविवार शाम चौक चौराहे पर 20, घंटाघर चौराहे 23 और रूमीगेट से हुसैनाबाद के बीच दोनों मार्गों पर करीब 30 ई-रिक्शे गुजरते नजर आए। चालक बीच मार्ग पर रिक्शा रोक कर सवारियों को उतारते और बैठाते दिखे, जिसकी वजह से पीछे से आने वाले वाहन प्रभावित हुआ और ट्रैफिक की रफ्तार थम गई।

अस्थायी डिवाइडर से थमी रफ्तार

रूमी गेट चौकी के सामने अस्थायी डिवाइडर बनाया गया है। हुसैनाबाद और कुड़ियाघाट से चौक की ओर जाने वाले वाहन चालकों को डिवाइडर पार कर यू-टर्न लेना पड़ता है, जिससे ट्रैफिक प्रभावित होता है। इसी तरह चौक से कुड़िया घाट या रूमी गेट की ओर जाने वाले वाहन चालक डिवाइडर पार कर यू-टर्न लेते हैं, इन वाहनों की वजह से रूमी गेट और कोनेश्वर चौराहे से आनेवाला ट्रैफिक प्रभावित होता है।

अतिक्रमण से रेंगते रहते हैं वाहन

चौक चौराहे, रूमी गेट, मेडिकल कॉलेज चौराहे, कोनेश्वर चौराहे पर रेहड़ी वालों से लेकर दुकानदारों का जबरदस्त अतिक्रमण है। रेस्टोरेंट संचालक और फास्ट फूड विक्रेता भी इसमें पूरा सहयोग देते हैं। दुकानों और शोरूम के सामने डिवाइडर लगाया गया है डिवाइडर के समानांतर लोग वाहन पार्क कर चले जाते हैं। इन वजहों से चौराहा पर करने वाहन चालकों को दिक्कत होती है और जाम बढ़ता चला जाता है।

सड़क पर परोसा जा रहा खाना

चौक चौराहे और हुसैनाबाद घंटाघर से कुछ दूरी पर रेस्टोरेंट संचालक सड़क पर मेज कुर्सी लगाकर खाना परोस रहे हैं। रेस्टोरेंट के सामने और मार्ग के दूसरी तरफ सैकड़ों वाहन पार्क किए जाते हैं, जिसकी वजह से हुसैनाबाद का मार्ग सकरा हो जाता है। अन्य वाहनों को निकलने में परेशानी होती है। ठीक इसी तरह चौक चौराहे पर रेस्टोरेंट और फास्ट फूड के ठेले के सामने पार्क गाड़ियों के कारण रास्ते सकरे हो जाते हैं, जिससे ट्रैफिक प्रभावित होता है जबकि चौराहे पर चौक की दो पुलिस की चौकियां हैं। पुलिस कर्मी अतिक्रमण करने वालों और जाम का कारण बन रहे बेतरतीब पार्क वाहनों को हटवाने की जहमत नहीं उठाते।

लाजपत नगर कॉलोनी में भी रविवार को जाम लगा रहा।

जाम लगने के खौफ से शिफ्ट होता है ट्रैफिक

रूमी गेट से हुसैनाबाद की ओर जाने वाले मार्ग शाम को ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। यही स्थिति चौक और कोनेश्वर चौराहे के बीच रहती है। वाहन चालक ट्रैफिक जाम में फंसने के बजाए चौक और कोनेश्वर चौराहे या रूमी गेट की ओर से गुजरने लगते हैं, जिसकी वजह से चौक और कोनेश्वर चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाता है।

जिम्मेदारों के जवाब गैरजिम्मेदाराना

अरसे से लग रही दुकानें

चौक थाना प्रभारी नागेश उपाध्याय चौक चौराहे पर अतिक्रमण की बात मानने को तैयार नहीं। उनका कहना है कि चौराहे पर दुकानें अरसे से लगती आ रही हैं। उन्होंने जाम का मुख्य कारण खालीसर चौराहे पर ट्रैफिक के नए प्रयोग को बताया। उन्होंने कहा इस वक्त चौक में पर्यटक भी बढ़े हैं।

थाना प्रभारी ठाकुरगंज ओमवीर सिंह का कहना है कि घंटाघर के सामने और हुसैनाबाद में स्ट्रीट फूड विक्रेता और रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अतिक्रमण का जिम्मेदार हुसैनाबाद ट्रस्ट भी है।

ट्रैफिक संभालने का जिम्मा इनका

नागेश उपाध्याय, चौक थाना प्रभारी
दिलीप चौबे, हुसैनाबाद पुलिस चौकी इंचार्ज
कुलदीप, रूमी गेट चौकी प्रभारी
कीर्ति, कोनेश्वर चौकी प्रभारी
राहुल सिंह, चौक चौराहा चौकी इंचार्ज

PMO तक पहुंचा KGMU का 'लव जिहाद' मामला

■ NBT न्यूज, लखनऊ: KGMU से जुड़ा कथित 'लव जिहाद' से जुड़े मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। सूत्रों के अनुसार यह मामला पीएमओ तक पहुंच चुका है। इसके बाद विभिन्न हिंदू संगठनों ने इसे लेकर बड़े आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। पीएमओ को विभिन्न अखबारों की कटिंग के साथ विश्वविद्यालय प्रशासन की कथित लापरवाही और एक विशेष जाति को प्राथमिकता देने के आरोपों से जुड़ी विस्तृत जानकारी भेजी गई है।

KGMU में धर्मांतरण के प्रयास का मामला

NMO ने महानगर संयोजक डॉ. शिवम कृष्णन ने बताया कि केजीएमयू में एक विशेष जाति और समुदाय को बढ़ावा दिया जा रहा है। उनका कहना है कि पैथोलजी विभाग में एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने लंबे समय तक न्याय के लिए प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर लगाए, लेकिन आरोपित रेजिडेंट डॉक्टर के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा पीड़िता को ही दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ा। वहीं, कथित धर्मांतरण के मामले में विहिप के जिला संगठन मंत्री इंजीनियर समरेंद्र प्रताप ने 29 दिसंबर को KGMU गेट नंबर 2 पर बुद्धि-शुद्धि यज्ञ और हनुमान चालीसा के आयोजन की घोषणा की।

'छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाली डॉक्टर को HOD पद से हटाएं'

■ NBT न्यूज, लखनऊ: केजीएमयू में छेड़छाड़ के आरोपों से जुड़े मामले में नया मोड़ आ गया है। अधीनस्थ डॉक्टर का कहना है कि ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने के बाद उनके खिलाफ साजिश के तहत गंभीर आरोप लगाए गए। उन्होंने इसे अपने चरित्र हनन और मानसिक उत्पीड़न का प्रयास बताया है। डॉक्टर ने कुलपति से मांग की है कि आरोप लगाने वाली महिला डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और उन्हें विभागाध्यक्ष पद से हटाया जाए, ताकि वह महिला आयोग में लंबित जांच को प्रभावित न कर सकें।

अधीनस्थ ने कहा, साजिश के तहत लगाए गंभीर आरोप

यह मामला वर्तमान में राज्य महिला आयोग के समक्ष विचाराधीन है, जहां अगली सुनवाई 31 दिसंबर को प्रस्तावित है। दोनों पक्ष आयोग के सामने अपने-अपने साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे। उल्लेखनीय है कि विशाखा कमिटी की जांच रिपोर्ट में मेल डॉक्टर पर लगाए गए सभी आरोप निराधार पाए गए थे।

कोहरा ट्रैप... नहीं खिली धूप

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: बीते दो दिनों से लखनऊवाले ठंड से ठिठुर रहे हैं। रविवार को भी दिसंबर के मिजाज सर्द रहे। सुबह कई इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के छंटने के बाद बादल से आसमान घिरा रहा... सर्द हवा ने गलन बनाए रखी। शहरवासी ठंड से ठिठुरते रहे। विजिबिलिटी 150 मीटर रही। कोहरा और बादल के चलते दिन के पारे में तेजी से गिरावट दर्ज हुई और कोल्ड डे जैसे हालात रहे। दिन का पारा सामान्य से 5.8 डिग्री गिरकर 15.3 डिग्री सेल्सियस हो गया। हालांकि, रात का पारा सामान्य से अधिक ही चल रहा है। बीती रात को पारा 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन और रात के पारे के बीच महज 4.9 डिग्री का फर्क रह गया। इससे ठंड अधिक महसूस हुई।

सर्द हवाओं का रहा असर, दिन का पारा फिर 15 डिग्री पहुंचा

अमौसी स्थित लखनऊ मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि वायुमंडल में स्थिरता के कारण कोहरा ऊपर जाकर ट्रैप हो गया, इसके कारण धूप नहीं खिली और रविवार का दिन सबसे ठंडा रहा। सर्द पछुआ हवाएं लगातार अपना असर दिखा रही हैं। शहर समेत प्रदेश में सोमवार को भी लगभग मौसम ऐसे ही रहेगा, मंगलवार से ठंड कम होगी हालांकि कोहरे की स्थिति अभी जारी रहेगी। घना और मध्यम कोहरा रहेगा। उन्होंने बताया कि आगामी एक जनवरी को पश्चिमी यूपी में बारिश के आसार भी हैं। हालांकि, लखनऊ और आसपास ऐसी कोई संभावना नहीं है।

दिसंबर के सबसे ठंडे दिन

16 दिसंबर	19.1 डिग्री
17 दिसंबर	17 डिग्री
18 दिसंबर	19.5 डिग्री
19 दिसंबर	15.5 डिग्री
28 दिसंबर	15.3 डिग्री
20 दिसंबर	16 डिग्री
26 दिसंबर	18.7 डिग्री

तेजस 8 घंटे बाद पहुंची, शताब्दी 6 घंटे बाद छूटी

■ NBT न्यूज, लखनऊ : लखनऊ और नई दिल्ली के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस का संचालन रविवार अचानक गड़बड़ा गया। एक दिन के लिए तेजस एक्सप्रेस को निरस्त करने के बाद भी ट्रेन का संचालन पटरी पर नहीं लौटा। नतीजतन, रविवार लखनऊ जंक्शन से सुबह 6:10 बजे की जगह सात मिनट देरी से रवाना होने वाली तेजस सुपरफास्ट दोपहर 12:35 की जगह रात आठ बजे नई दिल्ली पहुंची।

ट्रेन और प्लेन संचालन पर कोहरा डाल रहा है असर

लखनऊ जंक्शन से नई दिल्ली जाने वाली स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस दोपहर की जगह करीब छह घंटे की देरी से रात 9:30 बजे रवाना हुई। जिसके चलते यात्रियों को कड़ाके की ठंड में प्लेटफॉर्म पर ही ट्रेन का इंतजार करते हुए परेशानियों का सामना करना पड़ा।

ये ट्रेनें देरी से आईं

12004 शताब्दी एक्सप्रेस 7 घंटे
12566 बिहार संपर्कक्रांति एक्स. 7:10 घंटे
12556 गौरखधाम एक्सप्रेस 12:41 घंटे
12232 चंडीगढ़ लखनऊ एक्स. 9:38 घंटे
12238 बेगमपुरा एक्सप्रेस 6:04 घंटे
12226 कैफियात एक्सप्रेस 6:30 घंटे
15734 फरक्का एक्सप्रेस 7:48 घंटे
15566 वैशाली एक्सप्रेस 7:11 घंटे

ये उड़ानें भी प्रभावित

6E925 पटना-लखनऊ 41 मिनट
QV 705 मस्कट-लखनऊ 53 मिनट
6E 2107 दिल्ली-लखनऊ 58 मिनट
QP 1526 लखनऊ-मुंबई 43 मिनट
6E6026 लखनऊ-दिल्ली 54 मिनट
6E523 लखनऊ-हैदराबाद 51 मिनट
6E506 लखनऊ-कोलकाता 34 मिनट
IX 189 लखनऊ-रियाद 53 मिनट

₹60 लाख की पार्किंग के लिए ₹2.25 करोड़ का बनाया बिल

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : बसंत कुंज योजना में बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण समारोह में बनाई गई बसों की पार्किंग विकसित करने में 60 लाख का खर्च आया लेकिन इंजिनियरों ने उसका एस्टीमेट बिल तीन गुना बढ़ा दिया। इंजिनियर ने ठेकेदार के साथ मिलीभगत कर 2.25 करोड़ का बिल बना दिया। एस्टीमेट की फाइल जब बड़े अफसरों के पास साइन के लिए पहुंची तो मामले का खुलासा हुआ। हालांकि, फाइल पर साइन करने से उच्च अधिकारियों ने इनकार कर दिया है।

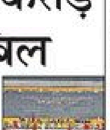

प्रेरणा स्थल पर बनी बसों की पार्किंग के लिए बिल तीन गुना बढ़ाया

पीएम ने बसंत कुंज योजना में बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया था। 25 दिसंबर को हुए समारोह में प्रेरणा स्थल के आसपास 13 पार्किंग बनाई गई थीं। एलडीए ने इन पार्किंग को बनवाया था। हर पार्किंग को अलग-अलग जिलों के हिसाब से नामित किया गया था। इन 13 पार्किंग में एक सबसे बड़ी पार्किंग बनाई गई थी, जहां पर सीतापुर और लखीमपुर की बसें खड़ी होनी थीं। प्राधिकरण ने इसकी जिम्मेदारी सहायक अभियंता राहुल वर्मा को दी थी। इस पार्किंग में कुल 860 बसों के खड़े होने की व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में बसें खड़ी हो जाने की वजह से अफसरों को डर था कि पार्किंग स्थल के आसपास की जमीन कहीं धंस न जाए। इसको देखते हुए पहले मिट्टी डाली गई फिर एक पक्की लेयर बनाई गई। बड़ी पार्किंग तक पहुंचने के लिए करीब 20 मीटर का एक पक्का रैंप भी बनाया गया था, जिसका खर्च करीब 60 लाख होना था। पर इंजिनियरों ने इसका एस्टीमेट 2.25 करोड़ का बना दिया। जब अफसरों के पास फाइल साइन के लिए गई तो गलत एस्टीमेट का हवाला देते हुए साइन करने से मना कर दिया।

अधिकारियों में हुई नोकझोंक : गलत एस्टीमेट की फाइल देखने के बाद एलडीए मुख्यालय में बैठे उच्च अधिकारियों ने नाराजगी जताई। इस पर सहायक अभियंता राहुल वर्मा की उनसे साइन कराने को लेकर नोकझोंक भी हो गई। मामले का खुलासा न हो इसके लिए फाइल को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

> अभी किसी बिल का भुगतान नहीं हुआ है। अगर भुगतान के लिए बजट बढ़ाकर फाइल बनाई गई है तो इसकी जांच करवाई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।
> - प्रथमेश कुमार, VC, LDA

नगर आयुक्त ने लिया कूड़ा कलेक्शन का फीडबैक

■ NBT न्यूज, लखनऊ: नगर आयुक्त गौरव कुमार ने रविवार को शहर के विभिन्न वॉर्डों का निरीक्षण किया। स्थानीय नागरिकों से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन और सफाई व्यवस्था का फीडबैक लिया। रंगाई-पुताई और वॉल पेंटिंग आदि के चल रहे कामों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा रंगाई-पुताई देखकर काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

SGPGI में जरूरतमंद तीमारदारों को बांटे कंबल

PGI में मरीजों के तीमारदार पार्किंग शेड में कड़ाके की ठंड के बीच रात गुजारने को मजबूर हैं। रविवार के अंक में NBT ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था।

■ NBT न्यूज, लखनऊ: एसजीपीजीआई परिसर में पर्याप्त रैन बसेरा और विश्राम स्थलों की व्यवस्था न होने का संज्ञान भले ही संस्थान ने न लिया हो, लेकिन संगठन और लोग इसके लिए आगे आए हैं। इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मुकेश बहादुर सिंह के परिवार ने संवेदना दिखाते हुए कंबल बांटे। उनके परिवार ने रविवार को PGI के पार्किंग शेड में मरीजों के तीमारदारों और जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटे। उन्होंने जिला प्रशासन को भी 250 कंबल सौंपे हैं। मुकेश बहादुर सिंह ने बताया कि 29 और 30 दिसंबर को 750 और कंबल वितरित किए जाएंगे। इस दौरान ऐश्वन सिंह, अंश आर्यन सिंह, आयुष और वैष्णवी मौजूद रहे।

हुई चर्चा ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय अधिवेशन में सरकार के सामने रखी गई मांगे

'मॉब लिंचिंग पर सख्त कानून बने, UCC पर दोबारा विचार करें'

■ NBT न्यूज, लखनऊ

सऊदी हुकूमत पर दबाव बनाकर पैगंबर मोहम्मद (स.अ.व) की बेटी जनाबे फातिमा जहरा (स.अ) के रौजे (जन्नतुल बकी) का पुनर्निर्माण करवाया जाए, जो ध्वस्त पड़ी है। देश में बढ़ती मॉब लिंचिंग पर सख्त कानून लाया जाए। यूसीसी पर दोबारा विचार किया जाए। वक्फ बोर्डों और हुसैनाबाद ट्रस्ट में फैले भ्रष्टाचार पर सख्त ऐक्शन लिया जाए। ऐसी ही तमाम मांगें ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने बोर्ड की तरफ से सरकार से की हैं। मौलाना अब्बास ने रविवार को बड़ा इमामबाड़ा परिसर में बोर्ड के वार्षिक अधिवेशन में हिस्सा लिया।

मौलाना यासूब ने कहा कि सच्चर कमिटी की तर्ज कमिटी बनाकर हिंदुस्तान में शिया समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का जायजा लिया जाए। उन्हें अलग से आरक्षण दिया जाए, जिससे रोजगार और उत्थान के लिए योजनाएं बनाई जा सकें। यूपी शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड में भ्रष्टाचार और कीमती संपत्तियों की अवैध बिक्री की जांच हो, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और रख रखाव के लिए विशेष कानून बनाया जाए। हुसैनाबाद ट्रस्ट में फैले भ्रष्टाचार और ऐतिहासिक इमारतों की जर्जर स्थिति को तुरंत सुधारा जाए। उन्होंने कहा कि कौम की बेटियों को शिक्षा के लिए हिजाब पहनने का अधिकार संविधान ने दिया है, इसे पूरी तरह लागू किया जाए और इसमें बाधा न डाली जाए। अधिवेशन में बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सायम मेहदी के अलावा बड़ी संख्या में उलमा, खतीबों, बुद्धिजीवियों और अंजुमनों के सदस्यों ने भाग लिया।

'महिलाओं से माफी मांगें नीतीश'

मौलाना यासूब ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता को जिस तरह पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है, उसी तरह इमाम हुसैन (अ.स) और उनकी कुर्बानी को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हिंदुस्तान की सभी औरतों से माफी मांगे। पिछले दिनों उन्होंने हिजाब और परदे का नहीं, बल्कि सभी महिलाओं का अपमान किया था।

'वंदे मातरम् के नाम पर डराया जाता है'

जम्मू-कश्मीर से आए मौलाना आगा सैयद अब्बास रिजवी ने कहा कि युवाओं को भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नाम पर डराया जाता है। आप लोग आंख की रोशनी से हिंदुस्तान को देखते हो, हम दिल की रोशनी और मोहब्बत की आंखों से भारत को देखते हैं। पाकिस्तान में शिया मुस्लिमों के साथ जो बर्ताव किया जा रहा है, वही यहां भी हो रहा है। 7 करोड़ की हमारी आबादी है। इसके बाद भी हमारा प्रतिनिधित्व केंद्र और राज्य सरकारों में नहीं है।

सराफा

सोना स्टैंडर्ड (99.5 शुद्धता) प्रति 10 ग्राम लखनऊ	₹1,42,615
चांदी .999 टंच प्रति किलो लखनऊ	₹2,51,000

मौसम

अधि.तापमान 15.3 डिग्री
न्यून.तापमान 10.4 डिग्री
सूर्यास्त सोमवार 5:23 बजे
सूर्योदय मंगलवार 6:54 बजे

CCI NG 3.7 Product: NBTLucknowBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: NBTLPG4 User: cci Time: 12-29-2025 00:19 Color:

फटाफट खबरें

व्यापार मंडल के अध्यक्ष बने ऋषभ गुप्ता

■ NBT न्यूज, राजाजीपुरम: राजाजीपुरम व्यापार मंडल के त्रिवर्षीय चुनाव में रविवार को अध्यक्ष व महामंत्री पद के लिए वोट का सर्वाधिक हुआ। जिसमें ऋषभ गुप्ता को 217 और रौनक बाजपेयी शैलू को 183 मत मिले। ऋषभ गुप्ता ने 34 वोट से जीत हासिल की। वहीं महामंत्री पद पर संजीव चंदानी 57 वोट से विजयी हुए। उपाध्यक्ष पद के लिए रूपेश प्रजापति, कोषाध्यक्ष पद पर अंकित बाजपेयी चुने गए। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर रजत अग्रवाल, संगठन मंत्री दीपक कुमार, संयुक्त मंत्री मोहम्मद सलमान पहले ही निर्विरोध निर्वाचित किए जा चुके हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी अखिलेश जायसवाल, डॉ. दिनेश माथुर, कुलदीप रस्तोगी, शमशेर अली ने विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र दिया।

184 लोगों ने करवाई आंखों की जांच

■ NBT न्यूज, चौक: सआदतगंज थाना क्षेत्र के मौलाना नगर कॉलोनी में रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। शिविर में लगभग 184 लोगों के आंखों की जांच की गई। शिविर का संचालन डॉ. एमएस सिद्दीकी (एरा मेडिकल कॉलेज, लखनऊ) द्वारा किया गया। इस दौरान सिर दर्द, आंखों में जलन, लालपन, पानी आना, खुजली, नजर की कमजोरी एवं मोतियाबिंद जैसी समस्याओं की जांच की गई। आधुनिक मशीनों के माध्यम से निःशुल्क परीक्षण किया गया। शिविर में मोतियाबिंद के मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा की जानकारी दी गई, जरूरतमंद लोगों को रियायती दर पर चश्मा उपलब्ध करवाया गया।

'छंद वीथिका' का हुआ लोकार्पण

■ NBT न्यूज, लखनऊ: उप्र प्रेस क्लब में रविवार को चेतना साहित्य परिषद द्वारा राम औतार 'पंकज' के छंद संग्रह 'छंद वीथिका' का लोकार्पण हुआ। पुस्तक का लोकार्पण प्रो. डॉ. हरिशंकर मिश्र, डॉ. उषा सिन्हा, डॉ. उमा शंकर शुक्ला 'शितिकंठ' और डॉ. शिवभजन 'कमलेश' द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अशोक कुमार पाण्डेय मौजूद रहे। इस दौरान पुस्तक के लेखक राम औतार 'पंकज' ने अपनी किताब की कुछ पंक्तियां भी पढ़ीं।

'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर हो जोर'

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, इंदिरा नगर लखनऊ में रविवार को भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश के प्रधानाचार्य (हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट) बैठक हुई। बैठक में प्रदेश भर से आए प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। बैठक का उद्घाटन डॉ. सौम्य मालवीय, मंत्री विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश ने किया। इस दौरान एमएलसी पवन सिंह चौहान और अध्यक्ष भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश हरेन्द्र श्रीवास्तव मौजूद रहे। इस दौरान विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शैक्षिक नवाचार पर जोर दिया गया।

विद्यारंभ करने वाले बच्चों को देंगे पीले अंगवस्त्र

■ NBT न्यूज, लखनऊ: अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज की रविवार को हुई बैठक में बसंत पंचमी पर विद्यारम्भ करने वाले सभी बच्चों को पीले अंगवस्त्र देने का प्रस्ताव किया है। बैठक में इसके अलावा तहरी भोज आदि अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। साथ ही संगठन ने ब्राह्मण विधायकों की बैठक को अति आवश्यक और साहसिक कदम बताते हुए अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष रोपी अवस्थी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रेम कुमार मिश्र, सलाहकार सदस्य सुधांशु शुक्ल, सदस्य रामसह पांडेय मौजूद थे।

डॉ. बृजेंद्र निगम की कृतियों का विमोचन

■ NBT न्यूज, लखनऊ: साहित्यिक संस्था सर्वजन हिताय साहित्यिक समिति की ओर से रविवार को हिंदी संस्थान के निराला सभागार में शिक्षाविद डॉ. बृजेंद्र निगम की दो कृतियों 'स्वाध्याय रत्न मंजूषा' एवं 'भोले बच्चों की सच्ची कहानियां' का लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एलयू के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश पांडेय ने की। अतुल पांडे ने पुस्तक 'भोले बच्चों की सच्ची कहानियां' पर कहा कि आज बच्चों को सही दिशा में प्रेरित करने के लिए उपयोगी साहित्य की जरूरत है। जो इस पुस्तक में पूरी तरह से नजर आ रहा है।

हरियाली का साल बना 2025

डेढ़ लाख पौधे लगाकर कुकरैल नदी के दोनों तरफ की गई हरियाली | लगाए गए प्रदूषण कम करने वाले पौधे, पूरे क्षेत्र में तीन वन क्षेत्र भी बनाए गए

कुकरैल किनारे, ताजी हवा पुकारे

Photos: Sunil Kumar Raidas

■ अभिषेक पांडेय, लखनऊ

2025 शहर के लिए हरियाली का खास रहा। गोमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर कुकरैल नदी के दोनों तटों का सौंदर्यीकरण कर पूरे 8 KM के रूट को ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है। ग्रीन बेल्ट विकसित करने के लिए यहां तीन वन क्षेत्र भी बनाए जा रहे हैं। इसमें सौमित्र वन, शक्ति वन और उर्मिला वन शामिल हैं। कभी इन जगह पर अवैध बस्ती नजर आती थी। अब यहां अतिक्रमण हटाने के बाद पूरे रूट पर पेड़-पौधे नजर आ रहे हैं। पूरी कुकरैल नदी बेल्ट में एलडीए की ओर से डेढ़ लाख पौधे लगाए गए हैं, जिससे नदी और ग्रीन बेल्ट का स्वरूप निखर रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि ईको फ्रेंडली पौधे प्रदूषण कम रखने में मदद करते ही हैं। भविष्य में पर्यावरण को संतुलित करने में मदद मिलेगी है। कुकरैल नदी के दोनों तरफ वन क्षेत्र में पेड़ और पौधे पूरी तरह पर्यावरण हितैषी दृष्टिकोण से लगाए गए हैं। इससे वायु शुद्धि, छाया, शीतलता, मिट्टी संरक्षण, कटाव नियंत्रण और जैव विविधता में वृद्धि होगी। साथ ही कुकरैल नदी के किनारे बफर वनीकरण से जल गुणवत्ता में सुधार, बाढ़ शमन और जलवायु शुद्धीकरण में मदद मिलेगी। नदी के किनारे आठ किलोमीटर की दूरी में हरियाली विकसित की जा रही है। इसमें अकबर नगर प्रथम एवं द्वितीय के अवैध अतिक्रमण ध्वस्त करके कब्जा मुक्त करवाई गई लगभग 25 एकड़ भूमि पर सौमित्र वन और शक्ति वन विकसित किया गया है, जिसमें प्राणवायु देने वाले पेड़ों की श्रृंखला लगाई गई है। नदी के किनारे 1.25 लाख पेड़-पौधे लगाकर वन क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से सौमित्र वन और शक्ति वन विकसित जा रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञ मेवालाल का कहना है कि वन क्षेत्र विकसित करना अच्छा कदम है। साथ ही इन्वायरमेंटल श्रेणी के पेड़ को भी लगाया जाना चाहिए। इसमें मुख्य रूप से बरगद, गूलर और पाकड़ के पेड़ हैं। इन पेड़ों के फलों से ही जीव जंतुओं को आहार मिलता है इसलिए इन्वायरमेंटल श्रेणी के पेड़ बेहद जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि एक स्वस्थ पेड़ रोज लगभग 230 लीटर ऑक्सिजन छोड़ता है, जिससे सात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है। यदि हम इसके आसपास कचरा जलाते हैं तो इसकी ऑक्सिजन उत्सर्जित करने की क्षमता आधी हो जाती है। इस तरह हम तीन लोगों से उसकी जिंदगी छीन लेते हैं इसलिए पौधे लगाने के साथ-साथ हमें पेड़ों को बचाने की जरूरत है। इसके अलावा किसी भी स्थान पर 50 मीटर की दूरी पर एक पेड़ जरूर होना चाहिए। इससे वहां के रहवासियों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध हवा मिलेगी और लोग स्वस्थ रहेंगे

सौमित्र वन में मियावाकी पद्धति

जहां अवैध बस्ती थी वहां हराभरा पार्क बना

सौमित्र वन का विकास मियावाकी पद्धति से किया गया है। सौमित्र वन शुद्ध हवा के साथ ही छाया एवं शीतलता, मिट्टी सुधार, कटाव नियंत्रण व जैव विविधता रहेगी। उपवन क्षेत्र में फलों के पेड़ जैसे आम, अमरूद, लीची, जामुन, सहजन इत्यादि लगाए गए हैं। वहीं, अमलताश, पलाश, नीलमोहर, गुलमोहर, चंपा के साथ ही रॉयल पॉल्म, इरमाकिया पॉल्म, टर्मीनेलिया, मेटली, क्रिस्माकिया पॉल्म, रेजनॉल्ड, स्टार लाइट आदि पौधे भी लगवाए गए हैं। वहीं बोगनवेलिया, तिकोमा, गुड़हल, चांदनी के साथ ही बेला, चमेली, रात रानी, जूही, मधुमालती जैसे फूलों के पौधे भी लगवाए गए हैं। जलभराव वाले क्षेत्र में बांस, अर्जुन, जामुन और केन के पौधे रोपे गए हैं।

ये हैं सुविधाएं

उपवन क्षेत्र में किड्स जोन, लॉन, ग्रीन एरिया, ओपन जिम व टहलने के लिए पाथ-वे बनाया जा रहा है। इसके अलावा वन क्षेत्र की सुंदरता को निखारने के लिए हाईमास्ट व फ्लड लाइट भी लगवाई गई है। पौधों की सिंचाई के लिए स्थायी व्यवस्था की गई है। पूरे क्षेत्र में अंडरग्राउंड पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा हो गया है। निर्धारित दूरी पर पॉप-अप स्प्रिंकलर भी लगवाए गए हैं।

उर्मिला वन भी आकार लेने लगा

भीखमपुर को कब्जा मुक्त कराने के बाद एलडीए की ओर से उर्मिला वन विकसित किया जा रहा है। 24 एकड़ भूमि को कूड़ा, कचरा और अतिक्रमण से मुक्त कराकर यह परियोजना विकसित की जा रही है, जिसमें 19 एकड़ क्षेत्र में उद्यान विकसित होगा। इसमें लगभग एक लाख पौधे रोपित किए गए हैं। यहां नीम, पीपल, पाकड़, अमलतास, अर्जुन, अशोक, जामुन, बांस, गुलमोहर जैसे पेड़-पौधे क्षेत्र को शुद्ध वायु देंगे, पर्यावरण संतुलन बनाएंगे और जैव विविधता को बढ़ाएंगे। यहां 1632 मीटर का वॉकिंग ट्रैक भी बनेगा, जिससे नागरिकों को स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए सुरक्षित हरित क्षेत्र मिल सके।

बन रहा शक्ति वन

एलडीए के बाद अब नगर निगम भी मुक्त करवाई गई जमीन पर शक्ति वन विकसित कर रहा है। अकबरनगर में अवैध कब्जे हटवाए जाने के बाद 3.6 हेक्टेयर में उपवन विकसित किया जा रहा है। उपवन में लोग एक्सरसाइज के साथ ही लॉन्ग वॉक भी कर सकेंगे। इसके साथ ही पिकनिक के लिहाज से भी उपवन को विकसित किया जा रहा है। इस मकसद से पार्क में बनवाए जाने के साथ ही झूले, ओपन जिम, फाउंटेन, नक्षत्र वाटिका भी बनवाई जाएगी। साथ ही मियावाकी पद्धति से पेड़-पौधे लगवाए जाने के साथ ही अन्य तमाम सुविधाएं भी मुहैया करवाई जाएंगी। दरअसल, अकबरनगर से अवैध कब्जे हटवाने के बाद एलडीए ने अपनी जमीन पर सौमित्र वन विकसित किया है। इसके बाद नगर निगम ने भी अपनी जमीन पर उपवन तैयार करने की योजना बनाई है।

ये पार्क भी शहर को मिले

हैदर कैनाल के पास एकता वन

डीजीपी आवास के नजदीक हैदर कैनाल पर एसटीपी बनाया गया है। इस एसटीपी पर ही एलडीए ने 12 एकड़ में ग्रीन एरिया विकसित किया है, जिससे आसपास का इलाका पूरी तरह से हराभरा नजर आता है। यहां एलडीए की ओर से अमलतास, पारस पीपल, मालेश्री, फॉक्सटेल, गुलमोहर, मधुकामिनी, जेट्रोफा, केजरीना, जैकारंडा इत्यादि पेड़ और जिम व झूले लगाए जाएंगे।

शोरगुल से दूर हार्मनी पार्क

यह है सुल्तानपुर रोड स्थित सीजी सिटी में बना हार्मनी पार्क, जो संगीत और कला प्रेमियों के लिए आकर्षण का नया केंद्र बन गया है। करीब 12.90 एकड़ में फैला यह पार्क वेस्ट-टू-आर्ट थीम पर आधारित है। यहां 300 टन कबाड़ से बनी 34 अनूठी कलाकृतियां संगीत के अलग-अलग वाद्ययंत्र के रूप में नजर आती हैं। यहां हर तरफ पेड़ पौधे भी लगाए गए हैं, जिससे सुरों के बीच हरियाली का एक सुनहरा एहसास होता है।

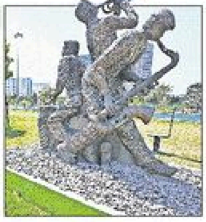

यूटोपिया में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: उत्कर्ष इंटरनेशनल स्कूल, चिनहट का 11वां वार्षिकोत्सव UTOPIA-25 धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. एके श्रीवास्तव, मुकेश बहादुर, सभासद अरुण राय मौजूद रहे। स्कूल की फाउंडर प्रेसिडेंट डॉ. ज्योत्सना श्रीवास्तव ने बताया कि स्कूल, उत्कर्ष फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित है। जिसके जरिए से सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा व सहयोग दिया जाता है। इस दौरान स्कूल के छात्रों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इनमें विलियम शेक्सपियर का प्रसिद्ध नाटक किंग लियर, हिंदी नाटक काकी मां, म्यूजिकल महाभारत और स्मार्टफोन-मुक्त दुनिया जैसे प्रभावशाली कार्यक्रम शामिल रहे।

उत्कर्ष इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम।

टैलेंट हंट में दिखा बच्चों का जोश

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: कर्नल एसएन मिश्रा मेमोरियल स्कूल में वार्षिक फेट उत्साह के साथ हुआ। स्कूल परिसर में सजीव माहौल के बीच शिक्षकों और विद्यार्थियों के तैयार किए गए आर्ट ऐंड क्राफ्ट के सुंदर प्रदर्शनों और अलग-अलग स्टॉलों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। फेट के दौरान आयोजित टैलेंट हंट प्रतियोगिता में बच्चों एवं अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण लकी विनर इनाम रहा, जिसमें कुल आठ पुरस्कार रखे गए थे। लकी ड्रॉ में पहला पुरस्कार साइकल छात्र अर्णव ने जीती। इस दौरान सम्भव शुक्ला, प्रीति त्रिवेदी, पूजा सिंह मौजूद रहीं।

एनुअल फिएस्टा में बच्चों ने दिखाया दम

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, मोतीनगर शाखा में 'एनुअल फिएस्टा' रविवार को हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण और आरती के साथ हुई। कार्यक्रम के दौरान खेल प्रतियोगिताएं, ताइक्वांडो, जिम्नास्टिक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम में बेस्ट स्टूडेंट का पुरस्कार नितिन पाल (बालक) और श्रवसा (बालिका), जबकि जूनियर वर्ग में कार्तिक कन्नौजिया (बालक), नंदनी पाल (बालिका) को यह सम्मान मिला।

'पात्र मतदाता का नाम सूची में ज़रूर हो'

भाजपा ने की SIR पर कार्यशाला, कार्यकर्ताओं को किया जागरूक

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: भाजपा महानगर की ओर से उत्तर विधानसभा के सीतापुर रोड स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय के सभागार में रविवार को एसआईआर के द्वितीय चरण की कार्यशाला हुई। कार्यशाला के बाद अटल बिहारी वाजपेई की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, विधायक डॉ. नीरज बोरा उपस्थित रहे।

कार्यशाला के बाद पूर्व पीएम की जन्मशताब्दी पर संगोष्ठी आयोजित

अवध क्षेत्र के अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए एसआईआर सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। बहुत से बूथों पर एसआईआर का काम किया जा चुका है। इस चरण में बूथ स्तर पर बैठक कर वोटर लिस्ट देखी जा रही है। उसमें मृतक, विस्थापित और लापता वोटरों की सूची का आंकलन ध्यानपूर्वक करना है। कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे। जबकि कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो सके इसकी भी चिंता करनी होगी। 18 वर्ष पूर्ण करने वाले मतदाताओं का परिमाण पत्र के साथ फार्म 6 बड़ी सावधानी पूर्वक भरवाना है।

कार्यकर्ताओं संग बूथों पर सुनी मन की बात

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: पीएम नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम का 129वां संस्करण रविवार को हुआ। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग बूथों पर क्षेत्र वासियों के साथ इसे सुना।

मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मध्य विधानसभा के गोमती नगर विकासखंड की बूथ संख्या 318 पर कार्यक्रम सुना। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभारी त्र्यंबक त्रिपाठी ने पूर्व मंडल एक के राजीव गांधी शक्ति केंद्र की बूथ संख्या 406 पर, अवध क्षेत्र अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, रजनीश गुप्त और कार्यकर्ताओं के साथ मध्य विधानसभा के बहियागंज वार्ड की बूथ संख्या 64 पर इसे सुना। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने अलीगंज सेक्टर डी की बूथ संख्या 195 पर, विधायक ओपी श्रीवास्तव ने पूर्व विधानसभा के राजीव गांधी वार्ड की बूथ संख्या 406 में मंडल अध्यक्ष, पार्षद और कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। वहीं सरोजनीनगर स्थित न्यू हनुमान पुरी में रविवार को बालाजी मंदिर प्रांगण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' लोगों ने सुना। कार्यक्रम में कंबल वितरण और सहभोज का भी आयोजन हुआ। इस दौरान भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सरोजनीनगर दक्षिण प्रथम विजय गुप्त (सोनू), विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्त, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और महिला आयोग सदस्य प्रियंका मौर्या उपस्थित रहीं।

शुरुआत परीक्षार्थी को दी जाने वाली कॉपी का नंबर डिजिटली होगा अपडेट, बी कॉपी का नंबर भी परीक्षा के दौरान ही सिस्टम पर अपडेट होगा

AKTU के कॉलेजों में नहीं हो सकेगा कॉपी बदलने का खेल

Zeeshan.Rayini
@timesofindia.com

लखनऊ: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (AKTU) में अब कोई भी कॉलेज परीक्षा के बाद किसी छात्र की कॉपी बदलकर उसे पास करने का खेल नहीं कर सकेगा। विवि की ओर से इस बार से नया सिस्टम शुरू किया जा रहा है। इसके तहत छात्रों को जो भी कॉपी दी जाएगी उस आंसर कॉपी का नंबर परीक्षा हॉल से ही वेबसाइट पर अपडेट किया जाएगा। यहां तक परीक्षा के दौरान छात्र जितनी भी कॉपियां लेगा हर कॉपी का नंबर उस सिस्टम पर अपडेट किया जाएगा। ऐसे में अगर कोई बाद में कॉपी बदलता है तो वो रेकॉर्ड से मिलान नहीं होगा और आरोपियों को पकड़ना आसान हो सकेगा। एकेटीयू ऐसा करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है।

एकेटीयू की ओर से पूरे प्रदेश में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां परीक्षा हो रही है। परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में होती है। लेकिन परीक्षा के बाद कॉपियों का संकलन व रख रखाव का सारा काम सीसीटीवी में नहीं किया जा सकता। ऐसे में कॉपी कहीं और लिखवाकर बाद में बदलना आसान होता है। ऐसा न हो इसके लिए एकेटीयू ने नया सिस्टम विकसित किया है। इसके लिए एक पोर्टल बनाया गया है। परीक्षा के दौरान ही उस पोर्टल पर छात्र को दी जाने वाली कॉपी का नंबर अपडेट किया जाएगा। इसके अलावा हर परीक्षा केंद्र पर किस नंबर से किस नंबर तक की कॉपी गई है इसका अलग रेकॉर्ड अपडेट किया जाएगा। ऐसे में अगर कोई भी दूसरे केंद्र की कॉपी या पुरानी कॉपी छात्र की वर्तमान कॉपी से बदलेगा तो वो पकड़ा जाएगा। हर परीक्षा में छात्र को किस किस नंबर की कॉपी मिली है यह पूरा ब्योरा अब पोर्टल पर रहेगा। कोई छात्र भी किसी तरह का आरोप नहीं लगा सकेंगे।

विवि की ओर से हर छात्र की आंसर कॉपी का नंबर अपलोड करने का नियम बनाया गया है। इससे काफी हद तक सिस्टम बेहतर हो सकेगा। – प्रो. दीपक नागरिया, परीक्षा नियंत्रक एकेटीयू

कैसे किया एग्जाम रीफॉर्म?

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

एकेटीयू में इस बार बड़े पैमाने पर एग्जाम रीफॉर्म किए गए हैं। परीक्षा में पारदर्शिता को करने के लिए इस बार से विवि में ई सर्विलांस सिस्टम भी शुरू किया गया है। जिसमें परीक्षा की पूरी मॉनिटरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से की जा रही है। वहीं प्रैक्टिकल की परीक्षाओं में फर्जीवाड़े को रोकने के लिए जियो टैग फोटो अपलोड करने की गाइडलाइन जारी की गई है। इसके अलावा प्रश्नपत्र बनाने में भी विवि की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है। टेक्निकल यूनिवर्सिटी होने के नाते एकेटीयू की ओर से तकनीक का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है।

सॉफ्टवेयर बताएगा कहां रखनी है किताब

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लाइब्रेरी में अब कौन सी किताब किस रैक में रखी जाएगी ये भी सॉफ्टवेयर बता सकेगा। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी साइंस विभाग की ओर से एक डिवाइस बनाया गया है। यह डिवाइस लाइब्रेरी की पुस्तकों को डिजिटली अरेंज कर सकेगा। इससे लाइब्रेरी में लगने वाली मैनपावर काफी हद तक कम हो जाएगी और किताब सही जगह पर होने से छात्रों को आसानी से मिल सकेगी। भारत सरकार की ओर से इस डिवाइस का पेटेंट भी किया गया है। डिवाइस का नाम ऑटोमेटेड इंटेलिजेंट बुक सॉर्टिंग दिया गया है।

BBAU ने बनाई बुक अरेंज करने वाली डिवाइस

विवि के लाइब्रेरी इन्फॉर्मेशन साइंस विभाग के डॉ. राजीव रंजन मिश्र, विकास दुबे व शिल्पी वर्मा ने इस डिवाइस को बनाया है। इसमें आगरा के भी दो शिक्षक शामिल रहे हैं। वर्तमान में लाइब्रेरी से किताब जब रिटर्न आती है या छात्र पढ़ने के लिए निकालते हैं तो वह एक जगह पर हर दिन इकट्ठा हो जाती हैं। इसके बाद उन्हें नंबर से रैकों में लगाया जाता है। इसमें बहुत समय लगता है। यह डिवाइस किताब को उनके नंबर के मुताबिक अरेंज कर देगा। इसके बाद किस किताब को कहां रखना है ये डिवाइस खुद ही बता देगा। लाइब्रेरी अटेंडेंट को किताब सिर्फ दिए गए रैक नंबर में ले जाकर रखनी होगी। जबकि वर्तमान सिस्टम में पहले उसका कैटेलॉग नंबर देखा जाता है फिर उस कैटेलॉग की किताबें किस रैक में उसके बाद नंबर से अरेंज करनी होती हैं। इसमें काफी समय लगता है। यह सिस्टम बड़ी लाइब्रेरी जहां लाखों के किताबें हैं उनके लिए काफी फायदेमंद है।

TIMES interact
To book your ad Login to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free)

बिजनेस
बिजनेस प्रस्ताव

PREMIUM EUROPEAN COATING RESINS/ ADDITIVES
We can offer a diverse range of high-performance materials regularly at low prices, including:
• Waterborne Polyurethane Dispersions
• Acrylic Polyols
• Alkyds & Epoxies
• Functional Monomers & Crosslinkers
Please contact: Euro Exim Limited Manchester (UK) Email: sales@euroeximlimited.co.uk

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

WITH respect to Affidavit Certificate no. IN-UP21360137476749X, I VIJAY NAVLANI, hereby state that both the names, VIJAY NAVLANI and VIJAY KUMAR NAVLANI are of one and the same person.

सामान्य

I, Subedar Gouranga Adhikary, in my service record my mother name is Laxmi Adhikary which is wrong. Whereas the correct name is Lakshmi Adhikary (Aadhaar No 6797 0287 3776), address- 124 BN Sarani, PO-Badiyapara, Dum Dum, Kolkata-77.

टेंडर और नोटिस
निविदाएं (टेंडर्स)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्रापण विभाग
यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई – 400021.
निविदा सूचना
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रतिष्ठित विक्रेताओं से निम्नलिखित कार्यविवरण के लिए ई-निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है
जीईएम बोली संख्या–जीईएम/2025/बी/7035858 दिनांक: 23.12.2025
वेब–आधारित निर्यात डेटा प्रोसेसिंग और मॉनिटरिंग सिस्टम (EDPMS) तथा आयात डेटा प्रोसेसिंग और मॉनिटरिंग सिस्टम (IDPMS) के उन्नयन और ऑनबोर्डिंग के साथ सुविधा प्रबंधन समर्थन हेतु निविदा (RFP)
पूर्व बैठक - 05.01.2026 सुबह 11:00 बजे
प्रस्ताव प्राप्ति की अंतिम तारीख – 17.01.2026 शाम 16:00 बजे
अन्य जानकारी एवं बोली दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए तथा निविदा में प्रतिभागिता के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल https://gem.gov.in को देखें।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्रापण विभाग
यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई – 400021.
निविदा सूचना
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया प्रतिष्ठित विक्रेताओं से निम्नलिखित कार्यविवरण के लिए ई-निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है
जीईएम बोली संख्या – जीईएम/2025/बी/7031870 दिनांक: 22.12.2025
कोर बैंकिंग प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा प्रबंधन सेवाओं हेतु विक्रेता के चयन के लिए प्रस्ताव का अनुरोध
पूर्व बैठक - 02.01.2026 सुबह 11:00 बजे
प्रस्ताव प्राप्ति की अंतिम तारीख – 16.01.2026 शाम 16:00 बजे
अन्य जानकारी एवं बोली दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए तथा निविदा में प्रतिभागिता के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल https://gem.gov.in को देखें।

BUSINESS CONNECT

FOR SALE
Two Commissioned Small Hydro Power Projects for Sale, both having valid PPA's at Good Price.
Interested parties contact: comm.hydro@gmail.com

TO GROW YOUR BUSINESS
PLEASE CALL US
WE OFFER ADVERTISING SOLUTIONS IN
Print Radio Digital

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

CCI NG 3.7 Product: NBTLucknowBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: NBTLPG5 User: cci Time: 12-29-2025 00:28 Color:

2024 की तुलना में 2025 में बढ़े डिजिटल अरेस्ट के मामले, आतंकवादी गतिविधियों और मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर सबसे अधिक फंसाया गया

डिजिटल अरेस्ट होने वालों में 95% रिटायर्ड अफसर

Rishi.Sengar@timesofindia.com

लखनऊ : साइबर जालसाजों ने 2025 में करीब 35 लोगों को डिजिटल अरेस्ट किया। इनमें से 27 मामले साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए। इन मामलों में 95% रिटायर्ड बुजुर्ग अधिकारियों को शिकार बनाया गया। साइबर क्राइम से जुड़े मामलों की जांच कर रहे अधिकारियों की मानें तो कहीं न कहीं पीड़ितों का डेटा लीक हो रहा है। इसी लीक डेटा का प्रयोग करके लोगों को शिकार बनाया जा रहा है। 2024 की अपेक्षा 2025 में डिजिटल अरेस्ट के मामले बढ़े हैं। 2024 में लखनऊ में करीब 25 डिजिटल अरेस्ट के मामले में दर्ज हुए थे। वहीं, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में 21 मामले दर्ज हुए थे।

डिजिटल अरेस्ट के चर्चित केस

रिटायर्ड डीजीएम को बनाया निशाना

आलमबाग के श्रीनगर निवासी 80 वर्षीय ओम प्रकाश मिश्र यूपीपीसीएल के डीजीएम पद से सेवानिवृत हैं। 11 नवंबर को साइबर जालसाजों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया। जालसाजों ने पीड़ित से दिए गए खाते से 12 नवंबर को दो बार में 47 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए।

रिटायर्ड बैंक अधिकारी से किया गया फ्रॉड

विकासनगर इलाके में बैंक से रिटायर्ड सिद्धार्थ नाथ के पास 30 अगस्त को एक कॉल आई और उन्हें बताया गया कि वे डिजिटल अरेस्ट हैं। 7 दिनों के अंदर साइबर जालसाजों ने 2 करोड़ 75 लाख रुपये अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए। 24 सितंबर को ऑनलाइन जमानत देने का बहाना बनाकर जालसाजों ने पीड़ित से संपर्क तोड़ दिया।

रिटायर्ड पीपीएस को बनाया शिकार

पीजीआई शीतल खेड़ा निवासी रश्मि प्रधान के पति दिनेश प्रकाश प्रधान रिटायर्ड पीपीएस अधिकारी हैं। 18 अगस्त को पीड़िता के पति के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आई थी और उन्हें डिजिटल अरेस्ट की बात कही गई। साइबर जालसाजों ने 18 से 22 अगस्त तक पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट कर कई बार में 50 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए।

लेखा विभाग से रिटायर्ड अधिकारी भी फंस गए

गोमतीनगर के वास्तुखंड इलाके में लेखा विभाग से रिटायर्ड अधिकारी राजेन्द्र प्रकाश वर्मा को साइबर जालसाजों ने डिजिटल अरेस्ट करके 54,60,000 रुपये ठग लिए। पीड़ित को 13 से लेकर 19 दिसंबर तक डिजिटल अरेस्ट किया गया और उनके बैंक अकाउंट से रुपये ट्रांसफर करवा लिए।

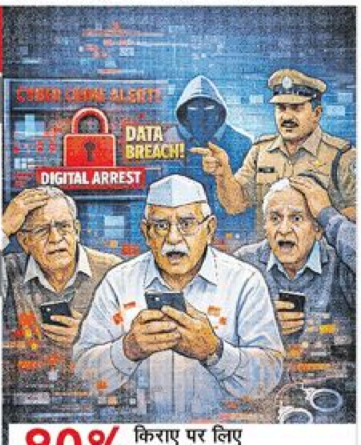

80% किराए पर लिए कॉरपोरेट अकाउंट

फर्जी फर्म बनाकर खुलवाया जाता है खाता

साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर के मुताबिक साइबर जालसाज बहुत ही शातिर हैं। साइबर फ्रॉड की रकम जिस पहले बैंक अकाउंट में मंगाई जाती है, वह कॉरपोरेट होता है। इन कॉरपोरेट बैंक अकाउंट्स को फर्जी फर्म बनाकर खुलवाया जाता है। इन फर्मों को दुकानों और मकानों में फर्जीवाड़ा करके चलना दिखाया जाता है। पुलिस जब इन फर्जी फर्मों के पते पर छापेमारी करती है तो पता चलता है कि दुकान या किसी मकान का एड्रेस दिया गया था। साइबर जालसाज इन बैंक अकाउंट्स को किराए पर लेते हैं। इसके बदले में खाताधारक को 10 से 20% तक कमीशन दिया जाता है।

मल्टीपल खातों में ट्रांसफर की जाती है रकम

पुलिस के मुताबिक कॉरपोरेट अकाउंटों में मोटी रकम पहुंचने पर साइबर जालसाज तुरंत ही ऐक्टिव हो जाते हैं। वह मोटी रकम को 400-500 बैंक अकाउंटों में ट्रांसफर कर देते हैं। छोटी-छोटी रकम को ट्रेस करना और उसे फ्रीज करना टेढ़ी खीर हो जाता है। साइबर जालसाजों ने अब नया खेल शुरू किया है। वह गेमिंग ऐप के जरिए रुपये को ट्रांसफर कर देते हैं। पुलिस के मुताबिक साइबर जालसाज कई गेमिंग ऐप भी चलाते हैं। उसमें जो लोग रुपये लगाते हैं, वह व्हाइट मनी में तब्दील हो जाता है।

रुपये निकालने का मोड बदला

साइबर जालसाजों ने रुपये निकालने का मोड बदल दिया है। अब साइबर जालसाज किराए पर लिए गए खाते के धारक को एक होटल में अपने साथ ही ठहराते हैं। साइबर फ्रॉड की मोटी रकम जैसे ही खाते में आती है। एक बड़ा हिस्सा खाता धारक को बैंक भेज कर चेक के जरिए कैश में निकलवा लेते हैं, जिससे पुलिस फ्रॉड की रकम को फ्रीज न करवा सके।

आटो डिलीट ऑप्शन

साइबर जालसाज पीड़ितों को फंसाने के लिए वॉट्सऐप पर जो भी वॉरंट,एफआईआर या किसी अन्य दस्तावेज की फर्जी कॉपी भेजते हैं, वह आटो डिलीट हो जाती है। साइबर जालसाजों ने आटो डिलीट का ऑप्शन का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जिससे उनके खिलाफ कोई साक्ष्य एकत्र न किए जा सकें।

212 में 150 मामले शेयर ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर फ्रॉड के

इंस्पेक्टर ब्रजेश यादव ने बताया कि साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में अभी तक करीब 212 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें से करीब 150 मामले शेयर ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर साइबर फ्रॉड के हैं। इसके अलावा एपीके फाइल व अन्य तरीकों से साइबर फ्रॉड किए गए हैं। उन्होंने बताया कि साइबर फ्रॉड के इन मामलों करीब 30% रकम को फ्रीज कराया जा सका है।

26 दिनों में 82099871 रुपये के साइबर फ्रॉड

शहर में पांच जोन मिलाकर करीब 26 दिनों में 82099871 रुपये के साइबर फ्रॉड हुए। पुलिस ने 29090537 रुपये सीज कराए हैं।

11.68 करोड़ रुपये फ्रीज-रिफंड कराए गए

पुलिस का दावा है कि वर्ष 2025 में साइबर सेल में 6456 शिकायतें आईं। 90% का निस्तारण किया गया। वहीं 11.68 करोड़ रुपये रिफंड और फ्रीज कराए गए।

मोबाइल नंबर ब्लॉक कराए गए

पुलिस के मुताबिक 10000 से अधिक संदिग्ध मोबाइल नंबरों और डिवाइस को ब्लॉक कराया गया। इसके अलावा सोशल मीडिया और डार्क वेब पर निगरानी को बढ़ाया गया।

कोई भी एजेंसी इस तरह नहीं करती जांच-पड़ताल

रिटायर्ड आईपीएस व साइबर विशेषज्ञ डॉ.त्रिवेणी सिंह ने बताया कि पुलिस,सीबीआई या कोई अन्य जांच एजेंसी इस तरह से डिजिटल अरेस्ट करके जांच नहीं करती है। अधिकारिक रूप से डिजिटल अरेस्ट होता ही नहीं है। क्योंकि जब कोई जांच एजेंसी किसी पर नजर रखती है तो सामने वाले को इसकी भनक तक नहीं लगती है। जांच एजेंसी बहुत ही सावधानी से लोगों के मोबाइल,लैपटॉप व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की मॉनिटरिंग करती है। बैंक खाते के ट्रांजक्शन पर भी नजर रखी जाती है। वहीं किसी के बैंक खाते से संदिग्ध गतिविधियां लगती हैं, तो जांच एजेंसियां उन्हें ब्लॉक करा देती हैं। यही संदेह के घेरे में आए व्यक्ति के डिजिटल फिंगरप्रिंट्स को गोपनीय तरीके से ट्रैक किया जाता है।

ये सावधानी बरतें

- सीबीआई या कोई भी सरकारी एजेंसी विडियो कॉल करके पूछताछ नहीं करती है। विशेष परिस्थितियों को छोड़कर।
- अपनी व्यक्तिगत जानकारी हमेशा सुरक्षित रखें।
- कोई आपको धमकाता है, तो डरें नहीं और पुलिस को सूचित करें।
- अज्ञात कॉलर्स से सावधान रहें। खुद को सीबीआई अधिकारी या किसी अन्य सरकारी अधिकारी बता कर विडियो कॉल करने वालों से अलर्ट रहें।
- किसी भी अजनबी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी, जैसे कि बैंक खाता नंबर, पासवर्ड, आधार कार्ड नंबर आदि न दें।
- कोई आपको वीडियो कॉल पर आने के लिए कहता है और दावा करता है कि आपकी जांच हो रही है, तो सावधान हो जाएं।
- पैसों की मांग से सावधान रहें।
- डराने धमकाने को लेकर कोई कॉल आता है, तो अपने आप को शांत रखें, जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।
- डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ नहीं होता है। इस लिए घबराने की आवश्यकता नहीं है।
- साइबर फ्रॉड होने पर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।
- इसके अलावा साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन,नजदीकी पुलिस स्टेशन और साइबर सेल में भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

मुठभेड़ में पकड़े 55, तीन मार गिराए

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: पुलिस ने वर्ष 2025 में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों पर शिकंजा कसने के लिए चेकिंग अभियान चलाए। इस दौरान मुठभेड़ में 55 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। वहीं 3 आरोपित मारे गए। इसके अलावा 196 आरोपितों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की गई। वहीं 16 आरोपितों की चार करोड़ 90 लाख रुपये से अधिक की प्रॉपर्टी कुर्क की गई। 217 लोगों को गुंडा ऐक्ट के तहत जिलाबदर किया गया। पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर का दावा है कि इस वर्ष डकैती शून्य रही। पिछले वर्ष की तुलना में हत्या के अपराधों में कमी दर्ज की गई। हत्या जैसे गंभीर मामलों में लखनऊ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 525 अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा। हत्या के मामले में आरोपित 3 लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत कार्रवाई की गई। दावा है कि 829 आरोपितों को पुलिस ने मजबूत पैरवी के जरिए सजा दिलाई। महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित गंभीर अपराधों में 139 अभियुक्तों को सजा दिलाने में सफलता मिली। वहीं 1 आरोपित को फांसी की सजा व 46 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाने के लिए पुलिस ने अच्छे से पैरवी की।

196 पर की गई गैंगस्टर की कार्रवाई

16 आरोपितों की चार करोड़ 90 लाख रुपये से अधिक की प्रॉपर्टी कुर्क की

मिशन शक्ति 5.0 और पिंक पुलिसिंग

- महिलाओं की सहायता और काउंसलिंग के लिए 99 पिंक बूथ ऐक्टिव किए गए।
- पुलिस स्टेशनों पर 53 मिशन शक्ति केंद्र की स्थापना की गई।
- 53 विशेष सीयूजी (CUG) नंबर आवंटित किए गए।
- यूपी-112 ने महिला संबंधी 80,735 शिकायतों पर कार्यवाही की, जिसका औसत रिस्पॉन्स टाइम मात्र 8 मिनट रहा।

यातायात पुलिस

- यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के 11,64,061 वाहनों का चालान किया गया।
- नो पार्किंग में खड़े 2,62,373 वाहनों का चालान किया गया।
- शहर के संवेदनशील पॉइंट्स पर 42 रैपिड मोबाइल तैनात की गई हैं।
- नशा मुक्त अभियान के तहत कार्रवाई
- एनडीपीएस ऐक्ट के तहत 145 शातिर तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। आरोपितों के कब्जे से करोड़ों रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद हुए।
- अवैध शराब के निर्माण और बिक्री में 187 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। कुल 31,000 लीटर से अधिक अवैध शराब बरामद की गई।
- ऑपरेशन पहचान' के तहत कुल 13,488 किरायेदारों का सत्यापन किया गया।

इन मामलों में खाली हाथ

15 अक्टूबर को पारा में विक्रमनगर स्थित सब्जीमंडी के पास युवक की हत्या करके शव कूड़ेदान में फेंका गया था। 28 अक्टूबर को पुलिस ने इस मामले में हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी। शव की शिनाख्त अभी तक नहीं हुई। निगोहा के मौसम खेड़ा इलाके में बाक नाले में 1 नवंबर को बोरे में बंदकर फेंका गया महिला का शव मिला था। अभी तक शव की पहचान नहीं हो सकी है।
जानकीपुरम के अजनहर कला गांव में कैलाश यादव के खेत के पास सड़क किनारे 7 नवंबर की सुबह महिला का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या किए जाने की पुष्टि हुई थी। डॉक्टरों ने बिसरा रिजर्व किया था।

ट्रैफिक मैनेजमेंट सवाल

पुलिस का दावा है कि शहर में हुए प्रमुख कार्यक्रम के दौरान बेहतर मैनेजमेंट करके जाम नहीं लगने दिया। हालांकि आम दिनों में ट्रैफिक मैनेजमेंट को लेकर सवाल उठते रहे। खुद राज्य सभा सांसद दिनेश शर्मा ने ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर अफसरों से नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद से बात करके शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए कहा था। वह शनिवार को पुराने लखनऊ गए थे। बाजारखाला से चौक आते समय जाम में फंस गए। बाजारखाला से नीबू पार्क तक आने में जाम के कारण करीब सवा घंटा लग गया।

फटाफट खबरें

सड़क हादसे में छात्र की मौत

NBT न्यूज, चौक: ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में रविवार तड़के सड़क हादसे में एक छात्र कि मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मूल रूप से फतेहपुर बाराबंकी के रहने वाले अनवर हुसैन का पुत्र शाहबाज हुसैन (26) लखनऊ में रहकर ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय से बीए की पढ़ाई कर रहा था। रविवार सुबह वह मोटरसाइकिल से किसी काम से यूनिवर्सिटी जा रहा था। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के गऊघाट चौकी के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका हेलमेट भी फट गया।

सड़क किनारे पड़ा मिला शव

NBT न्यूज, काकोरी: काकोरी में आगरा एक्सप्रेस वे के रेवरी टोल प्लाजा के पास रविवार शाम सर्विस लेन की सड़क किनारे झाड़ियों में एक अज्ञात शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की पहचान कराने की कोशिश की। पहचान न होने पर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर सतीश चंद राठौर ने आशंका जताई कि ठंड लगने से मौत हुई है।

सहायक अभियंता की इलाज के दौरान मौत

NBT न्यूज, सुशांत गोल्फ सिटी: बस से आजमगढ़ से लखनऊ आ रहे सहायक अभियंता की अचानक तबियत बिगड़ गई। बस क्लीनर ने उन्हें लोकबंधु अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के अशोक विहार कॉलोनी डिंटौरा के रहने वाले जयशंकर प्रसाद (55) जनपद आजमगढ़ में सिंचाई विभाग में सहायक अभियंता थे। 26 दिसंबर को बस से लखनऊ स्थित घर आ रहे थे। तभी पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर उनकी तबियत बिगड़ गई। पोस्टमार्टम के बाद हार्ट व बिसरा प्रिजर्व किया गया है।

तीन युवकों पर जानलेवा हमला

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: मड़ियांव में सीतापुर रोड पर पुरानी रंजिश को लेकर कई लोगों ने तीन युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपों के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मड़ियांव इलाके में रहने वाले देश दीपक वाजपेयी अपने मित्र शिवम निगम और दीपांशु शुक्ला के साथ अन्ना मार्केट से घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरके मिश्र के घर के पास कुछ लोगों ने उन लोगों को घेर लिया। करीब 50 से अधिक लोगों ने ईंटों से तीनों पर हमला कर दिया। हमले में शिवम निगम गंभीर रूप से घायल हो गया। दीपांशु शुक्ला के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि देश दीपक के चेहरे और मुंह में ईंट लगने से चोट पहुंची।

भाइयों की पिटाई के आरोपितों पर केस दर्ज

NBT न्यूज, मोहनलालगंज: मोहनलालगंज के गोपालखेड़ा गांव निवासी सुरेश वर्मा ने पुलिस से बताया कि बीते शनिवार को बड़े भाई मैकूलाल व रवित का गांव के ही शुभम व हिमांशु व उसके भाई अभिषेक से झगड़ा हो गया। कुछ देर बाद हिमांशु , अभिषेक व शुभम लाठी-डंडे लेकर घर आ धमके दोनों की बुरी तरह पिटाई कर दी। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया पीड़ित की तहरीर पर आरोपितों पर मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मालिक और मजदूरों के बीच मारपीट

NBT न्यूज, पीजीआई: पीजीआई थाना क्षेत्र के एकता नगर कॉलोनी में छत की ढलाई के दौरान मकान मालिक और मजदूरों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। मजदूर शुभम रावत की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। वहीं मकान मालिक पक्ष ने भी मजदूरों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

405 किमी की पैदल 'दांडी यात्रा' करेंगे रिटायर्ड अफसर

एजेंसी, लखनऊ: देश के अलग-अलग हिस्सों से ताल्लुक रखने वाले सेना के 15 सेवानिवृत्त अफसरों और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक पूर्व अधिकारी समेत 16 लोग अगले महीने साबरमती आश्रम से 'दांडी मार्च' की शुरुआत करेंगे।
इस दल में शामिल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अनिल पुरी ने बताया कि अगले साल तीन जनवरी को साबरमती आश्रम से शुरू होने वाले दांडी मार्च में शिरकत कर रहे सभी 16 लोग 62 साल से ज्यादा की उम्र के हैं और वे देश के अलग-अलग हिस्सों से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने बताया कि अगले साल तीन से 17 जनवरी तक होने वाली इस यात्रा के तहत सभी प्रतिभागी साबरमती आश्रम से दांडी तक दांडी पथ पर 405 किलोमीटर पैदल चलेंगे। यह पदयात्रा उन गांवों और कस्बों से होकर गुजरेगी जिनसे महात्मा गांधी 1930 के नमक सत्याग्रह के दौरान गुजरे थे।

युवा पीढ़ियों को प्रेरित करना उद्देश्य: जनरल पुरी अब लखनऊ में सशस्त्र बल अधिकरण के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि इस मार्च का मकसद इतिहास को सिर्फ याद करने के बजाय उसे अनुभव करके सम्मान देने का है। एक और मुख्य मकसद युवा पीढ़ियों को यह दिखाकर प्रेरित करना भी है कि देशभक्ति, फिटनेस और प्रतिबद्धता 60 साल की उम्र में खत्म नहीं होती।

युवक पर चाकू से हमला करने का आरोपित गिरफ्तार

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: महानगर पुलिस ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के पास से पुलिस ने घटना में प्रयोग किया गया चाकू भी बरामद किया है। महानगर स्थित न्यू हैदराबाद इलाके में किरन वर्मा परिवारीजनों के साथ रहती हैं। उन्होंने शनिवार को महानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दोपहर करीब एक बजे जोशी टोला निवासी प्रिंस और उसके साथियों ने उनके बेटे पर चाकू से हमला कर उसे घायल लहूलुहान कर दिया। पीड़िता को घटना की सूचना करीब दो बजे हुई। वह बेटे को ट्रॉमा सेंटर ले गईं। जहां उसका इलाज शुरू कराया। महानगर पुलिस ने मामले में आरोपित प्रिंस को न्यू हैदराबाद स्थित प्रतिभा तीरथ अपार्टमेंट के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के पास से पुलिस ने हमले में प्रयोग किया गया चाकू भी बरामद किया है।

खाते से पार हो गए हजारों रुपये

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: अलीगंज में एसबीआई कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति के खाते से हजारों रुपये निकल गए। पीड़ित की शिकायत पर मड़ियांव पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। अलीगंज में एसबीआई कॉलोनी में रहने वाले रामकुमार ने पुलिस को बताया कि इंजिनियरिंग कॉलेज चौराहे के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक में उनका अकाउंट है। 2 दिसंबर को शाम करीब चार से पांच बजे के बीच खाते से अलग- अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 1.75 लाख रुपये निकल गए। पीड़ित ने बैंक से संपर्क कर शिकायत की। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

AI Image
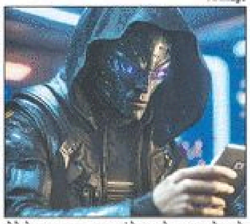

मोबाइल गायब हुआ, खाते से 42,030 रुपये निकाल लिए

फैजुल्लागंज स्थित कृष्णालोक कॉलोनी निवासी रामगुनी ने पुलिस को बताया कि उनका मोबाइल कहीं गिर गया था। मोबाइल में गूगल-पे इंस्टॉल था। फोन गुम होने के बाद अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से उनके खाते से 42,030 रुपये निकाल लिए गए। पीड़िता ने पहले साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज करवाई थी। साइबर सेल ने 34,138 रुपये होल्ड कर दिए थे। शेष रुपये ट्रांसफर हो गए थे।

छह साल पुराने मामले में पति पर दर्ज करवाया मुकदमा

NBT न्यूज, सरोजनीनगर: सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति को दूसरी महिला के साथ पकड़े जाने और मारपीट का आरोप लगाया है। करीब 6 वर्ष पहले हुए मामले में पीड़िता ने अब रिपोर्ट दर्ज करवाई है।
सरोजनीनगर निवासी पीड़िता के मुताबिक पारा थाना क्षेत्र में रहने वाले उसके पति कमलेश यादव पर कोर्ट में पहले से मुकदमा चल रहा है। पीड़िता का आरोप है कि 29 जुलाई 2019 को उसने अपने पति को सरोजनीनगर के गौरी स्थित दिल्ली बेकर्स में नेहा यादव नामक युवती के साथ देखा। उसका आरोप है कि दोनों के बीच अवैध संबंध हैं। इस दौरान पति ने उसके साथ मारपीट भी की। तब से किसी न किसी बात पर पीड़िता को प्रताड़ित कर रहा था।

पति पर झूठ बोलने, प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

NBT न्यूज, आलमबाग: आशियाना थाना इलाके में रहने वाली एक नवविवाहिता ने पति पर पहली पत्नी से तलाक के बाद दूसरा ब्याह रचा ससुराल वालों संग मिलकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है।आशियाना थाना इलाके स्थित मटरूबु बंगला बाजार निवासी गुंजा रावत के अनुसार उसका विवाह बीते वर्ष 22 नवंबर को एलडीए कॉलोनी निवासी पंकज राज के साथ हुआ था। विवाह के दौरान उसके पति ने अपनी पहली शादी की बात छुपा ली। पहली शादी में दहेज प्रताड़ना को लेकर ही तलाक हुआ था।

छात्रा को प्रताड़ित करने के आरोप में युवक पर FIR

NBT न्यूज, आलमबाग: आशियाना थाना इलाके स्थित रजिस्ट्रेड प्रथम में रहने वाले बृजेश कुमार द्विवेदी के अनुसार उनकी बेटी निधि द्विवेदी बीएएलएलबी की छात्रा है। आरोप है कि उनकी पुत्री को आए दिन मोहल्ले में ही रहने वाला नीतेश सिंह तंग करता है। पुलिस के अनुसार पीड़ित पिता की शिकायत पर जांच के बाद नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

युवक को पीटा, मुकदमा दर्ज

NBT न्यूज, आलमबाग: आशियाना थाना इलाके में रहने वाले एक युवक की दबंगों ने बीते एक सप्ताह पहले मित्र के साथ गाली गलौच करने का विरोध करने पर जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित ने उपचार करवाने के बाद स्थानीय आशियाना थाने में लिखित नामजद शिकायत की है। आशियाना थाना इलाके स्थित देवी खेड़ा निवासी विवेक प्रताप सिंह ने बताया कि वह बीते 17 दिसंबर की रात करीब 9.30 बजे थाना क्षेत्र स्थित गोविंद अस्पताल के बगल में चाय पी रहा था। तभी दौरान अचानक वहां अवनीश सिंह, अभिषेक सिंह उसके मित्र प्रखर अग्निहोत्री से गाली गलौच कर रहे थे। वह बीच बचाव करने पहुंचा तो वहां मौजूद 10-15 लोग उसके साथ भी गाली गलौच कर धमकी देने लगे। पीड़ित का कहना है कि उस दौरान तीन गाड़ियां आईं, जिसमें से दो की पहचान है। गाड़ी में 15-20 लोग थे जिसमें से प्रशांत सिंह, युवराज सिंह, देवांश त्रिवेदी, ईशान रस्तोगी एवं कान्हा ने उसकी पिटाई की। उसे लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे पीजीआई ट्रॉमा रेफर कर दिया गया।

नगर पंचायत के पार्षद पर जानलेवा हमला

NBT न्यूज, गोसाईंगंज: गोसाईंगंज नगर पंचायत के पार्षद अखिलेश गुप्ता पर शनिवार की रात कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को देख कर हमलावर फरार हो गए। पुलिस ने घायल पार्षद को सीएचसी गोसाईंगंज पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया।
गोसाईंगंज पुलिस के मुताबिक पार्षद अखिलेश से हमलावर परिचित थे। किसी बात को लेकर आपस में झगड़ा हुआ। विपक्ष में तीन लोग थे और वह अकेले थे। झगड़े के दौरान तीनों आरोपितों ने मिलकर मारा पीटा। मामले में थानाध्यक्ष गोसाईंगंज दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है।

जमीन फर्जीवाड़ा पीड़ित पक्ष जमीन पर कब्जा करने पहुंचे तो धोखाधड़ी का पता चला, दो पक्षों ने दर्ज करवाया मुकदमा

फर्जी कंपनी बना दो लोगों को कर दी एक ही ज़मीन की रजिस्ट्री

NBT न्यूज, निगोहा
निगोहां थाना क्षेत्र में जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने के गंभीर आरोपों को लेकर एक ही कंपनी के खिलाफ दो पक्षों ने मुकदमा दर्ज करवाया है। दोनों मामलों में आरोप है कि फर्जी कंपनी बनाकर कूटरचित दस्तावेजों के जरिए जमीन की रजिस्ट्री करवाई गई। जब पीड़ित पक्ष जमीन पर कब्जा करने पहुंचे तो धोखाधड़ी का पता चला।
बलिया के बलसेर निवासी पीड़िता मनीषा यादव का आरोप है कि उनके चाचा द्वारा निगोहां के शिर्ष गांव में स्थित गाटा संख्या 1036/0.686 हेक्टेअर के विक्रेता अंश से प्लाट संख्या 98 व 99 कुल क्षेत्रफल लगभग 1600 वर्ग फुट की रजिस्ट्री करवाई गई थी। बाद में जानकारी हुई कि विपक्षियों द्वारा फर्जी कंपनी बनाकर धोखाधड़ी के माध्यम से उसी जमीन की रजिस्ट्री किसी अन्य के नाम कर दी गई है। जब वादिनी पक्ष जमीन पर कब्जा लेने पहुंचा तो फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इस मामले में कंपनी के राहुल श्रीवास्तव निवासी मंदा भवन-5, अशोक पैन्यू सम्राट मार्ग, हजरतगंज व वाराणसी के बाबूलाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। इसी तरह दूसरे मामले में पीड़ित बलिया के राजीव कुमार यादव ने भी राहुल श्रीवास्तव से शिर्ष गांव में स्थित गाटा संख्या 1191 रकबा 0.379 हेक्टेअर के विक्रेता अंश से प्लाट संख्या 355 क्षेत्रफल लगभग 1000 वर्ग फुट की रजिस्ट्री करवाई थी, बाद में पता चला कि जिस जमीन की रजिस्ट्री करवाई वह किसी और की है। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने दोनों तहरीरों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्लाट की रजिस्ट्री कर 20 लाख की ठगी करने के आरोप में बिल्डर भाइयों पर FIR

NBT न्यूज, मोहनलालगंज: प्लाट की रजिस्ट्री कर महिला से बीस लाख रुपये की ठगी करने के आरोपित बिल्डर भाइयों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बिहार के सिवान जनपद के तकिया खुर्मबंद निवासी जाहिदा खानम ने बताया कि अमेठी निवासी उनकी मां कमला देवी ने 1250 व 2000 स्क्वॉयर फुट के दो प्लाटों की 20 लाख रुपये में रजिस्ट्री करवाई थी। गोसाईगंज के नूरपुर बेहटा में स्थित मेसर्स ग्रीन लाइफ इंडिया लिमिटेड की प्लाटिंग साइट पर डायरेक्टर देवेंद्र प्रताप सिंह व उनके भाई एसपी सिंह ने रजिस्ट्री की थी। लेकिन रजिस्ट्री कराने के सात साल बाद भी बिल्डर भाइयों ने प्लाट पर कब्जा नहीं दिया। यही नहीं धोखाधड़ी व जालसाजी करते हुए प्लाट की रजिस्ट्री भी दूसरे के नाम कर दी। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया पीड़िता की तहरीर पर आरोपित बिल्डरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

AI Image

प्लाट की बाउंड्री तोड़ने का आरोप

NBT न्यूज, सरोजनीनगर: सरोजनीनगर के हिंदू खेड़ा गांव में रहने वाले अमित कुमार ने अनिल प्रताप, सुरेंद्र प्रताप, शिवकुमार और मिथिलेश कुमारी पर जमीन विवाद को लेकर बाउंड्री तोड़ने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर सरोजनीनगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
अमित के मुताबिक उसने खसरा संख्या 2796 का 1361 वर्ग फुट का भूखंड वर्ष 2017 में बंथरा के सहिजनपुर निवासी अनिल कुमार रावत से खरीदा था और उस पर चार फुट ऊंची बाउंड्रीवाल बनवाई थी। 20 जुलाई 2025 की रात आरोपितों ने जेसीबी मशीन से उसकी बाउंड्रीवाल तोड़ दी और भाई के साथ मारपीट की।

इस साल क्या बदलेगा, 26 नामी एक्सपर्ट्स के जवाब

सरहदों की खटास और गिरते-संभलते बाज़ार के बीच गुजरा बीता साल, अब 2026 के वेलकम के साथ देश की नई तस्वीर का खाका तैयार, हम उम्मीदों के 26 सवाल लेकर पहुंचे अलग-अलग क्षेत्रों के जानकारों के पास, उनके जवाबों से आइये जानें कि अपने पिटारे में ये बरस क्या लेकर आ रहा है खास:

1 क्या भारत 2026 में ग्लोबल साउथ के देशों की बुलंद आवाज़ बन पाएगा?

भारत की विदेश नीति ने हमेशा ऐसी राह पकड़ी जो कि ना सिर्फ उसके हितों बल्कि दूसरे विकासशील देशों की साझा प्राथमिकताओं को भी रेखांकित करती रही है। अतीत में गुटनिरपेक्ष आंदोलन से लेकर 77 समूह में हमारी भागीदारी इसकी गवाह रही है। भारत उपनिवेशवाद से पीड़ित रहा है और दूसरे ऐसे विकासशील देशों के सवालों को समझता है। इसीलिए हम किसी पर अपनी नीतियां थोपते नहीं हैं। ग्लोबल साउथ के देशों से भारत हमेशा यही कहता है कि वो अपनी प्राथमिकताएं तय करें। भारत एक मददगार साथी की तरह अपने अनुभव और विशेषज्ञता उनके साथ साझा करेगा। यही वजह है ग्लोबल साउथ के देश भारत जैसे देश के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं। लेकिन, भारत कभी भी खुद को ग्लोबल साउथ का अगुवा नहीं कहता है। हम विभिन्न मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की आवाज को आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही दूसरे देशों को भी अपनी आवाज रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम न कोई ध्रुव हैं न किसी किसी ध्रुव की तरह दिखना चाहते, बल्कि यह एक साझा रिश्ता है। जो हमारे साथ और हम उनके साथ सहज साझा प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

शशांक, इंटरनैशनल मामलों के जानकार

2 भारत क्या चीन के साथ अपने रिश्तों का कोई स्थायी न्यू नॉर्मल ढूंढ पाएगा?

चीन के साथ भारत बीते कुछ सालों में मुश्किल रिश्तों की उलझन में फंसा है। हालांकि मौजूदा समय में जहां तक भारत चीन रिश्तों की बात है, तो जो स्थिति फिलहाल बनी है, यही नया नॉर्मल है। सीमा पर कड़वे अनुभवों के बाद भारत की कोशिश यही रहेगी कि वह यथास्थिति और शांति कायम रहे और चीन की ओर से उस तरह की आक्रामकता दिखाई न दे, जैसी कि बीते वर्षों में हम देख चुके हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि चीन के साथ व्यापारिक और आर्थिक रिश्ते की शुरुआत और निरंतरता भारत की इकॉनमी के लिए जरूरी है। ऐसे में जो बैलेंस मुश्किल से बना है, वो भी हमारे लिए अहम है। अरुणाचल प्रदेश को लेकर मुद्दे चीन उठाता रहेगा और भारत कूटनीतिक तौर पर निबटता भी रहेगा। सीमा पर प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने और आर्थिक मुद्दे पर इंगेजमेंट कायम रखने के लिए भारत को अपनी अंदरूनी क्षमताओं में इजाफा करना पड़ेगा।

हर्ष पंत, चीन मामलों के जानकार

3 क्या डेटा सुरक्षा कानून लोगों की प्राइवेसी का 'सुरक्षा कवच' बन पाएगा?

डिजिटल प्राइवेट डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियम हाल ही में अधिसूचित हुए हैं। लेकिन इन नियमों के पूरी तरह से क्रियान्वयन में अभी भी 18 महीने तक का वक्त है। ऐसे में 2026 में हमें इस मसले पर एक बदलाव होते हुए जरूर दिखेगा। कंपनियां इस कानून को लागू करने के मद्देनजर अपनी प्रक्रियाओं में बदलाव करेंगी। जहां तक सर्विलांस की बात है तो इसमें एक सवाल ये भी बार-बार उठता है कि हममें से कितने लोग डेटा प्राइवेसी को गंभीरता से लेते हैं? अब कानून बनने के बाद ये सार्वजनिक चर्चा का भी विषय बन गया है तो डेटा प्राइवेसी और निजता को लेकर लोगों में एक जागरूकता जाहिर तौर पर देखने को मिलेगी ही। यानि एक ओर अगला साल कंपनियों के भीतर अंदरूनी व्यवस्थाओं और अनुपालन जैसे मुद्दों का गवाह बनेगा। वहीं सामाजिक और व्यक्तिगत तौर पर हम अपने डेटा को लेकर, सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर कितने सचेत और जागरूक हैं, उससे जुड़ी बहसें और विचार विमर्श सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनेंगे।

ध्रुव शेखर, टेक, IT पॉलिसी के जानकार

4 कई शहरों में पानी खत्म होने का खतरा है। इस पर क्या मास्टर प्लान?

ये सही है कि भूजल कई शहरों में तेजी से ... अगले साल कुछ शहर इस गंभीर संकट को ... इसीलिए इस समस्या से निपटने के लिए ... तरीके से समझना और लागू करना होगा। ... को पुनर्जीवित करना होगा। इनमें से कुछ पर काम हो भी रहा है। जैसे बेंगलुरु अपनी झीलों को फिर जिंदा कर रहा है। एक दूसरा अहम पहलू है ट्रीट किए गए पानी का सही इस्तेमाल। औद्योगिक इकाइयों और सिंचाई के लिए इस तरह के पानी के इस्तेमाल से भूजल पर निर्भरता कम होगी। इसमें नीति आयोग की ओर से पूरे देश के लिए ग्राउंडवॉटर के शैलो एक्वीफर रिचार्ज (उथला जल पुनर्भरण) भी अहम है। इससे हर तरह के कुएं रिचार्ज हो जाएंगे। साफ पानी और वेस्ट वॉटर, दोनों को ध्यान में रख योजनाएं लागू करने से ही जल संरक्षण का मकसद पूरा हो सकता है।

सुष्मिता सेन गुप्ता, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर (सीएसई)

5 रूस-यूक्रेन और मध्य-पूर्व के बाद क्या 2026 में युद्ध साइबर, स्पेस और AI वाला होगा? भारत कितना तैयार है?

दुनिया में चल रही अलग अलग लड़ाइयों में साइबर वॉरफेयर, स्पेस वॉरफेयर और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) अहम हिस्सा है। अब कॉग्निटिव वॉरफेयर भी नया डोमेन बनकर सामने है। साइबर वॉरफेयर का इस्तेमाल इसलिए ज्यादा हो रहा है क्योंकि कहीं से कहीं भी निशाना बना सकते हैं। भारत ने भी डिफेंस साइबर एजेंसी बनाई है लेकिन इस एजेंसी को साइबर कमांड में तब्दील किया जाना चाहिए ताकि ये दुश्मन पर प्रभावी हो। स्पेस वॉरफेयर में सभी देशों ने स्पेस में सेटेलाइट बढ़ाने शुरू किए हैं। भारत भी संजीदगी से काम कर रहा है और डिफेंस स्पेस एजेंसी बनाई जा चुकी है। पर, इसे भी स्पेस कमांड में तब्दील किया जाना चाहिए। AI अपने आप में वॉरफेयर का कोई मोड नहीं है लेकिन ये ऐसी धार है जिसे किसी के भी साथ लगाया जाए तो उसकी मारक क्षमता बढ़ जाती है।

रि. मेजर जनरल अशोक कुमार, डायरेक्टर जनरल, सेंटर फॉर जॉइंट वॉरफेयर स्टडीज

6 क्या भारत 2026–27 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनेगा? आम लोगों तक कितना फायदा पहुंचेगा?

डॉलर के मुकाबले रुपये में करीब 7% की गिरावट ने डॉलर डिनॉमिनेटेड GDP ग्रोथ को एक साल पीछे धकेल दिया है। RBI के GDP अनुमानों के हिसाब से अभी GDP 4 ट्रिलियन डॉलर से नीचे आ गई है। 5 ट्रिलियन डॉलर का पड़ाव 2027-28 या 2028-29 तक ही हासिल हो पाएगा। अभी प्रति व्यक्ति आय भी 2700 डॉलर रह गई है, पहले 2900 डॉलर का अनुमान था। GDP बढ़ने का मतलब है कि इकॉनमी का फॉर्मल से लेकर इनफॉर्मल तक, हर हिस्सा आगे बढ़ा है। वैसे, इस तस्वीर में एक पेच है। सरकार की योजना अगले साल फरवरी से 2022-23 को नई GDP सीरीज के रूप में अपनाने की है। अभी 2011-12 की सीरीज है। इस कदम से GDP 8-10% बढ़ जाएगा और जापान को पीछे छोड़कर भारत तुरंत ही दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगा।

समीर रस्तोगी, डायरेक्टर, सक्षम वेल्थ Pvt Ltd

7 क्या 'चाइना प्लस वन' रणनीति का फायदा भारत उठा पाएगा या वियतनाम और मैक्सिको बाज़ी मार ले जाएंगे?

दुनिया का व्यापार तेजी से बदल रहा है और आज ज्यादातर बड़ी कंपनियां 'चाइना प्लस वन' रणनीति अपना रही हैं। इसका मतलब है कि वे चीन के साथ-साथ दूसरे देशों में भी उत्पादन बढ़ाना चाहती हैं। यह स्थिति भारत के लिए एक बड़ा मौका है। भारत के पास बड़ा घरेलू बाजार है, युवा आबादी है, मजबूत आईटी और सेवा क्षेत्र है और सरकार लगातार सुधार कर रही है। पीएलआई जैसी योजनाएं कंपनियों को भारत में निर्माण के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। अगर सरकार और उद्योग मिलकर निवेश को आसान बनाएं, सड़क-पोर्ट जैसी सुविधाएं बेहतर करें और व्यापार की प्रक्रिया सरल रखें, तो भारत वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत जगह बना सकता है। लेकिन मुकाबला आसान नहीं है। वियतनाम इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल निर्माण में तेजी से आगे बढ़ा है। वहां लागत कम है और निर्यात आसान है। मैक्सिको भी अमेरिका के पास होने का फायदा उठाकर ऑटो और मशीनरी में आगे बढ़ रहा है। भारत सुधारों की रफ्तार बढ़ाकर, नई तकनीक अपनाकर, युवाओं को सही कौशल देकर और राज्यों की भूमिका मजबूत कर इस मौके का फायदा उठा सकता है। चाइना प्लस वन भारत के लिए लंबे समय का अवसर है।

डॉ. अजय सहाय, डायरेक्टर जनरल, FIEO

8 एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर होने का खतरा भारत में अधिक है। क्या इसका तोड़ निकलेगा?

एंटीबायोटिक दवाओं का बेअसर होना, जिसे सुपरबग्स कहा जाता है, आज एक गंभीर खतरा बन चुका है। पेनिसिलिन की खोज के समय ही वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि अगर इन दवाओं का गलत इस्तेमाल हुआ, तो बैक्टीरिया मजबूत हो जाएंगे। आज यही हो रहा है। बिना जरूरत एंटीबायोटिक लेना, पूरा कोर्स न करना, अस्पतालों में सफाई की कमी और नकली दवाओं के कारण कई बैक्टीरिया दवा के असर से बाहर हो चुके हैं। आईसीयू में सेप्सिस के मामले बढ़ रहे हैं और टाइफाइड व टीबी जैसी बीमारियां भी इलाज में मुश्किल बन रही हैं। इससे इलाज लंबा और महंगा हो जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए डॉक्टरों के साथ आम लोगों की भी जिम्मेदारी है। एंटीबायोटिक का सही और सीमित इस्तेमाल, टीकाकरण और साफ-सफाई बहुत जरूरी है। वैज्ञानिक नए इलाज खोज रहे हैं। फेज थेरेपी में ऐसे वायरस इस्तेमाल होते हैं जो सिर्फ हानिकारक बैक्टीरिया को मारते हैं। एआई की मदद से नई और असरदार दवाएं भी विकसित की जा रही हैं।

डॉ. नीरज निश्चल, एम्स दिल्ली

9 क्या BJP बंगाल का किला फतेह करने में कामयाब हो पाएगी? या वहां की सियासत चुनौती बनी रहेगी?

अब किसी भी चुनाव की जीत या हार पहले से तय नहीं मानी जा सकती। बिहार समेत कई राज्यों में यह देखा गया है कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी योजनाओं का सीधा फायदा लोगों तक पहुंचता है और इसका असर चुनावी नतीजों पर पड़ता है। पश्चिम बंगाल में स्थिति थोड़ी अलग है। यहां केंद्र की बीजेपी सरकार और राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार, दोनों के पास लोगों को लाभ देने के अवसर हैं। ममता बनर्जी सरकार पहले से ही महिलाओं और गरीब वर्ग के लिए कई योजनाएं चला रही है। 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को करीब 47–48 प्रतिशत और बीजेपी को 38 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे। इस अंतर को कम करना बीजेपी के लिए ... जैसे बड़े राज्य में बीजेपी को जीत के लिए करीब पांच प्रतिशत ... 2021 में बीजेपी ने मेहनत की और उसकी सीटें 3 से बढ़कर 77 ... जीतकर सरकार बनाई। साफ है कि बंगाल में बीजेपी के लिए राह ...

आशीष रंजन, को-फाउंडर, DALES

10 क्या प्रदूषण का हल निकलेगा? दिल्लीवाले साफ सांसों की उम्मीद कर सकते हैं?

अच्छी प्लानिंग के साथ अगले साल प्रदूषण का हल निकल सकता है। ज़मीनी स्तर पर कोशिशें दिखाई दे रही हैं, जरूरत है इन्हें साइंटिफिक तरीके से अमल में लाने की। क्लाउड सीडिंग और एंटी स्मॉग मशीनों जैसे उपायों से आगे बढ़कर हमें सबसे पहला काम गाड़ियों और इंडस्ट्री पर करना है। इसके बाद धूल और कचरा हमारी प्राथमिकता की लिस्ट में होना चाहिए। पुरानी हो चुकी गाड़ियों को जितना जल्दी हो सके हमें बदलना चाहिए। इलेक्ट्रिक गाड़ियों की तरफ बढ़ना है। उद्योगों में प्रदूषण ... तौर पर दिखने लगा है। अगर पूरे हैं कि 2026 कुछ अच्छा देखने को मिलेगा।

सुनीता नारायण, डायरेक्टर जनरल, सीएसई

11 गगनयान मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की तैयारी में 2026 कितना अहम है?

2026 भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए ... साल गगनयान मिशन ... पूरी होगी। गगनयान ... अंतरिक्ष यात्रियों को ... दिन के लिए भेजने ... बिना मानव वाली उड़ानें ... रोबोट, क्रू मॉड्यूल, जीवन सहायता प्रणाली, आपातकालीन बचाव सिस्टम और सुरक्षित वापसी की पूरी जांच होगी। 2026 की ये उड़ानें तय करेंगी कि भारत 2027 में इंसानों को अंतरिक्ष भेज पाएगा। भारत ने 2035 तक अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक स्वदेश रूप से चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री भेजकर उन्हें सुरक्षित वापस लाने का लक्ष्य रखा है।

एस उन्नीकृष्णन नायर, फाउंडिंग डायरेक्टर, HSFC

12 जीन थेरेपी, जीन एडिटिंग इतनी सुरक्षित -सस्ती होगी कि दिल की बीमारी-डायबिटीज़ जैसे रोगों का इलाज बन सके?

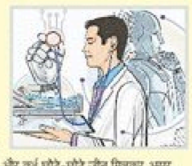

आजकल CRISPR जीन एडिटिंग तकनीक की काफी चर्चा हो रही है। सरल शब्दों में, यह तरीका शरीर के खराब जीन को ठीक करने में मदद करता है। इसके जरिए सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया जैसी बीमारियों का इलाज संभव हो गया है और अमेरिका की FDA से मंजूरी भी मिल चुकी है। कई अन्य बीमारियों पर भी इसके क्लीनिकल ट्रायल चल रहे हैं। लेकिन हार्ट फेलियर या डायबिटीज जैसी आम बीमारियां केवल एक जीन की वजह से नहीं होतीं। इनमें जीवनशैली, खान-पान और कई छोटे-छोटे जीन मिलकर असर डालते हैं। फिर भी कुछ बीमारियां, जैसे फैमिलियल हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया (FH), एक प्रमुख जीन की वजह से होती है। इसमें कोलेस्ट्रॉल बढ़कर दिल की बीमारी का खतरा बढ़ा देता है। ऐसे मामलों में जीन एडिटिंग ज्यादा असरदार साबित हो सकती है। भारत में भी कम लागत वाली जीन थेरेपी और नए इलाज विकसित करने पर तेजी से काम हो रहा है। लक्ष्य है कि ये आधुनिक इलाज सिर्फ विदेशों तक सीमित न रहें, बल्कि आम मरीजों तक आसानी से पहुंचें।

डॉ. रत्ना दुआ पुरी, सर गंगाराम अस्पताल

13 नई शिक्षा नीति के 6 साल बाद 2026 में क्या रट्टा मारना खत्म कर बच्चों में सोचने की समझ पैदा हो पाएगी?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयों तक सिलेबस और शिक्षा प्रणाली में बदलाव जारी है। परीक्षा पैटर्न और मूल्यांकन के तरीकों में सुधार शुरू हो गया है। 2026 में सीबीएसई दसवीं की बोर्ड परीक्षा दो बार होगी, और नए साल में शिक्षा में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। इन बदलावों से रटने की आदत धीरे-धीरे कम हो रही है। एंट्रेंस टेस्ट का पैटर्न भी बदलकर रटंत शिक्षा को घटाकर छात्रों में आलोचनात्मक सोच यानी क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय भाषाओं में शिक्षा, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से रटने की आदत कम होगी। शिक्षा में सुधार केवल छात्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षकों की तैयारी और मूल्यांकन प्रणाली भी जरूरी है। बालवाटिका स्तर के शिक्षकों को नई तकनीक से पढ़ाने के लिए तैयार किया जा रहा है। इससे क्लासरूम में पढ़ाई अधिक समझ पर आधारित होगी और रटने की आदत कम होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्पष्ट रूप से कहती है कि परीक्षा प्रणाली बच्चों की क्षमता बढ़ाने वाली होनी चाहिए, केवल याद करने की शक्ति पर निर्भर नहीं। सीबीएसई और अन्य बोर्ड योग्यता-आधारित मूल्यांकन ढांचे के माध्यम से यह बदलाव लागू कर रहे हैं।

प्रो. आर. बी. सोलंकी, शिक्षाविद

14 क्या लीग क्रिकेट के असर से टेस्ट-वनडे सिमट जाएंगे और खिलाड़ी सिर्फ फ्रेंचाइजी के होकर रह जाएंगे?

... लीग क्रिकेट इस खेल का प्रमुखतम फॉर्मेट बनकर उभरेगा।

आकाश चोपड़ा, पूर्व क्रिकेटर, क्रिकेट कॉमेंटेटर

15 ओलिंपिक्स की मेज़बानी की दावेदारी भारत पेश करेगा, क्या इन्फ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त होगा?

साल 2026 ही वह वर्ष होगा जब भारत ओलिंपिक्स 2036 के लिए ज़ोर-शोर से दावा पेश करेगा। IOA की प्रेसिडेंट होने के नाते मैं ये कहूंगी कि आज का भारत दो दशक पहले का भारत नहीं है, वह पूरी तरह बदल चुका है। हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर, हमारी सांगठनिक क्षमता और खेल को लेकर हमारी महत्वाकांक्षाओं में अभूतपूर्व इजाफा हो चुका है। यह बात भी पूरी तरह सही है कि साल 2030 में अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स (CWG) का आयोजन करने से हमारी यह नींव और ज्यादा मजबूत हो पाएगी। CWG का आयोजन हमारे लिए एक ऐसा सुनहरा अवसर होगा जिसमें हम यह प्रदर्शित कर पाएंगे कि भारत भी मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट वाली बड़ी प्रतियोगिताओं का विश्वस्तरीय स्टैंडर्ड के हिसाब से आयोजन करने में पूरी तरह सक्षम है। इसकी मेजबानी से हमारे पास नए स्टेडियम्स, गेम्स विलेज, ट्रांसपोर्ट सिस्टम और हॉस्पिटैलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के साथ-साथ तकनीक फ्रेमवर्क के विकास में भी गति आएगी। सबसे अहम बात यह है कि यह देशभर में लाखों लाख युवाओं को इस प्रक्रिया में शामिल कर भारतीय खेल संस्कृति के विकास को भी बढ़ावा देगा। ये सब बातें मिलकर स्वाभाविक रूप से इंटरनैशनल ओलिंपिक कमिटी (IOC) के अंदर भारत का ओलिंपिक्स-2036 के आयोजन का दावा काफी मजबूत करती है।

पीटी उषा, पूर्व ऐथलीट, प्रेसिडेंट (IOA)

16 2026 तक खान तिकड़ी और बड़े स्टार 60 पार कर जाएंगे, क्या बॉलिवुड नया पैन-इंडिया स्टार बना पाएगा या सिर्फ कॉन्टेंट चलेगा?

इस साल 60 साल के हो चुके तीनों खान सितारों ने कई दशक तक सुपरस्टारडम एन्जॉय किया है। लेकिन आने वाले वक्त में किसी दूसरे सितारे के लिए ऐसा स्टेटस हासिल करना आसान नहीं होगा। आजकल वैसे भी ओटीटी के चलते दर्शक की पहुंच न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया की तमाम भाषाओं के अच्छे कॉन्टेंट तक हो गई है। इसलिए अब सुपर स्टार बनने के लिए ऐक्टर के टैलंट व स्टारडम के साथ उसकी फिल्मों का कॉन्टेंट भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लेकिन आजकल दर्शक फिल्म के टीजर और ट्रेलर से उसके कॉन्टेंट को देखकर उसे देखने या न देखने का मन बना लेते हैं। जबकि पहले सिर्फ शाहरुख, सलमान व आमिर जैसे सुपरसितारे का नाम ही काफी होता था। बेशक मौजूदा पीढ़ी के कलाकारों के लिए खान सितारों जैसा स्टारडम हासिल करना मुश्किल है, लेकिन फिर भी रणबीर कपूर और रणवीर सिंह दोनों में ऐक्टिंग की दुनिया में बड़ा नाम बनाने की काफी संभावनाएं हैं। वहीं बात अगर पैन इंडिया सितारों की करें, तो अभी तक ऑफिशली ऐसा कोई टर्म मौजूद नहीं है। बावजूद इसके प्रभास और अल्लू अर्जुन जैसे सितारों के स्टारडम को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

गिरीश जौहर, प्रोड्यूसर, फिल्म बिजनेस एनालिस्ट

17 AI स्क्रिप्ट-म्यूज़िक बना सकता है, तो लेखकों-कलाकारों के रोजगार का क्या होगा, क्या सिंथेटिक सिनेमा की ओर जा रहे हैं?

AI बेशक स्क्रिप्ट लिख सकता है, म्यूजिक बना सकता है, मगर क्या वह एक इंसान की तरह लिख सकता है? उसकी तरह सोच सकता है? क्या एआई इंसानी दिमाग की तरह हो सकता है, जिसमें याद्दाश्त हो, भावनाएं हों कि एक इंसान को कब रोना आता है, कब हंसना आता है, वह किस सिचुएशन में किस तरह रिएक्ट करता है? अगर हां, तब तो राइटर्स ही नहीं, सभी को डरने की जरूरत है, क्योंकि हम सब घर पर बैठ जाएंगे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि एआई उस स्तर तक पहुंच सकता है। हालांकि एआई लेखन के कुछ फॉर्मेट में इंसान को रिप्लेस कर सकता है। जैसे लेटर्स, ई-मेल या कोई टेंपलेट बेस्ड राइटिंग, जहां आपको एक ही चीज बार-बार चाहिए, तो वहां आप एक कोड भर दें, तो एआई वो काम कर देगा। ऐसे में, इस तरह के काम करने वालों की नौकरियां एआई खा सकता है। इसके अलावा, आप एक फॉर्मेट भर दें कि ऐसी फिल्में जो पहले लिखी गई हैं, वैसी एक फिल्म लिखिए तो वो शायद एआई लिख सकता है, मगर मेरे हिसाब से वो बहुत औसत काम होगा, क्योंकि वो पहले से मौजूद कामों का ही एक घालमेल होगा। अगर आपको कुछ नया रचना है, अलग करना है, तो चलने-फिरने, सोचने वाले इंसान की ही जरूरत पड़ेगी।

कनिका ढिल्लन, राइटर-प्रड्यूसर

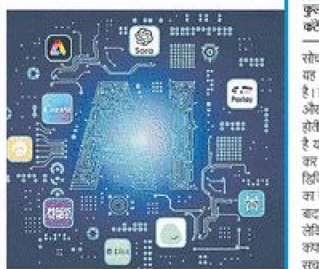

18 इन्फ्लुएंसर्स, यू-ट्यूबर्स फिल्मों में आ रहे हैं, क्या 'एक्टिंग टैलेंट' और 'सोशल मीडिया फॉलोअर्स' के बीच की लाइन मिट जाएगी?

हर किसी का मकसद आखिरकार एक्टिंग और बड़े पर्दे तक पहुंचना ही होता है। पहले लोग नाटक, टैलेंट हंट या एक्टिंग इंस्टिट्यूट के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखते थे। फिर टेलिविजन आया, जिसने कलाकारों को एक नया मंच दिया। उसके बाद ओटीटी प्लैटफॉर्म्स आए और अब सोशल मीडिया और यूट्यूब इन्फ्लुएंसर बनकर आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है। आज कोई मेरठ में है, कोई बरेली में। हर किसी के लिए मुंबई आकर स्ट्रगल करना और महंगे खर्च उठाना संभव नहीं है। सोशल मीडिया ने कलाकारों को एक नया मौका दिया है। चाहे यह 2026 में हो या बाद में, लक्ष्य सिनेमा ही है। अभिनय का महासागर सिनेमा है और छोटी-छोटी धाराएं अंततः उसी में मिलती हैं। यह बदलाव अच्छी बात है। हमारे समय में मथुरा से मुंबई आकर गेस्ट हाउस में रहना, भूखे रहना और माता-पिता की चिंता उठाना पड़ता था। आज कम से कम यह संघर्ष कम हो गया है। आप घर से यूट्यूबर बन सकते हैं, कमाई कर सकते हैं और फिल्म तक पहुंच सकते हैं। टैलेंटेड लोग ही गांव-खेड़ों में बैठकर इतने फॉलोअर्स बना पाते हैं। यह सच में एक कमाल का रास्ता है।

अनिल शर्मा, फिल्म डायरेक्टर

19 जब तापमान 50 डिग्री को छूने लगेगा, तो भारत की श्रम शक्ति की सेहत और क्षमता को बचाने का क्या रास्ता है?

जलवायु वैज्ञानिक अलग-अलग मॉडलों की मदद से यह अनुमान लगाते हैं कि भविष्य में मौसम और तापमान में क्या बदलाव आ सकते हैं। इन अध्ययनों से साफ है कि भारत पर भी जलवायु परिवर्तन का गहरा असर पड़ रहा है। शोध बताते हैं कि आने वाले समय में तापमान और नमी के कारण होने वाला हीट स्ट्रेस भारत के कई हिस्सों में बढ़ेगा। इसका सबसे बुरा असर खुले में काम करने वाले मजदूरों पर पड़ेगा। देश के कई हिस्सों में उनकी काम करने की क्षमता घटेगी, लेकिन तटीय इलाकों में यह कमी करीब 35 प्रतिशत तक हो सकती है। ऐसे हालात में काम के दौरान आराम का समय बढ़ाना जरूरी होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, भारी काम करने वालों को हर घंटे में कम से कम 15 मिनट अतिरिक्त आराम देना चाहिए। बढ़ती गर्मी का मुख्य कारण वैश्विक तापमान में इजाफा है। इसी देखते हुए भारत ने 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है और सौर-पवन ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है। गर्मियों में काम के समय में बदलाव और मजदूरों की सुरक्षा अब बेहद जरूरी हो गई है।

प्रो. लक्ष्मी कुमार, एनवायरनमेंटल साइंस, जेएनयू

20 क्या भारत अपनी युवा आबादी से दुनिया का HR कैपिटल बन पाएगा?

भारत के लिए अपनी युवा आबादी को हुनरमंद बनाकर दुनिया की 'HR कैपिटल' बनने की महत्वाकांक्षा तो सही है, लेकिन इसे हासिल करना आसान नहीं है। हाल के वर्षों में वैश्विक भू-राजनीतिक बदलावों और घरेलू राजनीतिक परिस्थितियों के कारण यूरोप और अमीर देशों में श्रमिकों और प्रोफेशनलों की आवाजाही पर सख्ती बढ़ी है। इसके बावजूद कुछ सेक्टर, जैसे हाई-टेक, रिसर्च, बुजुर्गों की देखभाल, नर्सिंग और पैरामेडिकल जैसी केयर इकॉनमी में उच्च शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं की मांग बढ़ रही है। भारत की युवा आबादी में इसे पूरा करने की संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें वैश्विक स्तर का हुनर और कौशल हासिल करना होगा। वास्तविकता यह है कि भारत अभी इस लक्ष्य में पीछे है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, देश की कुल श्रमशक्ति का सिर्फ 4.4% ही कुशल है। कौशल विकास मंत्रालय के अनुसार, केवल 50% से थोड़े अधिक ग्रैजुएट ही आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी कौशल रखते हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट भी यह बताती है कि भारत कई एशियाई देशों से युवा कौशल के मामले में पीछे है। उद्योग और सेवा क्षेत्र की कंपनियां भी योग्य और प्रशिक्षित युवा नहीं मिलने की शिकायत करती हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए भारत को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण संस्थान बनाने होंगे और इसे मिशन मोड में लागू करना होगा। इंडस्ट्री को भी प्रायोगिक प्रशिक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़े बताते हैं कि भारत में इंडस्ट्री की हिस्सेदारी सिर्फ 36% है, जबकि चीन में यह 85% तक है। दुनिया की 'HR कैपिटल' बनने के लिए भारत को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की गुणवत्ता बढ़ाने, वैश्विक स्तर का प्रशिक्षण सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य व पोषण पर ध्यान देने की जरूरत है। इसके बिना देश अपने 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' का सुनहरा मौका खो देगा।

प्रोफेसर आनंद प्रधान, भारतीय जनसंचार संस्थान, ढेंकानाल

21 ई-स्पोर्ट्स एशियन गेम्स में इवेंट होगा, क्या भारत गेमिंग को करियर मानेगा?

2026 के एशियन गेम्स भारत के लिए निर्णायक पड़ाव साबित होंगे, क्योंकि ई-स्पोर्ट्स पहली बार दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित खेल मंचों में से एक पर पूर्ण पदक स्पर्धा के रूप में अपनी जगह बनाएगा। वैसे भारत में ई-स्पोर्ट्स को एक विश्वसनीय करियर के रूप में मान्यता मिलने की शुरुआत 2026 ... वह हकदार था। देश भर में युवा खिलाड़ी, क्रिएटर, एनालिस्ट, प्रोड्यूसर, डिजाइनर और उद्यमी के रूप में गंभीर और भविष्य के लिए तैयार करियर गढ़ रहे हैं। पैरेंट्स और मुख्यधारा की आवाजों ने ई-स्पोर्ट्स के प्रभाव को पहचाना है। जैसे-जैसे हम 2026 की ओर बढ़ रहे हैं, सवाल अब स्वीकार्यता का नहीं रहा। असली प्रश्न यह है कि हम अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर को कितनी तेजी से उन्नत कर सकते हैं और मजबूत मेंटरशिप रास्ते कैसे विकसित कर सकते हैं, ताकि भारतीय चैंपियनों की अगली पीढ़ी को तैयार किया जा सके।

अनिमेष अग्रवाल, CEO, 8Bit Creatives

22 डीपफेक से चुनावों पर क्या असर और इससे निपटने का क्या है रास्ता?

पहले लोग सोचते थे, 'अगर दिख रहा है तो सच होगा।' अब हमें सीखना होगा, 'पहले जांच करो, फिर भरोसा करो।' क्योंकि डीपफेक में सच-झूठ में फर्क करना मुश्किल है। चुनाव के समय यह बहुत जरूरी हो जाता है, क्योंकि एक झूठी तस्वीर या विडियो लोगों की सोच को जल्दी बदल सकता है। असली समाधान है यह जानना कि कोई फोटो या विडियो कहां से आया है। इसके लिए नई तकनीक आ रही है, जिसमें फोटो और विडियो के साथ खास डिजिटल जानकारी जुड़ी होती है। इससे पता चल सकेगा कि कंटेंट असली है या बदला गया है। ब्लॉकचेन तकनीक इसमें मदद कर सकती है। ...

कुलवंत नागी, AI कंटेंट एक्सपर्ट

23 AI के दौर में भारतीय युवाओं के लिए रोज़गार के नए मौके क्या होंगे?

यह सच है जब AI को कोडिंग और लेखन जैसे 'व्हाइट कॉलर' जॉब दिए जाएंगे, तो भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के मायने बदल जाएंगे। पहली कैटिगरी तो उन लोगों की होगी जो AI से संबंधित नीति या योजना बनाएंगे, क्योंकि मौलिक विचारों और संवेदना युक्त चिंतन की जगह AI नहीं ले पाएगा। दूसरा युवा वर्ग वह होगा जो इस नीति को एग्जिक्यूट करेगा।

यकीनन इन दोनों वर्गों की संख्या कम होगी पर प्रतिभाएं अपना रास्ता खोज लेंगी। कोडिंग और क्रिएटिव राइटिंग जैसे मामलों में मनुष्य और AI में सहयोग होगा। कभी एक लीड करेगा कभी दूसरा। कौन कब? यह समय, प्रतिभा और जरूरत पर निर्भर करेगा। इलॉन मस्क ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा था नौकरियां ऑप्शनल हो जाएंगी। इसे बेरोजगारी बढ़ने को सुंदर शब्द में परोसना भी कहा जा सकता है। हां, कुछ संपन्न देश ऐसे जरूर होंगे जो युवाओं को ठीक ठाक बेरोजगारी भत्ता दे सकेंगे। लेकिन बहुत से युवा AI के एक्टिव या पैसिव रिसीवर होंगे। ये बेचारे कंज्यूमर लाइक, डिसलाइक सब्सक्राइब के मकड़जाल में आज से ज्यादा उलझ जाएंगे। कुछ मेहनताना ज्यादा हो सकता है।

अमिताभ श्रीवास्तव, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

24 क्या भारत खुद का मजबूत AI इन्फ्रास्ट्रक्चर बना पाएगा या हम डेटा के लिए विदेशी कंपनियों पर ही निर्भर रहेंगे?

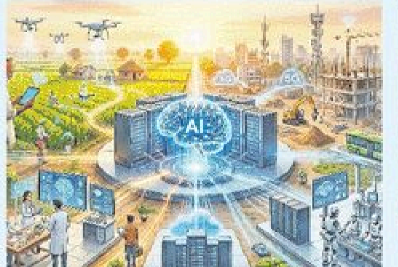

भारत सरकार AI को देश के विकास का एक बड़ा साधन मान रही है। ... AlKosh नाम का प्लैटफॉर्म भी बनाया जा रहा है, जहां हजारों AI डेटा सेट उपलब्ध होंगे।

इला कुमार, प्रोफेसर, IGDTUW

25 इलेक्ट्रिक वीकल और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारत की इस साल कितनी बदलेगी तस्वीर?

भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की रफ्तार अब साफ दिखने लगी है। 2025 में EV की बिक्री 2024 के मुकाबले डेढ़ गुनी हुई है। 2026 में भी यह ग्रोथ जारी रहने की उम्मीद है। ... 2026 तक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी बेहतर होगा, EV की ग्रोथ भी बनी रहेगी।

विनय रैना, CCO, JSW MG मोटर इंडिया

26 सोशल मीडिया-डिजिटल लत से गिरती मेंटल हेल्थ से जेनरेशन अल्फा और Gen-Z को बचाने की क्या तैयारी है?

आज की Gen-Z और जेनरेशन अल्फा ऐसे डिजिटल माहौल में बड़ी हो रही है, जहां सोशल मीडिया, स्मार्टफोन और इंटरनेट जीवन का अहम हिस्सा बन चुके हैं। मनोरंजन, पढ़ाई, दोस्ती और पहचान सब कुछ स्क्रीन के जरिए तय हो रहा है। ... करना, नोटिफिकेशन सीमित करना और मल्टी-टास्किंग से बचना।

डॉ विपुल जनार्दन, साइकियाट्रिस्ट

हेमंत राजौरा, अल्पयू सिंह, अखिलेश सिंह, भूपेंद्र शर्मा, पूनम गौड़, प्रदीप तिवारी, अभिषेक गौतम, खालिद अमीन, रेखा खान, राहुल कुमार, रमेश रंजन ने अलग-अलग फील्ड के नामी एक्सपर्ट्स से बातचीत कर तैयार की यह खास रिपोर्ट

इस साल क्या बदलेगा, 26 नामी एक्सपर्ट्स के जवाब

सरहदों की खटास और गिरते-संभलते बाज़ार के बीच गुजरा बीता साल, अब 2026 के वेलकम के साथ देश की नई तस्वीर का खाका तैयार, हम उम्मीदों के 26 सवाल लेकर पहुंचे अलग-अलग क्षेत्रों के जानकारों के पास, उनके जवाबों से आइये जानें कि अपने पिटारे में ये बरस क्या लेकर आ रहा है खास:

1 क्या भारत 2026 में ग्लोबल साउथ के देशों की बुलंद आवाज़ बन पाएगा?

शशांक, इंटरनैशनल मामलों के जानकार

भारत की विदेश नीति ने हमेशा ऐसी राह पकड़ी जो कि ना सिर्फ उसके हितों बल्कि दूसरे विकासशील देशों की साझा प्राथमिकताओं को भी रेखांकित करती रही है। अतीत में गुटनिरपेक्ष आंदोलन से लेकर '77 समूह' में हमारी भागीदारी इसकी गवाह रही है। भारत उपनिवेशवाद से पीड़ित रहा है और दूसरे ऐसे विकासशील देशों के संघर्षों को समझता है। इसीलिए हम किसी पर अपनी नीतियां थोपते नहीं हैं। ग्लोबल साउथ के देशों से भारत हमेशा यही कहता है कि वो अपनी प्राथमिकताएं तय करें। भारत एक मददगार साथी की तरह अपने अनुभव और विशेषज्ञता उनके साथ साझा करेगा। यही वजह है ग्लोबल साउथ के देश भारत जैसे देश के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं। लेकिन, भारत कभी भी खुद को ग्लोबल साउथ का अगुवा नहीं कहता है। हम विभिन्न मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की आवाज को आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही दूसरे देशों को भी अपनी आवाज रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम न कोई ध्रुव हैं न किसी ध्रुव की तरह दिखना चाहते, बल्कि यह एक साझा रिश्ता है। वो हमारे साथ और हम उनके साथ सहज साझा प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

2 भारत क्या चीन के साथ अपने रिश्तों का कोई स्थायी न्यू नॉर्मल ढूंढ पाएगा?

[illegible]

3 क्या डेटा सुरक्षा कानून लोगों की प्राइवेसी का 'सुरक्षा कवच' बन पाएगा?

[illegible]

4 कई शहरों में पानी खत्म होने का खतरा है। इस पर क्या मास्टर प्लान?

ये सही है कि भूजल कई शहरों में तेज़ी से कम हो रहा है और अगले साल कुछ शहर इस गंभीर संकट को अपने सामने खड़ा पाएंगे। [illegible]

5 रूस-यूक्रेन और मध्य-पूर्व के बाद क्या 2026 में युद्ध साइबर, स्पेस और AI वाला होगा? भारत कितना तैयार है?

[illegible]

6 क्या भारत 2026-27 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनेगा? आम लोगों तक कितना फायदा पहुंचेगा?

[illegible]

7 क्या 'चाइना प्लस वन' रणनीति का फायदा भारत उठा पाएगा या वियतनाम और मैक्सिको बाजी मार ले जाएंगे?

[illegible]

8 एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर होने का खतरा भारत में अधिक है। क्या इसका तोड़ निकलेगा?

एंटीबायोटिक दवाओं का बेअसर होना, [illegible]

9 क्या BJP बंगाल का किला फतेह करने में कामयाब हो पाएगी? या वहां की सियासत चुनौती बनी रहेगी?

[illegible]

10 क्या प्रदूषण का हल निकलेगा? दिल्लीवाले साफ सांसों की उम्मीद कर सकते हैं?

[illegible]

11 गगनयान मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की तैयारी में 2026 कितना अहम है?

[illegible]

12 जीन थेरेपी, जीन एडिटिंग इतनी सुरक्षित-सस्ती होगी कि दिल की बीमारी-डायबिटीज जैसे रोगों का इलाज बन सके?

आजकल CRISPR जीन एडिटिंग तकनीक काफी चर्चा हो रही है। सरल शब्दों में, [illegible]

13 नई शिक्षा नीति के 6 साल बाद 2026 में क्या रट्टा मारना खत्म कर बच्चों में सोचने की समझ पैदा हो पाएगी?

[illegible]

14 क्या लीग क्रिकेट के असर से टेस्ट-वनडे सिमट जाएंगे और खिलाड़ी सिर्फ फ्रेंचाइजी के होकर रह जाएंगे?

[illegible]

15 ओलिंपिक्स की मेजबानी की दावेदारी भारत पेश करेगा, क्या इन्फ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त होगा?

[illegible]

16 2026 तक खान तिकड़ी और बड़े स्टार 60 पार कर जाएंगे, क्या बॉलिवुड नया पैन-इंडिया स्टार बना पाएगा या सिर्फ कॉन्टेंट चलेगा?

[illegible]

17 AI स्क्रिप्ट-म्यूज़िक बना सकता है, तो लेखकों-कलाकारों के रोजगार का क्या होगा, क्या सिंथेटिक सिनेमा की ओर जा रहे हैं?

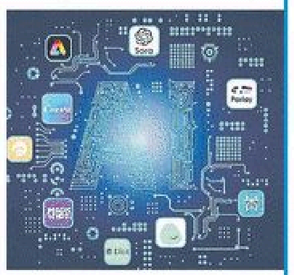

[illegible]

18 इन्फ्लुएंसर्स, यू-ट्यूबर्स फिल्मों में आ रहे हैं, क्या 'एक्टिंग टैलेंट' और 'सोशल मीडिया फॉलोअर्स' के बीच की लाइन मिट जाएगी?

[illegible]

19 जब तापमान 50 डिग्री को छूने लगेगा, तो भारत की श्रम शक्ति की सेहत और क्षमता को बचाने का क्या रास्ता है?

[illegible]

20 क्या भारत अपनी युवा आबादी से दुनिया का HR कैपिटल बन पाएगा?

[illegible]

21 ई-स्पोर्ट्स एशियन गेम्स में इवेंट होगा, क्या भारत गेमिंग को करियर मानेगा?

[illegible]

22 डीपफेक से चुनावों पर क्या असर और इससे निपटने का क्या है रास्ता?

[illegible]

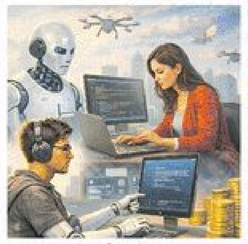

23 AI के दौर में भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके क्या होंगे?

[illegible]

24 क्या भारत खुद का मजबूत AI इन्फ्रास्ट्रक्चर बना पाएगा या हम डेटा के लिए विदेशी कंपनियों पर ही निर्भर रहेंगे?

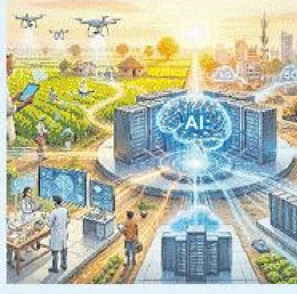

[illegible]

25 इलेक्ट्रिक वीकल और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारत की इस साल कितनी बदलेगी तस्वीर?

[illegible]

26 सोशल मीडिया-डिजिटल लत से गिरती मेंटल हेल्थ से जेनरेशन अल्फा और Gen-Z को बचाने की क्या तैयारी है?

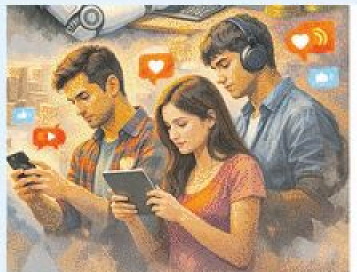

[illegible]

GOODBYE 2025 ● WELCOME 2026

CCI NG 3.7 Product: NBTLucknowBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: NBTLPG8 User: cci Time: 12-28-2025 22:44 Color:

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित) । सोमवार, 29 दिसंबर 2025

कहीं भी होने वाला अन्याय, हर जगह न्याय के लिए ख़तरा होता है।
- मार्टिन लूथर किंग जूनियर

नया क़ानून चाहिए

'मैं भारतीय हूं'... देहरादून में दम तोड़ने वाले त्रिपुरा के एंजेल चकमा के ये आखिरी शब्द हर भारतीय को झकझोरने वाले होने चाहिए। अपनी पहचान से संघर्ष करते हुए एक युवा को जान देनी पड़ी। यह शर्मनाक है कि देश के भीतर देश के ही कुछ हिस्सों के लोगों की भारतीयता पर बार-बार सवाल उठाए जाते हैं।

आपत्तिजनक कमेंट । 24 साल के एंजेल पिछले एक साल से देहरादून में रहकर MBA की पढ़ाई कर रहे थे। 9 दिसंबर को वह अपने भाई माइकल के साथ कुछ सामान लेने निकले थे, जब कुछ लड़कों ने उन पर आपत्तिजनक कमेंट्स किए। एंजेल ने

एंजेल चकमा की हत्या

जब विरोध किया कि 'हम चीनी नहीं हैं', तो आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस शुक्रवार को एंजेल ने दम तोड़ दिया, जबकि माइकल की हालत गंभीर है। 6 में से 5 आरोपी अरेस्ट हो चुके हैं।

नस्लीय सोच । इस घटना से त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों में जबरदस्त गुस्सा है, और यह जायज भी है। अमेरिका, यूरोप या ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी अपराध होने पर जो देश विरोध जताता है, उसके भीतर ही कुछ तबकों में इतनी गहरी और खतरनाक नस्लीय सोच मौजूद है। इनके निशाने पर बार-बार पूर्वोत्तर के लोग आते हैं।

देश में मुश्किल । इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR) ने 2021 में एक स्टडी के नतीजे जारी किए थे। तब सर्वे में शामिल पूर्वोत्तर के 78% लोगों का मानना था कि उन्हें उनके चेहरे-मोहरे के कारण निशाना बनाया जाता है। यह बताता है कि लोगों में अपने ही देश के बारे में कितनी कम जागरूकता है। दूसरी बात, पूर्वोत्तर के लोगों को देश के कई हिस्सों में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

नस्लभेदी कानून । ऐसी हर घटना के बाद कड़ी कार्रवाई की बात की जाती है, लेकिन सवाल है कि क्या उनसे कोई सबक लिया जा रहा? 2014 में दिल्ली में अरुणाचल के छात्र Nido Tania को इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गई - वहां से अभी तक, क्या कोई बदलाव आया है? एंजेल की मौत के बाद कई संगठनों ने नस्लवाद विरोधी कानून की मांग की है, जो बिल्कुल सही है।

सख्ती जरूरी । नस्लवाद देश की एकता और अखंडता के लिए खतरनाक है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि जब भी भारत के किसी शहर में किसी एंजेल के साथ भेदभाव किया जाता है, तो उससे एक बड़े वर्ग की भावनाओं को चोट पहुंचती है। देश को ऐसा कानून चाहिए, जो इन मामलों में आरोपियों के प्रति सख्ती और पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाए।

नश्तर

गमलाधर और पागल

अदब, नफासत और नवाबों का शहर लखनऊ इन दिनों गमलों के लिए चर्चा में है। कुछ रोज पहले प्रधानमंत्री शहर आए थे तो विकास प्राधिकरण ने सजावट के लिए गमले रखवा दिए। प्रधानमंत्री गए तो शहर के लोग गमलों पर झपट पड़े और

सौरभ श्रीवास्तव

कार, स्कूटी, मोटरसाइकल में रखकर अपने घर ले जाने लगे।

वसंत कुंज इलाके में जब लोग गमले ले जा रहे थे तो मैं भी वहां खड़ा गुस्सा रहा था। मैं मन ही मन इसे चोरी का दर्जा देने ही वाला था कि माल्या, नीरव और मेहुल जैसे देवों ने मुझे रोक लिया। उन्होंने मुझे रोका तो मैंने भी एक गमलाधर को रोक लिया। उसकी जैकेट पर चे-ग्वेरा की तस्वीर थी और स्कूटी के फुट रेस्ट पर तीन गमले। 'चे को मानते हो और चोरी कर रहे हो?' गमलाधर ने पहले अपनी मुस्कुराहट से मुझे मूर्ख तो कह ही दिया, फिर शब्दों में बोला, 'चोरी कहां? यह तो क्रांति है। रेलिंग के गैप से देखिए। शहर की गंदगी नजर आती है। इसे छुपाने के लिए गमले लटका दिए गए। गमले ले जाकर मैं तो असली तस्वीर सामने ला रहा हूं।' उसके

इस तर्क से मैं बैकफुट पर आ गया। थोड़ी देर में खुद को संभाला और दूसरे बाइक सवार को रोका। उसके गले में गमछा और आंखों पर काला चश्मा था। बाइक पर पीछे बैठे उसके साथी ने दोनों रानों पर दो-दो गमले टिका रखे थे।

'भाई, गमले चुराकर क्यों अपने शहर को बदनाम कर रहे हो?' गमछे वाले ने स्टाइल से चश्मा उतारा और लगभग सीनाजोरी करते हुए बोला, 'चोरी कैसी...सरकार ने हमारे टैक्स के पैसे से ही तो गमले लगाए हैं, इसलिए हम ले जा रहे।' मेरे पास इस बात का भी कोई जवाब नहीं था। वह फुर्र हो गया। मैं हताश होकर सिर झुकाकर फुटपाथ पर बैठ गया। बगल में बैठे एक पागल ने चिल्लाते हुए कहा, 'स्कूटी और बाइक वाले मौसेरे भाई थे... अभी ट्रेनिंग पर हैं।' यह बात मुझे समझ नहीं आई, पर पागल की बात को क्यों ही समझना।

एकदा

संकलन : हरिप्रसाद राय

दहेज के विरुद्ध

पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी दोनों भाइयों के कंधों पर आ गई थी। बड़े भाई की बेटी विवाह योग्य हो चुकी थी। तब कायस्थ परिवारों में लड़कियों की शादी 14-15 वर्ष की

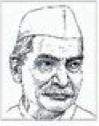

उम्र में कर दी जाती थी। बड़े भाई अध्यापक थे, लेकिन उनकी आमदनी इतनी ही थी कि घर का खर्च किसी तरह चल सके। छोटे भाई को मुजफ्फरपुर में प्रोफेसरी मिल गई थी, पर नौकरी को अभी तीन महीने ही हुए थे। जमींदारी से खाने-रहने की सुविधा भले ठीक-ठाक थी, पर नकद धन का अभाव था। इधर बेटी की शादी तय हो चुकी थी। तिलक और दहेज की मोटी रकम का सवाल सामने था। हालांकि जिस लड़के से विवाह तय हुआ था, उसके बड़े भाई कलकत्ता में दोनों भाइयों के साथ पढ़ चुके थे। आखिरकार कर्ज लेकर दहेज की मांग पूरी की गई। दहेज का यह बोझ उठाने वाले बड़े भाई का नाम था महेंद्र प्रसाद और छोटे भाई थे राजेंद्र प्रसाद, जो आगे चलकर देश के पहले राष्ट्रपति बने। इस कर्ज की पीड़ा राजेंद्र प्रसाद को जीवन भर सालती रही। उन्होंने इसे अपनी आत्मकथा में भी दर्ज किया है। आगे चलकर उन्होंने दहेज प्रथा के विरुद्ध सक्रिय अभियान चलाया। उन्होंने एक ऐसे शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 51 रुपये से अधिक दहेज न लेने की प्रतिज्ञा थी।

विदेशी संस्थागत निवेशकों के पैसा निकालने पर भी डटा रहा भारतीय बाज़ार

शेयर बाज़ार को संभालने आए देसी

भारतीय शेयर बाजार 2025 में कैसा रहा, इसे समझने के लिए सेंसेक्स और निफ्टी के आंकड़ों के बाहर भी

समीर रस्तोगी

देखना पड़ेगा। इस साल निवेशकों का व्यवहार विभिन्न वर्गों में साफ तौर पर बंटा रहा। विदेशी संस्थागत निवेशक (FIIs) लगातार बिकवाली करते रहे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने जमकर खरीदारी की।

MF का सहारा । इस साल सबसे ज्यादा शोर विदेशी निवेशकों के भारतीय बाजार से बाहर निकलने पर मचा। उनकी पसंद अमेरिका, चीन, जापान और दूसरे देश थे। उन्होंने लगातार पैसा निकाला। यानी वे भारतीय बाजार में ऊंचे वैल्यूएशन से असहज थे। FIIs ने पूरे साल में करीब 1.80 लाख करोड़ के शेयर बेचे। बाजार को अगर MF का सहारा नहीं मिला होता, बड़ी उथल-पुथल देखने को मिलती। ।

बदलती तस्वीर । 2025 में सबसे बड़ा स्ट्रक्चरल बदलाव यह देखने को मिला कि NSE में सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी के मामले में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने विदेशी संस्थागत निवेशकों को पीछे छोड़ दिया। यह एक ऐतिहासिक घटना है, जो भारतीय निवेशकों के आत्मविश्वास को दिखाती है।

iStock

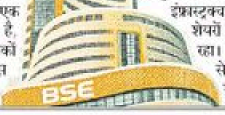

10 साल पहले FIIs की हिस्सेदारी 21% और DIIs की 11% थी। मार्च 2025 में FIIs का प्रतिशत घटकर 17.50 रह गया है, जबकि DIIs का बढ़कर 18.10% पर। घरेलू संस्थागत निवेशक अब ऐसी स्थिति में हैं, जहां उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कमजोर और मजबूत । हर 3 से 5 साल में बाजार की चाल बदलती है और एक नया चक्र शुरू होता है। हर बार जब ऐसा होता है, तो रिटेल ट्रेडर्स का एक बड़ा हिस्सा मोमेंटम के जाल में फंस जाता है। 2025 में भी ऐसा ही हुआ। मीडिया, रियल्टी, रेलवे, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी से जुड़े शेयरों का प्रदर्शन कमजोर रहा। इसके उलट, जो सेक्टर पहले पिछड़े माने जाते थे, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया - जैसे फाइनेंशल सर्विसेज, मेटल्स और ऑटो।

रेलवे में नुकसान । 2025 में रेलवे से जुड़े शेयरों की वैल्यू लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये घटी। साल 2024 में IRFC रिटेल इन्वेस्टर्स का चहेता था, लेकिन 2025 में यह 17% नीचे गया। इसी तरह से एनर्जी सेक्टर के शेयर भी नीचे आए। Suzlon में 16% और रिलायंस पावर में 14% की गिरावट आई।

घाटे का इंतजार । 2025 में 120 से ज्यादा स्टॉक ऐसे रहे, जिनमें 25% से अधिक की गिरावट आई। अगर हम ऐसे स्टॉक्स के 2024 और 2025 के खरीदने-बेचने से जुड़े आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि बहुत थोड़े निवेशक सही समय पर मार्केट से निकल पाए। जिन्होंने 2024 में तब पैसा लगाया था, जब शेयर की कीमत ऊंची थी, उनमें से ज्यादातर इसी इंतजार में हैं कि बेचने का सही समय कब आएगा।

गोल्ड की चांदी । 2025 ने निवेशकों का व्यवहार बदल दिया। स्मॉल कैप स्टॉक्स के बारे में अभी तक माना जाता था कि इसमें तो मुनाफा होना ही है, रिस्क बहुत कम है। लेकिन, उसका यह रुतबा छिन चुका है। जिन स्टॉक्स में बड़े करेक्शन देखने को मिले, उनमें से ज्यादातर स्मॉल और माइक्रो कैप हैं। तो निवेशकों ने यह सीखा कि मार्केट में धारणाओं के आधार पर नहीं उतरते। फिर, इस समय सिल्वर और गोल्ड के दाम में आश्चर्यजनक तेजी देखने को मिल रही है। इस वजह से लोग धड़ाधड़ पैसा लगा रहे हैं इन दोनों में। अधिकतर निवेशक यही मान रहे हैं कि इससे भविष्य में मुनाफा होना तय है।

2025 के हीरो

सबसे बड़ी जीत । अतीत की तुलना में इस बार रिटेल इन्वेस्टर्स ने जबरदस्त धैर्य और साहस दिखाया। साल के शुरुआती तीन महीने अस्थिरता वाले थे। कई स्टॉक में 30 से 50% की गिरावट आई, लेकिन वे इन शेयरों में बने रहे। SIP से आंकड़े बता रहे हैं कि लंबी अवधि के निवेश का ट्रेंड बढ़ रहा है। 2025 का संदेश यही रहा कि भारतीय बाजार को दौड़ने के लिए अब विदेशी पूंजी की जरूरत नहीं है।

(लेखक सक्षम वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं)

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें www.speakingtree.nbt.in

ईश्वर ने गणित की भाषा में लिखी ब्रह्मांड की कहानी

मयंक मुरारी

वर्ष 2025 बीतने की दहलीज पर है। इस मौके पर समय को गणित के रूप में देखा जा सकता है। समय स्वयं एक प्रवाह है, जो सेकंड, मिनट, वर्ष और युगों में मापा जाता है। लेकिन इसके पीछे भी वही गणितीय अनुशासन है, जो ब्रह्मांड को संचालित करता है।

वैदिक गणित इसी सोच को आगे बढ़ाता है। उसके अनुसार वैदिक सूत्र मात्र गणना के शॉर्टकट नहीं, बल्कि चेतना को जाग्रत करने वाले ज्ञान-स्रोत हैं। ये सूत्र मन की शक्तियों-एकाग्रता, आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान को विकसित करते हैं। यहां गणित एक सहज और दिव्य प्रक्रिया बन जाता है, जहां शून्य को अनंत शक्ति और एक को परम सत्य के रूप में देखा जाता है। शून्य और एक का यह मिलन अनंत संभावनाओं का प्रतीक है, ठीक वैसे ही जैसे हर बीतता वर्ष नए आरंभ का संकेत देता है।

AI Image

गणित और देवत्व के संबंध को समझने वालों का मानना है कि गणित वह भाषा है, जिसमें ईश्वर ने ब्रह्मांड को लिखा है। यहां ईश्वर कोई अलग सत्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण अस्तित्व में व्याप्त चेतना है। हर परमाणु में देवत्व गतिशील है। जब पूरा अस्तित्व लय में आता है, तो वह ईश्वर का नृत्य बन जाता है और हम उसके सहभागी हो जाते हैं।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय से जुड़े डॉ. विली सून का 'फाइन-ट्यूनिंग' तर्क इस रहस्य को और गहरा करता है। ब्रह्मांड के मूलभूत भौतिक नियम और स्थिरांक (constants) इतने सटीक मानों पर हैं कि उनमें जरा-सा भी परिवर्तन होता, तो तारे नहीं बनते, परमाणु स्थिर नहीं रहते, जीवन की संभावना ही समाप्त हो जाती। उनके अनुसार ब्रह्मांड के भौतिक नियम इतने सटीक संतुलन में हैं कि इसे केवल संयोग नहीं कहा जा सकता।

इलेक्ट्रॉन से लेकर आकाशगंगाओं तक की गणितीय गति को देखते हुए यह विश्वास और गहराता है कि ईश्वर स्वयं को गणित के माध्यम से अभिव्यक्त करता है। भारतीय सभ्यता की विशेषता भी गणितीय चिंतन की गहराई में मौजूद है।

नए साल के स्वागत से पहले पुराने की विदाई

भारतीय परंपरा है कि जो चला गया, उसके बारे में बुरा नहीं बोलते। उसके रहते भले कभी न बनी हो, लेकिन जब वह गया, तो बात गई। जो बीता सो भला, भले वह साल ही क्यों न हो। वैसे भी जो साल पूरे सालभर खुद को खपा देता है हमारे लिए, उसकी बुराई बनती नहीं। विदाई मुस्कान के साथ दी जाए, तो जाने वाले का सफर अच्छा रहता है और विदा करने वाले के दिल पर भी बोझ नहीं बचता।

नए साल को आने में अब पूरे तीन दिन भी नहीं बचे हैं। हालांकि उसका शोर पहले ही आ चुका है। 2026 का आगाज कैसे करना है, इसकी तैयारी चल रही है। आपने भी कुछ न कुछ प्लान किया होगा जरूर। लेकिन, इस तैयारी में थोड़ी फुरसत निकालिए 2025 के लिए भी।

पुराना साल बस कैलेंडर नहीं, जिसके सारे पन्ने पलटे जा चुके हैं - यह जीवन का एक चैप्टर है, जो अपने साथ हमारा एक हिस्सा भी ले जा रहा। इसमें उम्मीदें हैं, निराशा है, हार है, जीत है। कुछ अपेक्षाएं, जो पूरी हो गईं और कई ख्वाहिशें जो अधूरी छूट गईं। जो मिला वह आने वाले साल को और खूबसूरत बनाएगा और जो बचा रह गया, उसे पाने का संघर्ष फिर शुरू होगा।

अगर इन सब यादों को बिना देखे, बिना समेटे आगे बढ़ गए तो अपने अनुभवों से मुंह मोड़ना होगा वह। प्रसिद्ध लेखक पाउलो कोएल्हो के मुताबिक, यदि आप अलविदा कहने का साहस रखते हैं, तो जीवन आपको एक नए स्वागत से पुरस्कृत करेगा। यह साहस चाहिए स्वीकार करने के लिए, कि जो

AI Image

जीवन आनंद

शैलेंद्र पांडेय

हुआ, अच्छा हुआ। पुराना भी कभी नया था, तब उसके लिए भी तैयारियां की जा रही थीं। वक्त ने उससे उसकी चमक छीनी, पर बदले में उसे पहले से ज्यादा काबिल बनाया।

2025 कुछ लेकर नहीं, बहुत कुछ देकर जा रहा है। उसने हमारे लिए हर दिन को बेहतर बनाने की कोशिश की। इसमें कुछ दिन अच्छे नहीं भी बने, लेकिन साल कहीं रुका नहीं और न उसकी कोशिशें रुकीं। हर मुश्किल ने थोड़ा मजबूत बनाया और खुशियों ने संयम सिखाया।

उत्तरी अमेरिका की Anishinaabe और Lakota जैसी मूल जनजातियों में गुडबाय कहने की परंपरा नहीं है। वहां विदा होते हुए भी कहा जाता है - फिर मिलेंगे। मान्यता है कि बिछुड़ना अंतिम नहीं होता - आत्मा और मन के स्तर पर जुड़ाव बना रहता है हमेशा। पुराने साल से 'फिर मिलेंगे' तो कहना बेकार है, लेकिन अब इससे सदा के लिए कनेक्शन जुड़ चुका है। हमारी कोई भी कहानी अधूरी रहेगी इसके बिना।

कांटे की बात

जो कहते हैं कांग्रेस खत्म हो गई है, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हमारे पास सत्ता कम हो सकती है, लेकिन हमारी रीढ़ अभी भी सीधी है। हमने न संविधान से समझौता किया, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही गरीबों के हक से।

मल्लिकार्जुन खरगे, *कांग्रेस अध्यक्ष*

लाल गलियारा नहीं, बस छोटी-सी लकीर बची

बसवराजू, हिडमा और साल बीतने के पहले पकास हनुमंथु - सुरक्षाबलों ने 2025 में नक्सलियों की टॉप लीडरशिप को लगभग खत्म कर दिया है। ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे अभियानों की वजह से लाल गलियारा सिमट चुका है।

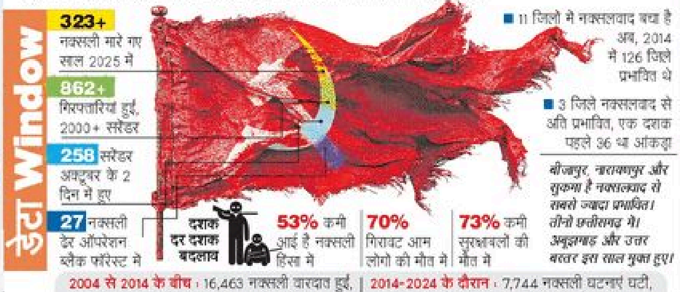

2004 से 2014 के बीच : 16,463 नक्सली वारदात हुईं, 1,851 सुरक्षाकर्मी और 4,766 आम लोग मारे गए। | **2014-2024 के दौरान :** 7,744 नक्सली घटनाएं घटीं, 509 जवानों और 1,495 आम लोगों की मौत हुई।

जनता जंक्शन

इरफ़ान

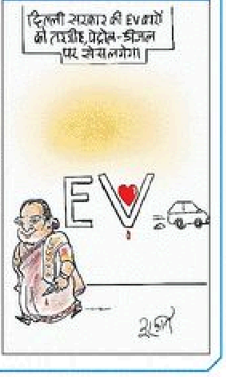

टैरिफ़ पर अडिग, आतंक पर सख़्त रहे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह साल सबसे व्यस्त और सबसे अहम रहा। उन्होंने अफ्रीका, पश्चिम एशिया

सुजान चिनॉय

और यूरोप के 23 देशों तक पहुंच बनाई। कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध मजबूत किए। मालदीव और अन्य वैश्विक सहयोगियों के साथ संबंधों को प्रगाढ़ किया। खासकर, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ विविधीकृत रणनीतिक साझेदारियों के जरिये इसे पूरा किया। भारत और चीन के बीच भी संबंध स्थिर हुए।

ट्रंप टैरिफ पर अडिग । वैश्विक व्यापार में अस्थिरता के बीच पीएम मोदी का अंतरराष्ट्रीय कद काफी बढ़ गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध के सामने अन्य देश झुक गए, मगर मोदी का संकल्प अटल रहा। भारतीय किसानों और छोटे कारोबारियों के बुनियादी हितों की रक्षा कर उनके राष्ट्र प्रथम नजरिये ने बता दिया कि भारत को असमान व्यापार व्यवस्था स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

तेजी से बढ़ी अर्थव्यवस्था । वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए GDP वृद्धि दर करीब 7.3% होने के अनुमान के साथ, दूसरी तिमाही में 8.2% की वास्तविक वृद्धि से भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना है। GST दरों में कमी, उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग, औद्योगिक और विनिर्माण प्रोत्साहन के जरिये अर्थव्यवस्था को गति मिली। इस साल डिजिटल बुनियादी ढांचे, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्र तेजी से उभरे। शांति विधेयक, 2025 ने ऐतिहासिक सुधार को दर्शाया।

ब्रिक्स में आतंक की निंदा । अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित किया। पीएम मोदी का यह कहना कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता, आतंकवाद के खिलाफ भारत के शून्य सहिष्णु सिद्धांत को दर्शाता है। जुलाई में ब्रिक्स सम्मेलन में पहली बार जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले की निंदा की गई। SCO शिखर सम्मेलन ने भी कड़ा संदेश दिया।

29 देशों से मिला सम्मान । इस साल भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा भी खूब बढ़ी।

पीएम मोदी को बारबाडोस, मॉरीशस, श्रीलंका, साइप्रस, घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, ब्राजील, नामीबिया, इथियोपिया और ओमान सहित 29 देशों ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। रणनीतिक व्यापार वार्ता ने भारत की अर्थव्यवस्था को और मजबूत किया। भारत-ब्रिटेन CETA और भारत-ओमान CEPA ने पश्चिम और खाड़ी बाजार तक पहुंच बढ़ाई। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया। यूरोपीय संघ, कनाडा, इस्राइल, मेक्सिको और GCC देशों के साथ वार्ता ने दुनिया भारत के भरोसे को बढ़ाया है।

18 संसदों में दिया भाषण । पीएम मोदी ने घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, नामीबिया और इथियोपिया की संसद को संबोधित किया। बेहतर दुनिया के लिए भारत के दृष्टिकोण को बताया। SDG व जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विकासात्मक वित्त और उभरती प्रौद्योगिकियों तक बेहतर पहुंच के लिए ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की वकालत की। 18 संसदों में भाषण देने वाले वह एकमात्र भारतीय भी बने।

दुनिया से मिली तारीफ । इस साल दुनिया भर के नेताओं ने पीएम मोदी की ईमानदारी और नेतृत्व क्षमता की सराहना की। कैरेबियाई नेताओं ने उन्हें स्थिर राजनेता बताया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने उनकी तारीफ करते हुए भारत को भाग्यशाली बताया। पूतिन और जॉर्डन के क्राउन प्रिंस हुसैन के साथ मोदी की कार डिप्लोमेसी की भी चर्चा हुई। इथियोपिया के पीएम अबी अहमद अली का उन्हें एस्कॉर्ट करना और भूटान के राजा का सड़क पर खड़े होकर स्वागत करना, नरेंद्र मोदी का अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ का व्यक्तिगत संबंध दर्शाता है। कुल मिलाकर, 2025 आत्मविश्वास और उभरते देश के तौर पर भारत की यात्रा में निर्णायक साबित हुआ।

(लेखक मनोहर पर्रिकर इंस्टिट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली के महानिदेशक हैं)

रीडर्स मेल

www.edit.nbt.in

सार्थक पहल

27 दिसंबर का संपादकीय 'यह पढ़ाई भी जरूरी' पढ़ा। बच्चों में बढ़ती स्क्रीन-लत न केवल पढ़ने की आदत को कमजोर कर रही है, बल्कि उनके मानसिक और सामाजिक विकास को भी प्रभावित कर रही है। ऐसे में स्कूलों में स्टूडेंट्स के लिए अखबार पढ़ना जरूरी करना उत्तर प्रदेश सरकार की सराहनीय पहल है। इससे बच्चों को किसी विषय की पुख्ता जानकारी मिलेगी और उस विषय के प्रति उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी। अखबार पढ़ने से भाषा सुधरती है और यह सोचने-समझने की क्षमता विकसित करता है। मॉर्निंग असेंबली में सिर्फ 10 मिनट की यह पहल बच्चों को किताबों और वास्तविक दुनिया की ओर लौटाने का सार्थक प्रयास है। हालांकि, इसका वास्तविक असर तभी होगा जब स्कूलों के साथ-साथ परिवार भी स्क्रीन और पढ़ाई के बीच संतुलन बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्रेरणा रावत, ईमेल से

CCI NG 3.7 Product: NBTLucknowBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: NBTLPG9 User: cci Time: 12-29-2025 00:29 Color:

फटाफट खबरें

जरूरतमंदों को बांटे कंबल

■ NBT न्यूज, काकोरी: लोक जन शक्ति पार्टी (राम विलास) ने जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण व तहरी भोज का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय महासचिव नीलम सरोज के नेतृत्व में हुआ। रविवार को दुर्गागंज स्थित एक लॉन में लोक जन शक्ति पार्टी (राम विलास) के बैनर तले आयोजित कंबल वितरण व तहरी भोज में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष (मध्य) राजेंद्र प्रसाद रावत ने कहा कि पार्टी जरूरतमंदों के साथ हमेशा खड़ी है। कार्यक्रम में मलिहाबाद विधानसभा के कुसमौरा हलुआपुर, मढौली, मौलवी खेड़ा, काकोरी, रानिया मऊ, दुर्गागंज समेत कई गांवों के जरूरतमंद बुजुर्ग, महिलाओं को कंबल दिए गए। आयोजक नीलम सरोज ने सभी लोगों को पार्टी का झंडा भी दिया। कार्यक्रम में राम कुमार भारती, राजेश रावत समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शराब छोड़ने में Al-Anon करेगा मदद

■ NBT न्यूज, लखनऊ: 4 जनवरी को सेंट डोमिनिक सैवियो कॉलेज, इंदिरानगर में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक अल-अनॉन की बैठक होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य शराब पीने से उत्पन्न पारिवारिक समस्याओं से निपटने में सहायता करना और जीवन में शांति व सकारात्मक बदलाव लाना है। वहां साझा की गई सभी बातें पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए 9129512662 पर संपर्क कर सकते हैं। दरअसल अल-अनॉन (Al-Anon) शराब पीने वाले व्यक्ति के परिवार और मित्रों के लिए एक सहयोगी मंच प्रदान करता है। जहां बंद कमरे की बैठक में लोग अपने अनुभव, आशा और हिम्मत एक-दूसरे से साझा करते हैं।

पार्क का सौंदर्यीकरण शुरू

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: इंदिरा नगर सेक्टर-15 आवासीय समिति की मांग पर पूर्वी विधानसभा के विधायक ओपी श्रीवास्तव ने जर्जर अवस्था में पड़े पार्क संख्या-1 के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य का बीड़ा उठाया है। आवासीय समिति की पदाधिकारी नीता हैकरवाल से पार्क की स्थिति की जानकारी मिलते ही विधायक ने इस कार्य को अंतिम रूप देते हुए अपनी विकास निधि से जीर्णोद्धार कराने का निर्णय लिया। रविवार को पार्क संख्या-1 में पाथ-वे पर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाए जाने और पाथ-वे के चौड़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में त्रयम्बक त्रिपाठी, पल्लवी सिंह, सीता नेगी, अभिषेक राय, पार्षद संजय सिंह राठौर, पार्षद सूरज जसवानी मौजूद रहे।

कैंप में जरूरतमंदों को दिए कंबल

■ NBT न्यूज, लखनऊ: गंगोत्री सेवा समिति संस्था की ओर से रविवार को कंबल वितरण हुआ। अवध विहार योजना स्थित गंगोत्री एन्क्लेव के परिसर में आयोजित कैंप में जरूरतमंदों को निःशुल्क कंबल दिए गए। समिति अध्यक्ष हिमांशु प्रताप सिंह ने बताया कि शीत लहर को देखते हुए विभिन्न आवासीय समितियों की ओर से जरूरतमंदों की मदद के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सरयू एन्क्लेव की अध्यक्ष मीना सिंह, गंगोत्री एन्क्लेव के उपाध्यक्ष तपिश सक्सेना, सचिव सुजीत पांडेय, राम धीरज, पूर्व अध्यक्ष रमेश दुबे, गोमती एन्क्लेव के अध्यक्ष मुकेश मिश्रा, ब्रजेश बिहारी, एपी सिंह, मनीष यादव, आरएन सिंह, अभिषेक मोहन, अमित सिंह राठौर, अभिनव सिंह मौजूद रहे।

धर्मगुरु के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर केस

■ NBT न्यूज, लखनऊ: शिया धर्मगुरु के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के आरोप में 12 लोगों के खिलाफ रविवार को रिपोर्ट दर्ज की गई। सआदतगंज वजीरबाग रुस्तम नगर निवासी नूरुल हसन ने तहरीर में बताया कि मानू सुल्तान और सरदारे आला ने शिया धर्मगुरु कल्बे जवाद, सामाजिक कार्यकर्ता इश्तियाक हुसैन रिजवी और मोहम्मद नकवी के खिलाफ फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी की। पीड़ित ने आरोपित और उनके साथी हैदर अली, जुहैर रिजवी, मोहम्मद असलम, एसएस अली रिजवी, अली नकवी, अमन रिजवी, नसीम रिजवी, हसन इमाम, तुराब मिर्जा और कासिम रिजवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी सतीश आर्य ने बताया कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

निर्भय, राजकुमार, अंकुर, आलोक और मनीष फाइनल में

■ NBT न्यूज, लखनऊ: गोमती नगर विजयंत खंड मिनी स्टेडियम में रविवार निर्भय सिंह सोनी, राजकुमार, अंकुर कपूर, आलोक भटनागर और मनीष मेहरोत्रा ने फाइनल में जगह बनाई। उत्तर प्रदेश स्टेट टेनिस टूर्नामेंट में पहली बार हो रहे मास्टर्स टूर्नामेंट के 30 वर्ष से अधिक के पुरुष एकल में अब सोमवार को निर्भय के सामने राजकुमार की चुनौती होगी। 40 वर्ष से अधिक कैटेगरी में अंकुर, हरिओम को चुनौती पेश करेंगे। वहीं, 50 वर्ष से अधिक कैटेगरी में आलोक व मनीष आमने सामने होंगे।

उधर, मेंस सिंगल के प्री क्वॉर्टर में शहर से सानिध्य धर द्विवेदी, वरुण सिंह, शोभित टंडन, ओम यादव, यश वर्मा और अभिषेक यादव ने क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश किया। मुकाबलों में सौरभ सिंह के खिलाफ शोभित टंडन को कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली और शोभित ने 7-5 से मुकाबला जीता। अन्य सभी मुकाबलों में शहर के खिलाड़ियों ने आसान जीत दर्ज की। वहीं, हनु वर्मा और वंश यादव ने भी अगले दौर में जगह बनाई।

स्पोर्ट्स कॉलेज, लखनऊ मंडल क्वॉर्टर फाइनल में

जूनियर पुरुष स्टेट हॉकी टूर्नामेंट

■ NBT न्यूज, लखनऊ: गोमती नगर विजयंत खंड स्थित पद्मश्री मो. शाहिद एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में रविवार को स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ और स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई ने क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई। सोमवार को स्पोर्ट्स कॉलेज बरेली मंडल के खिलाफ जीत कर सेमीफाइनल की दावेदारी पेश करने उतरेगा। वहीं, लखनऊ मंडल टीम स्पोर्ट्स हॉस्टल वाराणसी के खिलाफ जीत दर्ज कर फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पेश करेगा। साथ में, सेमीफाइनल के लिए स्पोर्ट्स हॉस्टल लखनऊ के सामने बस्ती मंडल की चुनौती होगी।

रविवार को स्टेडियम पर खेले गए मुकाबलों में, तेज, आक्रामक खेल, सटीक पासिंग और प्रभावशाली फील्ड गोल देखने को मिले। दिन के पहले मुकाबले में मेरठ मंडल ने शानदार तालमेल और मजबूत डिफेंस के बल पर चित्रकूट मंडल को 4-0 से पराजित किया। सहारनपुर मंडल ने बेहतरीन तालमेल के साथ खेल दिखाते हुए अलीगढ़ मंडल को 4-0 से मात दी। टूर्नामेंट के हाई-स्कोरिंग मैच में स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई ने वाराणसी मंडल को 6-1 से हराया, जबकि स्पोर्ट्स हॉस्टल रामपुर ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए कानपुर मंडल को 8-0 से शिकस्त दी। एक अन्य मुकाबले में बस्ती मंडल ने झांसी मंडल को 4-1 से हराया।

सुप्रीम कोर्ट को हराकर दिल्ली हाईकोर्ट चैंपियन

■ NBT न्यूज, लखनऊ: डॉ. अखिलेश दास गुप्ता स्टेडियम पर रविवार को ऑल इंडिया लॉयर्स टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में सुप्रीम कोर्ट को हराकर दिल्ली हाईकोर्ट ने चैंपियन बना। दिल्ली हाईकोर्ट के अंकित अधाना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 रन बनाए व एक विकेट चटकाया और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

ऑल इंडिया लॉयर्स टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट

दिल्ली हाईकोर्ट ने टॉस जीत और सुप्रीम कोर्ट लॉयर्स यूनाइटेड को बैटिंग का न्योता दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कप्तान मयंक बाधवा के 53 रन के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 178 रन बनाए। जवाब में कमल नयन तिवारी ने 29 गेंद में 52 रन और अंकित अधाना की 48 रन की नाबाद पारी की बदौलत 8 गेंद शेष रहते चार विकेट खोकर 182 रन बनाए और छह विकेट से जीत हासिल कर टूर्नामेंट का चैंपियन बना। फाइनल से पहले टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर वैभव जैन ने टॉस करा कर मैच की शुरुआत की।

आरव ने अब्दुल से बांटे अंक

■ NBT न्यूज, लखनऊ: शिवानी मार्ग स्थित प्रिवीन्स चेस अकैडमी में खेली जा रही 9वीं शैल बाबा मेमोरियल ओपन चेस टूर्नामेंट में रविवार को शीर्ष पर चल रहे अब्दुल की एक कमजोर चाल ने पूरा खेल बदल दिया। आरव ने मौके का फायदा उठाते हुए आक्रमता बढ़ाई और अब्दुल को बाजी छोड़ने पर मजबूर कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

शैल बाबा मेमोरियल ओपन चेस टूर्नामेंट

चौथे चक्र से पहले अब्दुल और अहद 3-3 अंक लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर थे। रविवार अब्दुल और आरव के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें अब्दुल अहद ने सफेद मोहरों से खेलते हुए क्वीन पॉन ओपनिंग से शुरुआत की। जिसका जवाब आरव गर्ग ने फ्रनकेल्ड डिफेंस से दिया। मध्य खेल में अब्दुल अहद ने एक कमजोर चाल खेली। जिसका आरव ने पूरा फायदा उठाया और मात्र 24 चाल में अब्दुल को बाजी छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

आठ स्वर्ण के साथ यूपी तीसरे स्थान पर

5वीं राष्ट्रीय फिन स्विमिंग चैंपियनशिप

■ NBT न्यूज, लखनऊ: कर्नाटक के मंगलौर में आयोजित 5वीं राष्ट्रीय फिन स्विमिंग चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत यूपी ने आठ स्वर्ण हासिल किए और ओवरऑल चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया। यूपी ने कुल 23 पदक जीते। उत्तर प्रदेश अंडरवॉटर स्पोर्ट्स फिन स्विमिंग चैंपियनशिप के महासचिव नरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि 19 से 22 दिसंबर तक आयोजित यूपी ने आठ स्वर्ण, सात रजत एवं आठ कांस्य जीते। वहीं, चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में यूपी को आठवां स्थान मिला था।

अफसर के शतक से TCC जीता

■ NBT न्यूज, लखनऊ: आरडीएसओ क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को अधीर दुबे क्रिकेट टूर्नामेंट में लाइट टीवी एक्सप्रेस के खिलाफ टीसीसी लखनऊ ने 71 रन से जीत हासिल की। टीसीसी लखनऊ ने पहले बैटिंग करते हुए अफसर सिद्दीकी के 45 गेंद में 7 चौके व 10 छक्के के दम पर 116 रन की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत 18 ओवर में तीन विकेट खोकर 215 रन बनाए। मयंक ने 50 रन जोड़े। जवाब में लाइट टीवी एक्सप्रेस से अरविंद वर्मा ने 100 रन जोड़े लेकिन, टीम को जीत नहीं दिला सके।

एनुअल स्पोर्ट्स डे में दिया फिट ऐंड यंग इंडिया का संदेश

■ NBT न्यूज, लखनऊ: सिटी मॉन्टेसरी स्कूल राजाजीपुरम सेकंड कैंपस की ओर से रविवार को सीएमएस कानपुर रोड कैंपस में एनुअल स्पोर्ट्स डे समारोह हुआ। इसमें नन्हे-मुन्हे से लेकर सभी स्टूडेंट्स ने अपनी खेल प्रतिभाओं का कौशल दिखाया। मौके पर चुस्ती-फुर्ती से भरपूर फिजिकल फिटनेस एक्टिविटी द्वारा स्टूडेंट्स ने फिट ऐंड यंग इंडिया का संदेश दिया। समारोह की औपचारिक शुरुआत ध्वजारोहण एवं मशाल प्रज्वलन से हुई।

AKTU ने भाषा विवि को हराया

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय और ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के बीच रविवार को एक मैत्रीपूर्ण टी-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। दोनों टीमों की कप्तानी विवि के कुलपतियों ने की। जिसमें एकेटीयू की टीम ने भाषा विश्वविद्यालय की टीम को 19 रनों से हरा दिया। एकेटीयू की टीम पहले बल्लेबाजी करने मैदान में उतरी और विरोधी टीम के सामने 90 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में भाषा विवि की टीम 73 रनों पर ऑल आउट हो गई।

म्हारे हिवड़े में जागी धोकणी...

■ NBT न्यूज, लखनऊ: गोमतीनगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में चल रहे बोहो फेस्टिवल के अंतिम दिन संगीत, लोक-संस्कृति और जज्बातों का अद्भुत संगम देखने को मिला। शाम ढलते ही मंच पर जब मशहूर गायक मामे खान पहुंचे तो पूरे माहौल में राजस्थानी रंग घुल गया।

बोहो फेस्टिवल के अंतिम दिन मामे खान ने बांधा समां

मंच पर आते ही मामे खान ने 'खम्मा घणी लखनऊ' कहकर दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद उन्होंने सूफ़ी रंग में 'केसरिया बालम' गाकर घोला। लोक-संगीत की इस शुरुआत के साथ ही उन्होंने 'सांसों की माला' पेश की। मामे खान ने कहा कि हिंदुस्तान के हर हिस्से की अपनी अलग तहजीब है। राजस्थान में कदम रखते ही खम्मा घणी और पधारो म्हारे देश सुनाई देता है और यही भावना उन्होंने लखनऊ की सरजमीं पर उतारी। पब्लिक डिमांड पर उन्होंने अपना सबसे लोकप्रिय गीत म्हारे हिवड़े में जागी धोकणी की धुन छेड़ी। इसे गाने से पहले कहा कि इसकी मांग इतनी जोरदार हो कि आवाज राजस्थान तक पहुंचे। जैसे ही भीड़ ने गीत के नारे लगाए, उन्होंने गीत शुरू किया। लखनऊ की तहजीब की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा आप मेरे दिल में हो और एक शेर पढ़ा।

नजर ऊंची की तो दुआ बन गई, नजर नीची की तो हया बन गई। नजर तिरछी की तो अदा बन गई, गर नजर फेर ली तो सजा बन गई।

मामे खान से पहले मंच पीयूष कपूर ने संभाला। उन्होंने 'दिल को तुमसे प्यार हुआ', 'ये काली काली आंखें' जैसे सदाबहार गीतों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। शाम की अंतिम प्रस्तुति परेश पाहुजा की रही।

मंच पर आते ही मामे खान ने 'खम्मा घणी लखनऊ' कहकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

गणित के कठिन कॉन्सेप्ट की चर्चा

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: भारतीय गणितीय सोसायटी की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे सम्मेलन में रविवार को गणित के जटिल कॉन्सेप्ट पर चर्चा की गई। इसमें देश भर से आए विशेषज्ञों ने इन कॉन्सेप्ट की जटिलताओं को समझाया। साथ ही गणित की कई गंभीर प्रॉब्लम पर भी चर्चा की गई।

पुणे से डॉ. संतोष बी धोत्रे मैट्रॉइड सिद्धांत में हाल के विकास के बारे में छात्रों को बताया, तो वहीं कोलकाता के प्रो. स्टीफन बेयर गणित के शास्त्रीय और आधुनिक परिणामों पर व्याख्यान दिया। एपीसेन हॉल में बीजगणित पर प्रो. हिमाद्रि कुमार मुखर्जी के निर्देशन में संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम में बंगलूरू के डॉ. चैतन्य गोपालकृष्ण को पीके जैन पुरस्कार मिला, और कोलकाता के डॉ. अयन घोष को सत्यदेव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पाइपलाइन फटी, खदरा में सप्लाई प्रभावित

■ NBT न्यूज, लखनऊ: पक्का पुल के पास जलकल विभाग की पाइपलाइन फटने से रविवार को खदरा के विभिन्न इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रही। आसपास के इलाकों में सुबह-शाम घरों में पानी न आने से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों की सूचना पर जलकल विभाग टीम देरशाम बाद मौके पर पहुंची और पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने का पता लगाया।

खदरा निवासी प्रमोद विश्वकर्मा ने बताया कि पक्का पुल के पास रविवार सुबह पाइपलाइन का पानी बह कर सड़क पर आ रहा था, जिसकारण पुल से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हुई। पाइपलाइन के लीकेज के चलते सुबह-शाम खदरा, त्रिवेणी नगर सहित विभिन्न इलाकों में लोगों के नलों में पानी नहीं पहुंचा। मामले में जलकल विभाग जोन-3 के एक्सईएन प्रदीप कुमार का कहना है कि मरम्मत का काम जारी है।

वजीरगंज में मोटर गैराज में लगी आग

■ NBT न्यूज, लखनऊ: वजीरगंज इलाके में शनिवार देर रात अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित मोटर गैराज में आग लग गई। अपार्टमेंट में धुआं भर गया तो तीसरी मंजिल पर रह रहे परिवार ने पड़ोस के मकान की छत पर कूद कर जान बचाई। गौतमगंज जगतनारायण रोड पर स्थित चार मंजिला अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर मोटर मकैनिक की दुकान है। शनिवार रात करीब 12:30 बजे मकैनिक की दुकान में आग लग गई। कुछ ही देर में आग की लपटें और धुएं का गुब्बार निकलने लगा। सूचना पर हजरतगंज फायर स्टेशन से मौके पर दमकल की दो गाड़ियां पहुंच गई, लेकिन तब टायर, मोबिल ऑयल व अन्य सामान के जलने से धुआं अपार्टमेंट में भर गया। तीसरे तल पर रहने वाले कन्हैयालाल परिवारीजन के साथ चौथी मंजिल पर बनी छत पर पहुंचे और पड़ोस में बने मकान की छत पर कूद कर जान बचाई।

समाधान दिवस में दूर होगी शिकायतें

■ NBT न्यूज, लखनऊ: डाक विभाग ने लोगों तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक बेहतर पहल की है। इसके तहत लखनऊ मंडल के सभी जिलों में पहले और तीसरे शुक्रवार को समाधान दिवस होगा। जहां डाक विभाग के उपभोक्ता अपनी समस्या का समाधान पा सकेंगे। लखनऊ मंडल के जनपद में जीपीओ हजरतगंज और प्रवर अधीक्षक कार्यालय न्यू हैदराबाद में समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आपने जिस प्रकार की छवि लोगों के बीच बनाई है, उसके बल पर आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा। दोपहर तक आर्थिक संतोष भी खत्म होंगे परंतु कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। हर बात का दोहरा अर्थ निकलता है, सावधान रहें।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आर्थिक मामलों में तकदीर आपका साथ देगी। स्थानीय कारोबार का विस्तार होगा। विस्तृत साझेदारी करने की स्थिति बनेगी, लेकिन निजी संबंधों के मामले में विपरीत रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित होगा लेकिन वह अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त नहीं कर सकेगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आज के दिन किसी काम में आप फंस सकते हैं। अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और यह याद रखें कि कुछ कर दिखाने के लिए मेहनत और लगन की जरूरत ही होती है। आज न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ सकता है जो औरों के लिए असुविधाजनक साबित होगा।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज सुबह से ही आपके आसपास का वातावरण आपके अनुकूल नहीं चल रहा है। ऐसे समय में भी आपको अपना धैर्य नहीं छोड़ना है। हो सकता है आज ही आपको स्वास्थ्य संबंधी प्रॉब्लम्स भी हो। बेहतर होगा कि आप दिन के पहले हिस्से में किसी अच्छे डॉक्टर से मिल लें।

LEO 23 July - 22 Aug
इन दिनों आपका सबकुछ ठीक-ठाक ही चल रहा है। कारोबार की स्थिति भी सुधरती जा रही है। किसी बड़े अधिकारी के आशीर्वाद से नौकरी में भी आपकी स्थिति मजबूत है। आज के दिन आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप समय पर पूरा करेंगे। आपकी तरक्की से विरोधियों का मनोबल गिरेगा।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
किसी-किसी समय जब आप अच्छे मूड में रहते हैं तो अपने चहेतों का भला करने में पीछे नहीं रहते हैं। इसका लाभ वे चापलूस भी उठा लेते हैं जो वास्तव में पीठ पीछे जाकर आपकी बुराई करते हैं। ऐसे ही लोगों से आज आपको विशेष सावधानी बरतनी है। सायंकाल से लेकर रात्रि तक मित्रों से चर्चा होगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आने का समय आपका कठिन रहने वाला है। किसी परीक्षा के लिए आपको तैयार रहना है। अगर आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई लिखा-पढ़ी करना चाहते हैं, तो दिन के समय वही कर डालें। काफी के कामों के लिए भी दोपहर तक का समय अनुकूल है। आज दिन के समय अधिक भागदौड़ी रहने के कारण थकान होगी। हो सके तो सायंकाल का समय परिवार के साथ हंसी-खुशी बिताएं।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
कभी-कभी कोई काम आपकी सोच के विपरीत हो जाते हैं। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं, वही धोखा दे जाता है। कुछ ऐसी ही घटना आज भी होगी। वैसे आपका दिन मिश्रित फलदायक है। एकाध काम अचानक हो जाने से टेंशन कम होगी। साथ ही रात्रि के समय अच्छे समाचार मिलने से हर्ष होगा।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
कई दिनों से आप किसी छोटे-मोटे काम के बिगड़ जाने से आशंकाग्रस्त हैं। हो सकता है आज आपके इस काम में सुधार हो जाए। फिर भी किसी व्यर्थ के डर या आशंका से आपका मन अशांत रह सकता है। दोपहर के बाद कुछ भागदौड़ करने से छिटपुट लाभ हो सकते हैं।

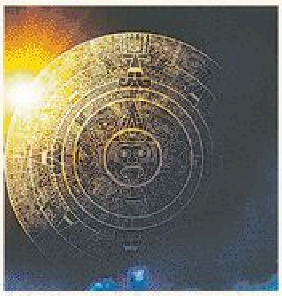

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज का दिन कुछ जानकारीपूर्ण और आपकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने वाला होगा। अच्छे व्यक्तियों से मुलाकात होगी और किसी बड़े लाभ की आशा में दिन सार्थक नजर आएगा। प्रियजनों की तरफ से भी अच्छी खबरें मिलेंगी और कोई योजना बनाते वक्त आपकी सलाह ली जाएगी।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
यह समय अपने कार्यक्षेत्र में सभी पुराने अटके पड़े कामों को पूरा करने का है। इस बीच कुछ अपने ही लोग आपकी चिंता भी बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी प्रेम समस्या में उलझे हैं, तो उसका फैसला भी जल्दी करें। आज के दिन घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। समय का आनंद उठाएं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ हाथ में आने से व्यस्तता बढ़ सकती है। जहां तक हो सके, इनमें से महत्वपूर्ण कार्य सुबह ही पूरे कर लें, क्योंकि दोपहर बाद समय ठीक नहीं है। आपके बनते कामों में रुकावटें पैदा होंगी और उसका मानसिक अवसाद शाम तक बना रहेगा। मित्रों का सहयोग लेना जरूरी होगा। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(29 दिसंबर - 4 जनवरी 2026)

(आचार्य नंदिता पांडे)

● **मूलांक 1**
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल होता जाएगा एवं धन लाभ रहेगा। इस सप्ताह आप जितना तुरंत निर्णय लेकर अपने निवेशों पर अमल करेंगे उतना अधिक शुभ फल प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में साझेदारी में किए गए कार्यों द्वारा कष्ट उत्पन्न हो सकते हैं। प्रेम संबंध में अहं के टकराव से बचें, तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। सप्ताह के अंत में आप जोश में रहेंगे एवं जीवन के कठिन समय को आराम से पार कर पाएंगे

● **मूलांक 2**
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं समाज में मान-सम्मान बढ़ता जाएगा एवं प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम में वृद्धि तो होगी लेकिन आपकी अपेक्षाओं से कम रहेगी। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां बनती जाएंगी एवं अपने निवेशों पर इस सप्ताह आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। इस सप्ताह के अंत में धीरे-धीरे जीवन में सुकून आता जाएगा।

● **मूलांक 3**
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं आप अपने सहयोगियों के साथ अच्छा संबंध स्थापित करेंगे एवं उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। आर्थिक मामलों में समय अनुकूल होता जाएगा एवं धन वृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे। बिजनेस ट्रिप्स आपके लिए शुभ परिणाम सामने लेकर आएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में आप पार्टी के मूड में रहेंगे।

● **मूलांक 4**
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह जीवन में खट्टे-मीठे अनुभव रहेंगे। प्रेम संबंध में रोमांस की एंट्री होगी एवं मन प्रफुल्लित रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत द्वारा स्थितियां सुधरेंगी एवं इस सप्ताह आपके द्वारा की गई मेहनत आपको भविष्य में शुभ फल दिलाएगी। आर्थिक मामलों में भावनात्मक कारणों की वजह से व्यय अधिक हो सकते हैं। इस सप्ताह के अंत में जीवन में सुख समृद्धि के शुभ संयोग भी बनते जाएंगे।

● **मूलांक 5**
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह प्रेम संबंध में समय अनुकूल रहेगा एवं किसी की मदद से लव लाइफ में सुखद समय व्यतीत होगा। आर्थिक व्यय अधिक हो सकते हैं एवं साझेदारी में किए गए निवेश आपके लिए खर्च बढ़ा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी किसी बात के कारण मन अशांत रहेगा। इस सप्ताह के अंत में सुख समृद्धि के संयोग तो बनेंगे लेकिन आपकी अपेक्षाओं से कमतर रहेंगे।

● **मूलांक 6**
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह प्रेम संबंध को लेकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होंगे। इस सप्ताह व्यय की स्थितियां अधिक रहेंगी एवं निवेशों में धन लाभ के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। सप्ताह के अंत में अपनी राय खुल कर सामने रखेंगे तो जीवन में सुकून रहेगा।

● **मूलांक 7**
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह बातचीत द्वारा स्थितियों को सुलझाएंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। आपके प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में धीमी गति से आगे बढ़ेंगे। प्रेम संबंध में जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां अधिक हो सकती हैं। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में जीवन में किसी भी बदलाव को टाल दें तो बेहतर होगा।

● **मूलांक 8**
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
आर्थिक मामलों में समय अनुकूल रहेगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। किसी नए निवेश द्वारा धन वृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। कार्यक्षेत्र में संयम के साथ निर्णय लें। प्रेम संबंध में अहं के टकराव से दूर रहें, बेहतर होगा।

● **मूलांक 9**
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में उन्नति के संयोग बनते जाएंगे। युवा वर्ग के लिए शुभ संकेत प्राप्त होंगे एवं आप अपनी चार्मिंग पर्सनैलिटी द्वारा कठिन समय को आसान करने में सफल रहेंगे। आर्थिक मामलों में इस माह शुभ संकेत प्राप्त होंगे एवं जीवन में सुख-समृद्धि के और अधिक योग बनते जाएंगे। प्रेम संबंध में संयम के साथ काम करेंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष राहु और नेपच्यून आपके वर्ष के प्रतिनिधि ग्रह बने रहेंगे। दिसंबर अंत तक शनि व बृहस्पति की चाल इस वर्ष आपके मार्ग में कुछ अप्रिय प्रभाव देने वाली होगी क्योंकि वर्ष के आरंभ यानी जनवरी 2026 में शनि सूर्य का युग, शुक्र, बुध योग रहने से झगड़े-विवाद से बचे रहें तो ही अच्छा रहेगा। फरवरी-मार्च में आपका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा, खान-पान में परहेज रखना जरूरी होगा। अप्रैल-मई महीने के अंत तक का समय बहुत ही अनुकूल और लाभकारी सिद्ध होगा। जून-जुलाई में किसी औचित्य को ध्यान दिए बगैर आप नए व्यापार के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं, अन्यथा फिर अवसर में फिर सकते हैं। सितंबर में आपका भौतिक पक्ष मजबूत होगा। यह वर्ष अक्टूबर से नवंबर तक विशेषकर काम काजी महिलाओं के लिए उत्साहवर्धक सिद्ध होगा। विद्यार्थी संकुचित दृष्टिकोण से अध्ययन न करें। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 30 दिसंबर 2025)

राष्ट्रीय मिति पौष 9, शक संवत 1947, पौष, शुक्ल, दशमी, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 16, रज्जब 9, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 30 दिसंबर 2025 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल दोपहर 3 बजे से अपराह्न 4 बजकर 30 मिनट तक। दशमी तिथि प्रातः 7 बजकर 5 मिनट तक उपरांत एकादशी तिथि का आरंभ। गर करण प्रातः 7 बजकर 51 मिनट तक उपरांत वव करण का आरंभ। चंद्रमा दिन-रात मेष राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत पर्व-पंचक प्रातः 7 बजकर 41 मिनट तक, गण्डमूल।

सुडोकू

		8				5		
2			8		5			7
	3	5	9		1	4	2	
6			5		3			1
5			2		4			3
	4	9	7		2	3	6	
8			1		6			9
		7				8		

TELEVISION

09:00 [illegible]
10:00 [illegible]
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 [illegible]
13:30 भ से भाई
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
15:30 [illegible]
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 [illegible]

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in